सूर्योदय - 06 : 25
सूर्यास्त - 06 : 30

अधिकतम तापमान 26.0°
न्यूनतम तापमान 15.0°

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

RNI No.DELHIN/2015/66886

ओपन सर्च

E-mail | opensearchdelhi@gmail.com
Facebook | https://www.facebook.com/opensearch.co.in
Website | www.opensearch.co.in

खबरें और विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें

Mob. : 9210092542
opensearchnews@gmail.com

वर्ष : 12 अंक : 314 नई दिल्ली, सोमवार 19 अक्टूबर-2026

नई दिल्ली, हरियाणा, बिहार से प्रकाशित

मूल्य : 02 रूपए | पृष्ठ : 08

चोरबागान हादसा : 19 लोगों की मौत, 24 घायलों का इलाज जारी

कोलकाता के प्रमुख दुर्गा पूजा पंडालों की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने और सुरक्षा उपायों की सिफारिश करने के लिए एक विशेष टीम का गठन

कोलकाता.एजेंसी

पश्चिम बंगाल में हुए चोरबागान हादसे में अब तक 19 लोगों की मौत हो चुकी है और हादसे में घायल 24 लोगों का इलाज चल रहा है। इस घटना के बाद राज्य सरकार ने कोलकाता के प्रमुख दुर्गा पूजा पंडालों की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने और सुरक्षा उपायों की सिफारिश करने के लिए एक विशेष टीम का गठन किया है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शनिवार रात इस टीम का गठन किया, जिसमें राज्य के आपदा प्रबंधन सचिव राजेश सिंह, दमकल सेवा महानिदेशक अनुज शर्मा और स्पेशल टास्क फोर्स के अतिरिक्त महानिदेशक जावेद शमीम शामिल हैं। यह टीम कोलकाता पुलिस के सहयोग से शहर के लोकप्रिय पूजा पंडालों का निरीक्षण करेगी और अपनी रिपोर्ट राज्य गृह सचिव संघमित्रा घोष को सौंपेगी। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) इस टीम का मार्गदर्शन करेंगे।

श्री अधिकारी ने कहा कि पूजा कमेटियों को इस टीम की सिफारिशों का पालन करना होगा। यदि किसी पंडाल का ढांचा असुरक्षित पाया जाता है या उसके गिरने का जोखिम रहता है, तो आयोजकों को उत्सव को केवल पुरोहितों द्वारा संपन्न कराए जाने वाले पूजा अनुष्ठानों तक ही सीमित रखना पड़ सकता है। पंडालों के बाहर एलईडी स्क्रीन लगाई जा सकती हैं, ताकि दर्शक परिसर में प्रवेश किए बिना कार्यक्रम देख सकें। मुख्यमंत्री ने कहा, 'यदि आवश्यक हो, तो केवल पुरोहित द्वारा अनुष्ठान संपन्न कराते हुए पूजा करें। यदि ढांचा क्षतिग्रस्त है या गिर सकता है तो पूजा के बाद कार्यक्रम रोक दें। बाहर एलईडी स्क्रीन लगाएं, ताकि लोग अंदर होने वाले कार्यक्रम देख सकें।' श्री अधिकारी ने लोगों से अगले दो से तीन दिनों तक सतर्क रहने की अपील की। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस त्रासदी के मद्देनजर सभी पूजाओं को बंद नहीं किया जा सकता है।उन्होंने पूजा कमेटियों से भी सहयोग का आग्रह किया। श्री अधिकारी ने मृतक के परिजनों को आश्वासन दिया कि घटना की जांच की जाएगी और अधिकारी यह पता लगाएंगे कि व्यवस्थाओं के लिए कौन जिम्मेदार था। जांच के हिस्से के रूप में सीसीटीवी फुटेज भी जुटाए जाएंगे।हादसे की सूचना मिलने के बाद मुख्यमंत्री शनिवार रात कलकत्ता मेडिकल कॉलेज और अस्पताल पहुंचे थे। उन्होंने अधिकारियों के साथ एक आपात बैठक की और उसके बाद रात में ही चोरबागान स्थित दुर्घटना स्थल का दौरा किया। अष्टमी, नवमी और दशमी के दिन अभी बाकी हैं, इसलिए पुलिस और प्रशासन त्योहार के शेष दिनों में इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति रोकने के लिए कदम उठा रहा है। कोलकाता के कई पंडालों में उम्मीद से ज्यादा भीड़ देखी जा रही है और प्रशासन किसी भी कमी की पहचान कर उसे दूर करने का काम करेगा। हादसे के बाद राज्य सरकार ने एक टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 18003455678 शुरू किया है। इस बीच पुलिस ने पूजा कमेटी के 12 सदस्यों को हिरासत में लिया और शनिवार रात से उनसे पूछताछ शुरू कर दी। मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि एक न्यायाधीश की अगुवाई में विशेष जांच दल (एसआईटी) इस हादसे की जांच करेगा। इस टीम में स्पेशल टास्क फोर्स और सीआईडी (आपराधिक जांच विभाग) जैसी एजेंसियों के अधिकारी शामिल होंगे। श्री अधिकारी ने कहा कि वह जांच की अगुवाई के लिए एक न्यायाधीश की नियुक्ति का अनुरोध करते हुए कलकत्ता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश रवींद्र वी घुगे को पत्र लिखेंगे। एसआईटी इस त्रासदी का कारण पता लगाने के लिए चश्मदीदों के बयानों की जांच करेगी और घटना के विभिन्न पहलुओं की पड़ताल करेगी।राज्य सरकार ने प्रत्येक मृतक के परिवार को 25 लाख रुपये की अनुग्रह राशि और प्रत्येक पीड़ित परिवार के एक सदस्य को समूह 'घ' (ग्रुप डी) की सरकारी नौकरी देने की घोषणा की है। सरकार घायलों का चिकित्सा खर्च भी उठाएगी और प्रत्येक घायल व्यक्ति को पांच लाख रुपये देगी। प्रधानमंत्री कार्यालय ने अलग से घोषणा करते हुए प्रत्येक मृतक के परिवार को दो लाख रुपये और प्रत्येक घायल व्यक्ति को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है।

भयमुक्त, नशामुक्त और खुशहाल समाज निर्माण में दें योगदान

हर नागरिक के मन में सुरक्षा भाव पैदा करना ही रामराज्य की दिशा में पहला कदम-मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

चण्डीगढ़.ओपन सर्च

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि की कल्पनानुसार पंजाब की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाना और हर नागरिक के मन में सुरक्षा का भाव पैदा करना ही रामराज्य की दिशा में पहला कदम होगा। इस पावन अवसर पर हम सब मिलकर भगवान वाल्मीकि के बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लें। उनके दिखाए समानता, समरसता और करुणा के मार्ग को अपने जीवन में उतारें और एक भयमुक्त, नशामुक्त और खुशहाल समाज के निर्माण में अपना अहम योगदान दें।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी रविवार को जालंधर में भगवान वाल्मीकि प्रकट उत्सव पर आयोजित विशाल तीर्थ यात्रा को सम्बोधित कर रहे थे। जालंधर से अमृतसर स्थित भगवान वाल्मीकि की पावन तपोभूमि श्रीराम तीर्थ के लिए यह विशाल तीर्थ यात्रा रवाना हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आदि कवि भगवान वाल्मीकि सम्पूर्ण मानवता के पथ प्रदर्शक, मर्यादा और सामाजिक न्याय के महान वाहक थे। उन्होंने रामायण की रचना करके समाज को मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम का जीवन चरित्र दिया। इसके माध्यम से जीवन जीने की कला, चरित्र निर्माण और उच्च मानवीय मूल्यों की अमर सीख दी। आज बड़े ही दुख और चिंता के साथ कहना पड़ता है कि वर्तमान में पंजाब जिन परिस्थितियों से गुजर रहा है, वे अत्यंत चिंताजनक हैं। आज पंजाब का युवा हताशा और नशे के जाल में फंसता जा रहा है। कानून-व्यवस्था की स्थिति चरमरा रही है और प्रशासनिक अव्यवस्था के कारण समाज का आम नागरिक, किसान, मजदूर और युवा खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहा है।

वाल्मीकि ने भगवान श्रीराम की दिव्य कथा का दिया उपहार

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि भगवान वाल्मीकि राम नाम की गंगा बहाने वाले ऋषियों के ऋषि और योगियों के योगी थे। उन्होंने मानव समाज को भगवान श्रीराम की दिव्य कथा का उपहार दिया। राम नाम का जप करके ही वे महर्षि बने थे। हमारा परम सौभाग्य है कि हम अयोध्या में उनके हृदय सम्राट भगवान श्रीराम जी के भव्य एवं दिव्य मंदिर के निर्माण के साक्षी बने हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान वाल्मीकि ने हमें सिखाया कि कोई भी व्यक्ति जन्म से नहीं, बल्कि अपने कर्मों और विचारों से महान बनता है। उनकी शिक्षाएं हमें आदर्श समाज की स्थापना करना सिखाती हैं जिसमें कोई छोटा या बड़ा न हो तथा हर व्यक्ति को समानता और सम्मान के साथ जीने का अधिकार मिले। उन्होंने कहा कि सत्ता और शासन का मुख्य उद्देश्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की सेवा करना है।

महाराष्ट्र : बीड में बस और कार की भीषण टक्कर, 5 लोगों की घटनास्थल पर मौत

बीड.एजेंसी महाराष्ट्र के बीड जिले के माजलगांव में रविवार को भीषण सड़क हादसा हो गया। तुलजापुर दर्शन के लिए जा रहे श्रद्धालुओं की कार और एसटी बस में टक्कर हो गई। इस दर्दनाक हादसे में कार सवार पांच लोगों की मौके पर ही मौत होने की प्राथमिक जानकारी सामने आई है, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुआ है। जानकारी के मुताबिक, यह हादसा सुबह करीब 11 बजे खामगांव-पंढरपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर माजलगांव तालुका के शिंदेवाड़ी फाटा के पास हुआ। हादसे में कार में सवार माजलगांव शहर के गजानन नामदास समेत 5 लोगों की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। इस हादसे से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ग्वालियर : शीतला माता मंदिर के पास ट्रक ने श्रद्धालुओं को रौंदा : 13 की मौत

ग्वालियर.एजेंसी

मध्य प्रदेश के ग्वालियर में शनिवार-रविवार की दरमियानी रात करीब 1:30 बजे एक रोंगटे खड़े कर देने वाला भीषण सड़क हादसा सामने आया। नवरात्र पर शीतला माता मंदिर में दर्शन करने पहुंचे करीब 45 श्रद्धालुओं को एक तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रक ने कुचल दिया। हादसे में 13 श्रद्धालुओं की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जिनमें महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग शामिल हैं।

2 पुलिसकर्मियों सहित कुल 29 लोग घायल हुए हैं, जिन्हें नजदीकी अस्पतालों और ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है। इनमें से 7 की हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है। ढलान पर बेकाबू हुआ ट्रक, दुकानों को रौंदते हुए मंदिर के गेट से टकराया हादसा चीनौर रोड की ढलान के पास उस वक्त हुआ जब सैकड़ों श्रद्धालु दर्शन के लिए कतारों और आसपास की दुकानों पर मौजूद थे। दीवार ढही, मलबे में दबे लोग, ग्वालियर कलेक्टर रुचिका चौहान के अनुसार, अनियंत्रित ट्रक सड़क किनारे लगी अस्थाई दुकानों और श्रद्धालुओं को रौंदते हुए सीधे मंदिर के प्रवेश द्वार (एंट्री गेट) से जा टकराया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मंदिर की पक्की दीवार भरभराकर ढह गई, जिसके मलबे के नीचे करीब 40 से 50 लोग दब गए। प्रत्यक्षदर्शी गजेंद्र प्रजापति ने बताया कि उनका साला मंदिर पर दुकान लगाता था, जो इस हादसे में घायल हुआ है।

अस्पताल में मातम, 13 मौतों की पुष्टि

ग्वालियर के 1000 बिस्तर अस्पताल के अधीक्षक डॉ. सुधीर सक्सेना ने 13 श्रद्धालुओं की मौत की आधिकारिक पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि अस्पताल में लाए गए घायलों में 7 की स्थिति अति गंभीर बनी हुई है। हादसे के बाद अस्पताल और ट्रॉमा सेंटर के बाहर परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक बालक दिव्यांश की परिजन सावित्री ने बिलखते हुए बताया कि वे सभी दर्शन कर बाहर निकल आए थे, लेकिन काफी तलाश के बाद भी बच्चा नहीं मिला। काफी खोजबीन के बाद अंदर जाकर देखा तो दिव्यांश का शव मिला।

फ्रांस में अशांति के दौरान लगभग 1,200 हिरासत में

पेरिस.एजेंसी

फ्रांस के प्रधानमंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नु ने बताया कि देश में अशांति के दौरान हिरासत में लिए गए लोगों की संख्या 1,200 तक पहुंच गई है, और प्रदर्शनकारियों के साथ झड़प में 150 पुलिसकर्मी और सुरक्षा अधिकारी घायल हुए हैं। लेकोर्नु ने पत्रकारों से कहा, 'आंकड़े अद्यतन किए जा रहे हैं, और अभी जब मैं आपसे बात कर रहा हूं, तब तक हिरासत में लिए गए लोगों की कुल संख्या 1,200 हो गई है।' उन्होंने आगे बताया कि अशांति के दौरान कानून लागू करने वाले 150 अधिकारी घायल हुए हैं। फ्रांस भर में बढ़ती महंगाई और कीमतों में बढ़ोतरी के खिलाफ शनिवार को बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए। इन प्रदर्शनों के दौरान प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच हिंसक झड़पें हुईं, साथ ही दंगे, लूटपाट और तोड़फोड़ की घटनाएं भी सामने आईं। पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस, स्टन ग्रेनेड और वॉटर कैनन का इस्तेमाल किया। अशांति के दौरान, उपद्रवी तत्वों ने लिमोज, मार्सिले और लिले के टाउन हॉल में घुसकर तोड़फोड़ की। लिमोज में टाउन हॉल की निचली मंजिल पर आग लगा दी गई, जो बाद में छत तक फैल गई। ल्योन में, एक पर्यटक कार्यालय को लूटा गया और उसमें आग लगा दी गई। कुल मिलाकर, फ्रांस भर में विरोध प्रदर्शनों में पांच लाख,50 हजार लोगों ने हिस्सा लिया, जिनमें से एक लाख दस हजार लोग पेरिस में शामिल थे।

गोवा में गरजे राहुल गांधी, बीजेपी पर साधा निशाना

पणजी.ओपन सर्च

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गोवा के मडगांव में गोय राखोन यात्रा में शामिल होकर जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह पर वोट चोरी करने तथा संविधान पर हमला करने का आरोप लगाया। इसके साथ ही राहुल गांधी ने गोवा को देश का सबसे भ्रष्ट राज्य बताते हुए भ्रष्टाचार का मुद्दा भी उठाया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को गोवा के मडगांव में पार्टी की 'गोय राखोन यात्रा' में हिस्सा लिया। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं के साथ करीब दो किलोमीटर पैदल यात्रा की। इसके बाद उन्होंने मडगांव क्रिकेट क्लब मैदान में आयोजित जनसभा को संबोधित किया। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि ज्ञानेश कुमार वोटों की चोरी को लागू करते हैं, अमित शाह इसे आगे बढ़ाते हैं और नरेंद्र मोदी पर्दे के पीछे से पूरी योजना चलाते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं 45 से ज्यादा मानहानि के मामलों का सामना कर रहा हूं। ये मामले अमित शाह, नरेंद्र मोदी और दूसरे लोगों की ओर से किए गए हैं। इन 45 मामलों के बावजूद मैं हर मौके पर कहता हूं कि नरेंद्र मोदी वोट चोरी करते हैं। फिर भी सिर्फ इस दावे को लेकर मेरे खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं किया गया। 'राहुल गांधी ने कहा कि अगर वोट चोरी को लेकर उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया, तो पूरी कानूनी प्रक्रिया शुरू हो जाएगी और इसमें वे लोग भी फंस जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह भी चैन से नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'वे जानते हैं कि देर-सबेर कांग्रेस पार्टी उन्हें जवाबदेह ठहराएगी और न्याय दिलाएगी। ' कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा, 'हम संविधान के रखवाले हैं, उसकी रक्षा करना हमारा पवित्र कर्तव्य है। वोट चोरी करके उन्होंने संविधान पर हमला किया है।

संत नामदेव जी की शिक्षाएं मानवता, समानता और श्रम के सम्मान का संदेश देती हैं : मुख्यमंत्री

ओपन सर्च ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि संत शिरोमणि नामदेव जी महाराज की शिक्षाएं आज भी समाज को आपसी भाईचारे, प्रेम, समानता, मानवता और श्रम के सम्मान का संदेश देती हैं। संत-महापुरुष किसी एक जाति या वर्ग के नहीं होते, बल्कि वे पूरे समाज का मार्गदर्शन करते हैं। उनकी शिक्षाओं को जीवन में अपनाकर ही अच्छे समाज और मजबूत राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है। मुख्यमंत्री रविवार को चंडीगढ़ के सेक्टर-21 स्थित नामदेव भवन में संत नामदेव जी महाराज के 756वें प्रकाशोत्सव पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

इस दौरान कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने नामदेव भवन के लिए 21 लाख रुपये देने की घोषणा की और हरियाणा नामदेव सभा के प्रदेशाध्यक्ष एवं पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व अध्यक्ष सतबीर वर्मा द्वारा समाज की मांगों को लेकर सौंपे गए मांग-पत्र पर सकारात्मक विचार करने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि संत नामदेव जी ने अपनी वाणी और जीवन से भक्ति, मानव सेवा और मेहनत करने वाले प्रत्येक व्यक्ति के सम्मान का संदेश दिया। श्री गुरु ग्रंथ साहिब में भी उनकी वाणी शामिल है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकसित भारत-2047 के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। हरियाणा सरकार भी अंत्योदय की भावना के साथ सभी वर्गों के कल्याण और सुशासन के लिए काम कर रही है। सरकार के दो वर्ष के कार्यकाल में 70 वादे पूरे किए गए हैं, जबकि 143 पर काम जारी है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार ने गुरु रविदास जी, भगवान वाल्मीकि जी, भगवान विश्वकर्मा जी, भगवान परशुराम जी और भक्त धन्ना जाट सहित अनेक संत-महापुरुषों की जयंती सरकारी स्तर पर मनाने की पहल की है, ताकि उनकी शिक्षाएं नई पीढ़ी तक पहुंचें। मुख्यमंत्री ने रोहिला राजपूत समाज की सांस्कृतिक विरासत की सराहना करते हुए युवाओं से शिक्षा, कौशल और उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र और हरियाणा सरकार पिछड़े वर्गों को आगे बढ़ाने के लिए लगातार काम कर रही हैं। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा देने तथा केंद्रीय विद्यालयों, नवोदय विद्यालयों, सैनिक स्कूलों और चिकित्सा शिक्षा में ओबीसी आरक्षण जैसे कदमों से समाज को आगे बढ़ने के अवसर मिले हैं। हरियाणा में पिछड़ा वर्ग की क्रीमी लेयर की आय सीमा 6 लाख रुपये से बढ़ाकर 8 लाख रुपये की गई है। बीसी-ए वर्ग को स्थानीय निकायों में प्रतिनिधित्व देने के साथ सरकारी नौकरियों में 27 प्रतिशत आरक्षण का भी प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार अग्निवीरों को सरकारी सेवाओं में अवसर देने और महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए भी काम कर रही है।

महिलाओं के कल्याण के लिए बजट में किए गए प्रावधानों और पात्र परिवारों को 500 रुपये में गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने की योजना का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं का उद्देश्य आमजन को राहत देना है। मुख्यमंत्री ने पंजाब में नशे की समस्या को गंभीर चिंता का विषय बताते हुए राज्य सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि नशे जैसी गंभीर समस्या को राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल करने के बजाय इसके खिलाफ ठोस कार्रवाई की जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को नशे से बचाना सरकार और समाज दोनों की जिम्मेदारी है। हरियाणा में युवाओं को जागरूक करने के लिए कार्यक्रमों और दौड़ जैसे आयोजनों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि नशा तस्करी में संलिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जरूरी है। उन्होंने पंजाब में बेरोजगारी, कानून-व्यवस्था और युवाओं की स्थिति को लेकर भी चिंता जताई और कहा कि आने वाली पीढ़ी का भविष्य सुरक्षित रखने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करने होंगे। मुख्यमंत्री ने अपने स्वीडन दौरे का उल्लेख करते हुए कहा कि हरियाणा में लगभग 4,000 करोड़ रुपये के निवेश को लेकर सहमति बनी है। इससे प्रदेश में औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होने की उम्मीद है।

उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि युवाओं को शिक्षा, कौशल और रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध हों और प्रदेश विकास के रास्ते पर आगे बढ़े। हरियाणा के जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा ने इस दौरान अपने संबोधन में कहा कि संत शिरोमणि नामदेव जी ने समाज को आपसी भाईचारे, प्रेम, सद्भाव और समानता का संदेश दिया। उनकी शिक्षाओं को जीवन में अपनाकर अच्छे समाज और मजबूत राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार ने संत-महापुरुषों की शिक्षाओं के प्रचार-प्रसार के लिए उनकी जयंती सरकारी स्तर पर मनाने की पहल की है।

उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों में हरियाणा में भी संत नामदेव जी की जयंती मनाई जा रही है। आज चंडीगढ़ में आयोजित इस कार्यक्रम में पंजाब के अलग-अलग जिलों से नामदेव समाज के प्रतिनिधियों का शामिल होना समाज में जागरूकता और बदलाव की भावना को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में पिछड़े वर्ग सहित सभी वर्गों को सम्मान और समान अवसर देने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है। मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि पंजाब में आज नशे की समस्या गंभीर चिंता का विषय बनी हुई है। यदि आने वाली पीढ़ी को नशे की गिरफ्त से नहीं बचाया गया तो इसका असर पूरे समाज पर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों के साथ-साथ संत-महापुरुषों की शिक्षाओं से जुड़े लोगों और सामाजिक संगठनों को भी इस लड़ाई में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। हरियाणा नामदेव सभा के प्रदेशाध्यक्ष एवं पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व अध्यक्ष सतबीर वर्मा ने मुख्यमंत्री नायब सैनी का लगातार तीसरी बार संत नामदेव जयंती समारोह में पहुंचने पर आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने हरियाणा में सभी वर्गों, विशेषकर गरीब, किसान, कर्मचारी और पिछड़े वर्गों के हित में अनेक योजनाएं लागू की हैं।

23 से 26 अक्टूबर तक आयोजित होगा तीसरा सूरजकुंड दिवाली मेला, नायब सैनी

चंडीगढ़। हरियाणा पर्यटन विभाग द्वारा तीसरे सूरजकुंड दिवाली मेले का आयोजन 23 से 26 अक्टूबर 2026 तक सूरजकुंड मेला परिसर, फरीदाबाद में किया जाएगा। चार दिवसीय यह मेला दिवाली के उल्लास, भारतीय कला एवं हस्तशिल्प, पारंपरिक व्यंजनों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का अनूठा संगम होगा। मेले के माध्यम से जहां लोगों को दिवाली की खरीदारी के लिए विभिन्न प्रकार के उत्पाद उपलब्ध होंगे, वहीं उन्हें परिवार के साथ मनोरंजन और भारतीय संस्कृति की समृद्ध विरासत से रूबरू होने का अवसर भी मिलेगा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी मेले का शुभारंभ 23 अक्टूबर को करेंगे। उद्घाटन समारोह में हरियाणा के विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहेंगे। वहीं, 26 अक्टूबर को आयोजित होने वाले समापन समारोह में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। मेले में लगभग 300 स्टॉल लगाई जाएंगी, जहां देश के विभिन्न क्षेत्रों के हस्तशिल्प, हथकरघा उत्पाद, पारम्परिक कलाकृतियां, घर की सजावट से संबंधित सामान और दिवाली के लिए उपयोगी वस्तुओं की विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध होगी। इन स्टॉल के माध्यम से आगंतुकों को पारंपरिक एवं आकर्षक उत्पाद खरीदने का अवसर मिलेगा। साथ ही, यह आयोजन शिल्पकारों और कारीगरों को अपने हुनर एवं उत्पादों का प्रदर्शन करने तथा उन्हें व्यापक बाजार तक पहुंचाने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगा। मेले में आगंतुकों के लिए विशाल फूड कोर्ट की व्यवस्था भी की जाएगी। इसमें विभिन्न क्षेत्रों के पारंपरिक व्यंजनों के साथ प्रतिष्ठित फूड ब्रांड्स के लोकप्रिय पकवान उपलब्ध होंगे। खानपान के विविध विकल्प मेले में आने वाले लोगों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहेंगे। खरीदारी, खानपान और मनोरंजन की गतिविधियां मेले को परिवारों के लिए एक विशेष उत्सवी अनुभव प्रदान करेंगी। चार दिवसीय मेले के दौरान लोक कलाकारों, लोक नृत्य दलों और पारंपरिक कलाकारों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। इन कार्यक्रमों के माध्यम से आगंतुकों को देश की विविध लोक परंपराओं, कला और सांस्कृतिक विरासत को करीब से देखने एवं समझने का अवसर मिलेगा। मेले की सांस्कृतिक संध्याओं में प्रसिद्ध सूफी एवं लोक गायक कंवर ग्रेवाल की प्रस्तुति विशेष आकर्षण रहेगी। उनकी गायकी के साथ अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम भी मेले के माहौल को उत्साह और उमंग से भरेंगे। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से आगंतुकों को संगीत और लोक संस्कृति का आनंद लेने का अवसर मिलेगा।

हरियाणा सार्वजनिक उपक्रम ब्यूरो के चेयरमैन मोहनलाल बड़ौली ने किया सफीदों अनाज मंडी का निरीक्षण

ओपन सर्च ब्यूरो

चंडीगढ़। सफीदों की अनाज मंडी में किसानों की फसल खरीद, उठान और अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए हरियाणा सार्वजनिक उपक्रम ब्यूरो के चेयरमैन मोहनलाल बड़ौली ने रविवार को अनाज मंडी का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों से फसल बिक्री, खरीद प्रक्रिया, मंडी में फसल के उठान तथा किसानों को उपलब्ध करवाई जा रही सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मंडी में फसल खरीद प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित रखा जाए ताकि किसानों को अपनी फसल बेचने में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि किसानों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए खरीद से संबंधित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने अधिकारियों से मंडी में पहुंच रही फसल, उसकी खरीद, निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार उठान तथा संबंधित रिकॉर्ड के रखरखाव के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि खरीदी गई फसल का उठान समय पर करवाया जाए, ताकि मंडी परिसर में फसल का अनावश्यक जमाव न हो और किसानों को अपनी उपज मंडी में लाने के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध रहे। चेयरमैन ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे आपसी तालमेल के साथ कार्य करते हुए खरीद एवं उठान प्रक्रिया पर लगातार निगरानी रखें। मंडी में किसानों के लिए आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए तथा किसी भी प्रकार की समस्या सामने आने पर उसका प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए।

व्यापारियों एवं उद्योगपतियों की समस्याओं के समाधान के लिए हरियाणा सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री

हरियाणा में निवेश, उद्योगों के विस्तार, एमएसएमई को प्रोत्साहन और रोजगार सृजन पर सरकार का विशेष फोकस

मुख्यमंत्री का जिला व्यापार मंडल, जालंधर चैंबर ऑफ इंडस्ट्रीज एंड कॉमर्स ने किया स्वागत

चंडीगढ़.ओपन सर्च। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी का जालंधर में जिला व्यापार मंडल एवं जालंधर चैंबर ऑफ इंडस्ट्रीज एंड कॉमर्स के प्रतिनिधियों द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। इस अवसर पर व्यापार एवं औद्योगिक क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री के साथ संवाद किया। मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया कि व्यापारियों और उद्योगपतियों के हितों का ध्यान रखना तथा उनकी समस्याओं के समाधान के लिए सकारात्मक प्रयास करना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि व्यापार और उद्योग किसी भी प्रदेश की आर्थिक प्रगति के महत्वपूर्ण आधार हैं। उद्योगों के विस्तार से निवेश को बढ़ावा मिलता है, युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होते हैं और अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती है। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि उद्यमियों को अनुकूल वातावरण मिले और वे नए निवेश तथा कारोबार के विस्तार के लिए प्रोत्साहित हों। उन्होंने कहा कि हाल ही में उन्होंने सिंगापुर और स्वीडन का दौरा कर विदेशी निवेश सहित अन्य औद्योगिक प्रोत्साहनों पर विमर्श किया और अनेक समझौता हस्ताक्षर किए हैं। हरियाणा सरकार ने उद्योगों, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) तथा निर्यात को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न नीतिगत पहल की हैं। हरियाणा की औद्योगिक नीति-2026 और एमएसएमई एवं निर्यात प्रोत्साहन से जुड़ी पहलों का उद्देश्य निवेश आकर्षित करना, उद्यमियों को प्रोत्साहन देना और रोजगार के अवसर बढ़ाना है।

अनिल विज की कार्यशैली से प्रभावित होकर लोगों ने भाजपा का दामन थामा

अम्बाला/चंडीगढ़.ओपन सर्च

हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज की कार्यशैली से प्रभावित होकर आज नगर परिषद अम्बाला सदर के वार्ड नंबर छह से पार्षद संदीप शर्मा ने अपने समर्थकों के साथ चित्रा सरवारा का साथ छोड़ भारतीय जनता पार्टी का दामन थामा। इसके अलावा वार्ड नंबर छह से ही आजाद चुनाव लड़ने वाले आशुतोष ने भी आज भाजपा का दामन थामा। दोनों नेताओं को ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने अपने निवास पर पार्टी के पटके पहनाते हुए बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं के बीच उनका स्वागत किया और कहा कि 'मैं अकेला ही चला था जानिब-ए-मंज़िल मगर, लोग मिलते गए और कारवाँ बनता गया। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पार्षद मदनलाल शर्मा व ग्रामीण मंडल अध्यक्ष विकास बहगल के नेतृत्व में पार्षद संदीप शर्मा, आशुतोष सहित सैकड़ों लोगों ने भारतीय जनता पार्टी का दामन थामा। ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने इस दौरान कहा कि आज भाजपा परिवार में बढ़ौत्तरी हुई है और वार्ड नंबर छह से पार्षद संदीप शर्मा अपने सैकड़ों साथियों के साथ भाजपा में शामिल हुए हैं। इसी तरह चुनाव लड़ने वाले आशुतोष भी शामिल हुए है। उन्होंने कहा भाजपा की जो विकास करने की राजनीति, काम करने की राजनीति है, आज अम्बाला छावनी का बढ़ा हुआ स्वरूप देख रहे हो, यह अकेला मेरा योगदान नहीं, बल्कि कार्यकर्ताओं और लोगों का भी योगदान है। हम न जात-पात की, क्षेत्रवाद की राजनीति नहीं करते। हम केवल विकास की राजनीति करते है, जब हम 1971 में पार्टी में शामिल हुए थे तो यही घुट्?टी पिलाई गई कि राजनीति सेवा का माध्यम है और इसमें हम सेवा करने के लिए आते है। हमने यह करके दिखाया है। मेरे से पहले का अम्बाला और अब का अम्बाला कहां पहुंच गया है। यह सारा विकास हमने मिलकर किया है और अम्बाला को और बुलंदियों तक पहुंचाएगे।

बेहतर प्रशिक्षण से मजबूत होगा ग्रामीण विकास : डॉ. चौहान

ओपन सर्च ब्यूरो

नीलोखेड़ी/करनाल। हरियाणा ग्रामीण विकास संस्थान, नीलोखेड़ी में बीबी जी राम जी के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आयोजित दो दिवसीय क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हो गया। समापन अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि ग्रामीण विकास योजनाओं की सफलता अधिकारियों एवं कर्मचारियों की कार्यकुशलता, पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने पर निर्भर करती है। इसलिए योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए समय-समय पर प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण आवश्यक है। डॉ. चौहान ने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से प्रतिभागियों को विकास कार्यों की उचित योजना बनाने, गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूरा करने की व्यावहारिक जानकारी मिलती है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त ज्ञान को कार्यक्षेत्र में लागू करना चाहिए, ताकि सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र ग्रामीणों तक प्रभावी ढंग से पहुंच सके। उन्होंने प्रतिभागियों को अपनी कार्यशैली में निरंतर सुधार लाने और ग्रामीण विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने का आह्वान किया। डॉ. चौहान ने सभी प्रतिभागियों को मातृभाषा में कार्य करने का संकल्प दिलवाया तथा अपने दैनिक कार्यों में हिंदी को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। डॉ. चौहान ने कहा कि ग्रामीण विकास केवल योजनाओं को स्वीकृति देने तक सीमित नहीं है, बल्कि उनका सही तरीके से क्रियान्वयन और निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य पूरा करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

अंकिता भंडारी को न्याय दिलाने के लिए उत्तराखंड में 22 अक्टूबर से न्याय यात्रा निकालेगी कांग्रेस : कुमारी सैलजा

ओपन सर्च ब्यूरो

धामी सरकार को घेरा, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, पेपर लीक और पलायन पर उठाए सवाल, 27 व 28 अक्टूबर को विधानसभा घेराव का ऐलान

चंडीगढ़/देहरादून। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, उत्तराखंड कांग्रेस प्रभारी, सिरसा की सांसद, पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री एवं कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की सदस्य कुमारी सैलजा ने कहा कि उत्तराखंड में महिलाओं की सुरक्षा, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और पलायन जैसे गंभीर मुद्दों पर भाजपा सरकार जवाबदेही से बच रही है।

देहरादून में मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने घोषणा की कि कांग्रेस 22 से 25 अक्टूबर तक प्रदेशभर में न्याय यात्रा निकालेगी। इस दौरान जनता से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जाएगा। कुमारी सैलजा ने अंकिता भंडारी हत्याकांड का उल्लेख करते हुए कहा कि इस मामले में सामने आए आरोपों और वायरल ऑडियो की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। जिन लोगों के नाम आरोपों में सामने आए हैं, उनसे जुड़े तथ्यों की जांच कर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाया जाना चाहिए। सांसद ने दुष्यंत गौतम को सिक्किम का राज्यपाल नियुक्त किए जाने पर सवाल उठाते हुए आशंका जताई कि इससे जांच प्रभावित हो सकती है। सांसद ने कहा कि अंकिता को न्याय दिलाने के लिए कांग्रेस का संघर्ष जारी रहेगा। कुमारी सैलजा ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक पात्र नागरिक के मतदान अधिकार की रक्षा जरूरी है। शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करना सभी राजनीतिक दलों का लोकतांत्रिक अधिकार है।

कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य से जुड़े प्रकरण का उल्लेख करते हुए कुमारी सैलजा ने मिड-डे मील, राष्ट्रीय खेलों और राशन व्यवस्था से संबंधित कथित भ्रष्टाचार के आरोपों की निष्पक्ष जांच की मांग की। सांसद ने जमीनों की खरीद-फरोख्त, अवैध खनन और बदरीनाथ में चढ़ावे से जुड़ी कथित अनियमितताओं की पारदर्शी जांच की आवश्यकता भी बताई। कुमारी सैलजा ने कहा कि बेरोजगारी, पेपर लीक और पर्वतीय क्षेत्रों से पलायन उत्तराखंड की गंभीर समस्याएं हैं। सरकार को युवाओं के भविष्य और रोजगार के अवसरों पर विशेष ध्यान देना चाहिए। सांसद ने मीडिया को बताया कि कांग्रेस 22 से 25 अक्टूबर तक न्याय यात्रा, 27 और 28 अक्टूबर को विधानसभा घेराव, एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में विशाल सम्मेलन तथा चार नवंबर को कथित जमीन घोटालों के विरोध में प्रदेश और जिला मुख्यालयों पर धरना-प्रदर्शन करेगी।

आरएसएस स्वयंसेवकों ने शहर में निकाला पथ संचलन, पंच परिवर्तन पर दिया जोर

गीता देवी/ओपन सर्च ब्यूरो

करनाल। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ श्री राम उपनगर की ओर से विजयादशमी और संघ स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में पूर्ण गणवेश में पथ संचलन निकाला गया और विधि-विधान से शस्त्र पूजन किया गया। शिव कॉलोनी स्थित गुरु द्रोणाचार्य पार्क में शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में सैकड़ों स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वही अर्जुन गेट स्थित सेवा श्री आश्रम में भी विजयदशमी के उपलक्ष में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यहां सेवा भारती के प्रांतीय संगठन मंत्री जितेंद्र कुमार ने स्वयंसेवकों को एकता, सामाजिक समरसता, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया। अनुशासित कदमताल के साथ निकले पथ संचलन का जगह-जगह पर लोगों ने फूलों की वर्षा कर स्वागत किया। कार्यक्रम का वातावरण राष्ट्रप्रेम और सामाजिक एकजुटता की भावना से ओतप्रोत रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी सुभाष चावला ने की।

श्री राम उपनगर में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला प्रचारक लखपत राय ने पंच परिवर्तन की वर्तमान सामाजिक और राष्ट्रीय परिदृश्य में प्रासंगिकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि समाज को सशक्त बनाने और राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने स्वयंसेवकों से राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए समाज में एकता, सद्भाव और सेवा की भावना को मजबूत करने का आह्वान किया। लखपत राय ने पंच परिवर्तन के पांच प्रमुख विषयों सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी भाव और नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूकता को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि इन विषयों को जीवन में अपनाकर समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। सामाजिक समरसता से आपसी भेदभाव दूर करने, कुटुंब प्रबोधन से पारिवारिक मूल्यों को मजबूत बनाने, पर्यावरण संरक्षण से प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी निभाने, स्वदेशी भाव से देश में निर्मित वस्तुओं को प्रोत्साहन देने और नागरिक कर्तव्यों के पालन से राष्ट्र को सशक्त बनाने में मदद मिलती है।

औसत से अधिक धान पैदावार भी खरीदेगी सरकार, 48 घंटे में होगा समस्या का समाधान : श्याम सिंह राणा

ओपन सर्च ब्यूरो

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने सिरसा, डबवाली, कालांवाली और रानियां की अनाज मंडी में खरीद, उठान व अन्य व्यवस्थाओं का लिया जायजा, किसानों व आढ़तियों की सुनी समस्याएं

चंडीगढ़। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों की फसल का एक-एक दाना खरीदने के लिए प्रतिबद्ध है। यदि किसी किसान के खेत में निर्धारित औसत से अधिक धान की पैदावार हुई है तो उसकी अतिरिक्त उपज की खरीद को लेकर किसान परेशान न हों।

ऐसे किसान अपनी अधिक पैदावार का विवरण संबंधित मार्केट कमेटी के सचिव को लिखित रूप में दें। किसान के आग्रह पर 48 घंटे के भीतर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों को औसत से अधिक उत्पादन होने की स्थिति में फसल बेचने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं आनी चाहिए। कृषि मंत्री रविवार को सिरसा जिले की डबवाली, कालांवाली, रानियां और सिरसा अनाज मंडियों का दौरा कर खरीफ सीजन की फसल खरीद व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे थे। इस दौरान उन्होंने किसानों और आढ़तियों से बातचीत कर धान खरीद, फसल के उठान, भुगतान, बारदाने, खाद तथा मंडियों में उपलब्ध अन्य सुविधाओं की जानकारी ली।

उन्होंने अधिकारियों को खरीद प्रक्रिया को सुचारू बनाए रखने और किसानों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने के निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि धान में निर्धारित 17 प्रतिशत तक नमी होने पर नियमानुसार खरीद की जा रही है। जे-फार्म कटने के बाद किसानों को उनकी फसल का भुगतान किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि खरीद के बाद फसल का उठान समय पर करवाया जाए तथा बारदाने की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि मंडियों से फसल का जल्द उठान होने से किसानों को भुगतान भी समय पर मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि मंडियों में किसानों और आढ़तियों के लिए साफ-सफाई, पेयजल सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं पर्याप्त होनी चाहिए।

खरीद प्रक्रिया से संबंधित रिकॉर्ड भी दुरुस्त रखा जाए तथा किसानों की शिकायतों और समस्याओं का तत्काल समाधान किया जाए। कृषि मंत्री ने कहा कि जिन मंडियों में फसल रखने के लिए जगह की समस्या सामने आ रही है, वहां अतिरिक्त स्थान उपलब्ध करवाने की व्यवस्था की जा रही है। जहां से इस संबंध में आवेदन प्राप्त हुए हैं, वहां आवश्यक कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि किसानों और आढ़तियों के सामने फसल रखने के लिए जगह की समस्या नहीं आने दी जाएगी।

वर्ष के दो महीने से अधिक शेष रहते दिल्ली ने पिछले कई वर्षों के पूरे साल के आंकड़ों को पीछे छोड़ा : पर्यावरण मंत्री

नई दिल्ली.ओपन सर्च

दिल्ली में वायु गुणवत्ता सुधारने के प्रयासों के सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। राजधानी में 17 अक्टूबर, 2026 तक अच्छी, संतोषजनक और मध्यम श्रेणी की वायु गुणवत्ता वाले कुल 211 साफ हवा के दिन दर्ज किए गए हैं। कोविड-19 से प्रभावित वर्ष 2020 को छोड़ दें, तो 2016 से लेकर अब तक दिल्ली का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। विशेष बात यह है कि वर्ष 2026 के दो महीने से अधिक समय शेष रहने के बावजूद दिल्ली ने पिछले कई वर्षों में पूरे साल के दौरान दर्ज किए गए वायु गुणवत्ता वाले दिनों के आंकड़ों को पीछे छोड़ दिया है।

वर्ष 2025 में ऐसे 200 दिन, 2024 में 209 दिन, 2023 में 206 दिन, 2018 में 159 दिन और 2016 में 110 दिन दर्ज किए गए थे। इस उपलब्धि पर दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व और मार्गदर्शन में दिल्ली सरकार ने वायु प्रदूषण से निपटने के लिए व्यापक, समन्वित और परिणामोन्मुखी रणनीति अपनाई है। विभिन्न विभागों, एजेंसियों और संबंधित हितधारकों के निरंतर प्रयास अब सकारात्मक परिणाम देने लगे हैं। सिरसा ने कहा, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में हमारी सरकार ने स्वच्छ हवा को सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल किया है। दिल्ली में इस वर्ष अब तक अच्छी से मध्यम श्रेणी की वायु गुणवत्ता वाले 211 दिन दर्ज किए गए हैं, जबकि वर्ष 2016 में पूरे वर्ष के दौरान ऐसे 110 दिन ही दर्ज हुए थे। 101 दिनों का यह अंतर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह सरकारी एजेंसियों, संस्थानों और दिल्लीवासियों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। पर्यावरण मंत्री ने बताया कि वर्ष 2016 की इसी अवधि में खराब, बहुत खराब और गंभीर श्रेणी की वायु गुणवत्ता वाले 168 दिन दर्ज किए गए थे, जबकि वर्ष 2026 में यह संख्या घटकर 79 दिन रह गई है।

उन्होंने कहा कि नवीनतम आंकड़े दिल्ली की वायु गुणवत्ता में आए सकारात्मक बदलाव को दर्शाते हैं। साथ ही, ये परिणाम प्रदूषण नियंत्रण के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण, निरंतर निगरानी और विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय के महत्व को भी रेखांकित करते हैं। सिरसा ने कहा, वर्ष 2026 के समाप्त होने में अभी दो महीने से अधिक का समय शेष है और दिल्ली पहले ही पिछले कई वर्षों के पूरे साल के आंकड़ों को पार कर चुकी है। यह उत्साहजनक है। इससे स्पष्ट होता है कि निरंतर प्रयासों, वैज्ञानिक उपायों, सख्त निगरानी और जनता के सहयोग से वायु प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण की दिशा में सार्थक बदलाव लाया जा सकता है। पर्यावरण मंत्री ने वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए योगदान देने वाले सभी विभागों, कार्यान्वयन एजेंसियों, प्रवर्तन टीमों, वैज्ञानिक संस्थानों, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों, बाजार संगठनों, औद्योगिक इकाइयों, कॉरपोरेट प्रतिष्ठानों और दिल्ली के नागरिकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता लगातार प्रदूषण नियंत्रण के लिए सरकार और समाज की सामूहिक भागीदारी पर जोर देती रही हैं। इसी दृष्टिकोण के तहत सभी संबंधित विभागों और एजेंसियों के बीच समन्वय स्थापित कर प्रदूषण नियंत्रण के प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि इस चुनौती से निपटने की जिम्मेदारी किसी एक विभाग तक सीमित न रहे।

पर्यावरण मंत्री ने बताया कि दिल्ली सरकार प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए कई स्तरों पर लगातार काम कर रही है। इनमें मशीनीकृत सड़क सफाई, पानी का छिड़काव, एंटी-स्मॉग गन की तैनाती, सड़कों का पुनर्विकास एवं सुधार, निर्माण और विध्वंस स्थलों पर धूल नियंत्रण, औद्योगिक उत्सर्जन की सख्त निगरानी, खुले में कचरा जलाने की घटनाओं की रोकथाम और इलेक्ट्रिक सार्वजनिक परिवहन का विस्तार शामिल हैं।

सर्दियों में प्रदूषण नियंत्रण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

वायु गुणवत्ता में सुधार पर संतोष व्यक्त करते हुए पर्यावरण मंत्री ने आगाह किया कि दिल्ली के लिए असली चुनौती आगामी सर्दियों में होगी। इस दौरान प्रतिकूल मौसमी परिस्थितियों, हवा की कम गति और अन्य मौसमी कारकों के कारण प्रदूषण का स्तर बढ़ने की आशंका रहती है। सिरसा ने कहा, 'वायु गुणवत्ता में सुधार उत्साहजनक है, लेकिन यह लापरवाह होने का समय नहीं है। असली चुनौती अभी सामने है। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में सरकार ने व्यापक विंटर एक्शन प्लान और प्रदूषण नियंत्रण के लिए निवारक प्रोटोकॉल तैयार किए हैं।

लाल किले की रामलीला में टेरेंस लुईस ने मचाई धूम, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने महिषासुर को दीं शुभकामनाएं

नई दिल्ली.ओपन सर्च

गुजरात में नवरात्रि के दो शानदार आयोजनों के बाद 'आज का महिषासुर' की टीम दिल्ली पहुंची, जहां लाल किले की ऐतिहासिक रामलीला में फिल्म का जोरदार स्वागत हुआ। एक्टर और कोरियोग्राफर टेरेंस लुईस ने हजारों दर्शकों के सामने फिल्म का भक्तिमय गाना 'जगदंबे रानी' लाइव परफॉर्म किया। इस खास मौके पर उनके साथ फिल्म के सिंगर-कंपोजर की जोड़ी अमोल-अभिषेक (अमोल श्रीवास्तव और अभिषेक टैलेंटेड) भी मौजूद रहे।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने टीम के साथ मंच साझा किया और फिल्म की सफलता के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। यह पल पूरी टीम के लिए बेहद खास बन गया। शाम की सबसे बड़ी हाईलाइट रही टेरेंस लुईस की 'जगदंबे रानी' पर लाइव परफॉर्मेंस, जिसने नवरात्रि की भक्ति और उत्साह को और भी खास बना दिया। रिलीज हो चुका यह गाना दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स हासिल कर रहा है। गुजरात में मिले शानदार प्यार के बाद दिल्ली में

भी दर्शकों का यह उत्साह फिल्म की टीम के लिए किसी खास उपलब्धि से कम नहीं रहा। संगीत, सिनेमा और भारत की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं का यह संगम दर्शकों से जुड़ने का एक खूबसूरत जरिया बना। अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए, टेरेंस लुईस ने कहा, लाल किले की ऐतिहासिक श्री धार्मिक लीला कमेटी के इस भव्य आयोजन का हिस्सा बनना और इतने उत्साही दर्शकों के सामने परफॉर्म करना मेरे लिए एक शानदार अनुभव था। गुजरात में हमारे दोनों नवरात्रि आयोजनों को जो प्यार मिला, उसके बाद दिल्ली के दर्शकों का जोश और गर्मजोशी इस शाम को और भी यादगार बना गई। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के साथ मंच साझा करना पूरी टीम के लिए गर्व का पल था।

ग्वालियर हादसे पर गृह मंत्रालय ने जताया दुख, मृतकों की संख्या 14 पहुंची

नई दिल्ली (एजेंसी)

मध्य प्रदेश के ग्वालियर में शीतला माता मंदिर के पास हुए सड़क हादसे पर केंद्रीय गृह मंत्रालय समेत अन्य लोगों ने दुख जताया है। इस घटना में मृतकों की संख्या बढ़कर 14 हो गई है और 27 लोग घायल हुए हैं, जिनका अस्पताल में इलाज जारी है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि ग्वालियर में शीतला माता मंदिर के पास हुआ हादसा अत्यंत दुखद है। इस हादसे में अपनों को खोने वाले परिवारों के प्रति उन्होंने संवेदना व्यक्त की। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति और शोकाकुल परिवारों को दुख सहने की शक्ति देने की प्रार्थना की। साथ ही, घायलों को हर संभव चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। वहीं, मध्य प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि ग्वालियर

के चीनोर रोड पर हुई सड़क दुर्घटना में शीतला माता मंदिर के दर्शन के लिए जा रहे श्रद्धालुओं की असमय मौत का समाचार हृदय को द्रवित करने वाला है।

उन्होंने मातारानी से दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान देने और शोकाकुल परिजनों को इस दुख को सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, हादसे में जान गंवाने वाले 14 लोगों में से पुलिस ने 11 की पहचान कर ली है, जबकि तीन मृतकों की पहचान अभी नहीं हो सकी है। मृतकों में महलगांव निवासी सतेंद्र सिंह गुर्जर उर्फ जगदीश सिंह, राजीव नगर निवासी सरला तोमर, खुरेरी के बड़ागांव निवासी गौरव परिहार, श्योपुर के सहसराम निवासी महेश शर्मा, शिवपुरी जिले के महागावरा निवासी विमलेश और भितरवार के मावटा निवासी देवेश बघेल शामिल हैं। इसके अलावा, ठाठीपुर निवासी प्रिंस उर्फ छोटू जाटव, श्योपुर के सहसराम निवासी शौर्य शर्मा, शिवनगर गदाईपुरा निवासी हेमंत राठौर, महेशपुरा निवासी दिव्यांश कुशवाह और गदाईपुरा निवासी पवन राठौर की भी इस हादसे में मौत हुई है। जयारोग्य अस्पताल समूह के अधीक्षक सुधीर सक्सेना ने बताया कि उनके अस्पताल में 13 लोगों को मृत अवस्था में लाया गया था। करीब 10 मरीज प्रारंभिक उपचार के बाद घर जा चुके हैं, जबकि कई घायलों का इलाज जारी है। इनमें कुछ की स्थिति गंभीर बनी हुई है।

वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन : 40,000 लोग हुए शामिल, सीएम ने दिखाई हरी झंडी, वायु सेना प्रमुख ने भी लगाई दौड़

नई दिल्ली.ओपन सर्च

वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन के 21वें संस्करण में देश-विदेश से 40,000 लोगों ने भाग लिया। इनमें 10,000 महिलाएं भी शामिल थीं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम से इस आयोजन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह आयोजन दिल्ली में एक ऐसा माहौल बनाता है जहां लोग सीमाओं को पार कर एक साथ आगे बढ़ते हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि यह सिर्फ एक खेल आयोजन नहीं है।

उन्होंने बताया कि दिल्ली लगातार 'फिट इंडिया' आंदोलन की ओर बढ़ रही है। यह पहल प्रधानमंत्री द्वारा हमेशा बढ़ावा दी गई है। मुख्यमंत्री ने हर साल दिल्ली में इस आयोजन के लिए गर्व व्यक्त किया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को उनकी भागीदारी के लिए बधाई दी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस मैराथन

को दिल्ली के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि यह लोगों को अपने समुदायों से बाहर निकलकर जुड़ने का अवसर देता है। यह आयोजन दिल्ली को 'फिट इंडिया' आंदोलन की दिशा में आगे बढ़ा रहा है। मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि यह दिल्ली के लिए गर्व का विषय है। भारतीय वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह भी इस मैराथन में शामिल हुए। उन्होंने दौड़ने का मौका मिलने पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने इसे एक बेहतरीन इवेंट और अपने देखे गए रनिंग इवेंट्स में सबसे अच्छा बताया। एयर चीफ मार्शल सिंह ने कहा कि दौड़ना फिटनेस का एक बुनियादी रूप है।

'जागृति' की ज्योति में निरंकारी संत समागम की तैयारियाँ अंतिम चरण में

नई दिल्ली.ओपन सर्च

जहाँ ब्रह्मज्ञान से चेतना जागृत हो, प्रेम से हृदय आलोकित हो और सेवा जीवन का संकल्प बन जाए वहीं संत समागम आत्मिक जागृति का ऐसा पावन उत्सव बन जाता है, जो मनुष्य को अपने भीतर झाँकने और परमात्मा से जुड़ने की प्रेरणा देता है। इसी दिव्य भाव और आध्यात्मिक चेतना को साकार करते हुए, सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी की पावन छत्रछाया में 79वां वार्षिक निरंकारी संत समागम 23 से 26 अक्टूबर, 2026 तक संत निरंकारी आध्यात्मिक स्थल, समालखा में आयोजित होने जा रहा है। देश-विदेश से हजारों श्रद्धालु इस पावन अवसर पर एकत्र होकर सत्संग, सेवा, प्रेम और भक्ति के इस दिव्य मिलन में सहभागी बनेंगे। श्रद्धालुओं की बढ़ती सहभागिता के साथ समागम स्थल की तैयारियाँ अब अंतिम चरण में पहुँच चुकी हैं।

संतों की निस्वार्थ सेवा, परिश्रम और समर्पण से सामान्य सा प्रतीत होने वाला मैदान आज एक दिव्य आध्यात्मिक नगरी का स्वरूप धारण कर चुका है।

विशाल पंडालों में श्रद्धालुओं के लिए सुव्यवस्थित व्यवस्थाएँ की गई हैं। साथ ही, अत्याधुनिक एल.ई.डी. स्क्रीन स्थापित की जा रही हैं, ताकि परिसर के प्रत्येक कोने में बैठे श्रद्धालु प्रेरणादायक प्रवचनों, भावपूर्ण भजनों एवं आध्यात्मिक विचारों को सहजता से देख-सुन सकें और सत्संग की भावधारा से एकरूप हो सकें। यह संत समागम केवल एक वार्षिक आयोजन नहीं, बल्कि ब्रह्मज्ञान, भक्ति, समर्पण और आत्मिक जागृति का पावन संगम है। यहाँ श्रद्धालु अपनी अंतर्चेतना को जागृत करने, परमात्मा से अपने संबंध को अनुभव करने तथा विश्वबंधुत्व, सौहार्द और निस्वार्थ सेवा जैसे मानवीय मूल्यों को जीवन में आत्मसात करने की प्रेरणा प्राप्त करते हैं। संत समागम की यही भावना मनुष्य को बाहरी उपलब्धियों से आगे बढ़कर अपने भीतर की समृद्धि को पहचानने का अवसर प्रदान करती है।

सुप्रीम कोर्ट ने पटियाला के दो और नगर निगम वार्डों में नए सिरे से चुनाव कराने का दिया आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)

सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब के पटियाला नगर निगम के वार्ड नंबर 15 और 58 में नए सिरे से चुनाव कराने का निर्देश दिया। वहीं, कोर्ट ने धर्मकोट नगर परिषद के वार्ड नंबर 10 और 11 के लिए भी इसी तरह के निर्देश मांगने वाली याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया, क्योंकि ये दोनों वार्ड फैक्ट फाइंडिंग रिपोर्ट में शामिल नहीं थे, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने स्वीकार किया है।

भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) की पीठ जिसमें जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची शामिल थे ने शुक्रवार को एक आदेश पारित किया। यह आदेश पंजाब के नगर निकायों के कुछ वार्डों में नए सिरे से चुनाव कराने के संबंध में 28 सितंबर को दिए गए पिछले आदेश पर स्पष्टीकरण और निर्देश मांगने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के

दौरान आया। सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने अपने पिछले आदेश के पैराग्राफ 11 और 12 में संशोधन करते हुए कहा, नए सिरे से चुनाव कराने के उद्देश्य से पटियाला नगर निगम के वार्ड नंबर 15 और 58 को भी इसमें शामिल किया गया है।

आदेश में आगे कहा गया, परिणामस्वरूप, पटियाला नगर निगम के वार्ड नंबर 15 और 58 में नए सिरे से चुनाव कराए जाएंगे। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने धर्मकोट नगर परिषद के वार्ड नंबर 10 और 11 में नए सिरे से चुनाव कराने की मांग वाली एक अलग याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। जस्टिस सूर्यकांत की पीठ ने कहा, नए सिरे से चुनाव कराने के निर्देश जस्टिस निर्मलजीत कौर द्वारा सौंपी गई रिपोर्ट को पूरी तरह से स्वीकार करते हुए दिए गए हैं, इसलिए हम धर्मकोट नगर परिषद के वार्ड नंबर 10 और 11 को शामिल करने की मांग वाली इस याचिका पर विचार नहीं कर सकते। पीठ ने आगे कहा, 'हम ऐसा इसलिए कह रहे हैं क्योंकि ये वार्ड जस्टिस निर्मलजीत कौर की रिपोर्ट में शामिल नहीं हैं।

इसके अनुसार, दोनों विविध आवेदनों का निपटारा कर दिया गया। इससे पहले 28 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब के नगर निकायों के 50 वार्डों में नए सिरे से चुनाव कराने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट की पूर्व जज जस्टिस निर्मलजीत कौर के नेतृत्व वाले एक जांच आयोग की सिफारिशों को पूरी तरह से स्वीकार कर लिया था। आयोग ने नगर निकाय चुनावों के नामांकन-प्रक्रिया के दौरान बड़े पैमाने पर बाधा डालने के आरोपों की जांच की थी। इन आरोपों में नामांकन पत्र छीने जाने, फाड़े जाने या नष्ट किए जाने, और उम्मीदवारों के साथ मारपीट, उन्हें हिरासत में लेने या उन्हें धमकाने जैसी घटनाएं शामिल थीं।

ग्वालियर हादसा : खड़गे बोले- 'तय होनी चाहिए सरकार और प्रशासन की जवाबदेही', राहुल ने भी जताया दुख

नई दिल्ली (एजेंसी)

मध्य प्रदेश के ग्वालियर में हुए दर्दनाक हादसे पर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दुख जताया है। खड़गे ने कहा कि ऐसे हादसे भीड़ प्रबंधन पर सवाल खड़े करते हैं। सरकार और प्रशासन की जवाबदेही तय होनी चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'मध्य प्रदेश के ग्वालियर में शीतला माता मंदिर के निकट अनियंत्रित ट्रक की चपेट में आने से श्रद्धालुओं की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद और हृदयविदारक है।

इस भीषण हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। ईश्वर से घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।' मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि राज्य सरकार से अपेक्षा है कि घायलों को

त्वरित चिकित्सा सुविधा, पीड़ित परिवारों को तत्काल उचित मुआवजा और हरसंभव सहायता सुनिश्चित करे। साथ ही, उन्होंने कहा, ऐसे हादसे भीड़ प्रबंधन पर सवाल खड़े करते हैं, सरकार और प्रशासन की जवाबदेही तय होनी चाहिए।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी ग्वालियर की घटना पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने लिखा, ग्वालियर, मध्यप्रदेश में शीतला माता मंदिर के पास एक बेकाबू ट्रक के कारण हुए भीषण हादसे में कई श्रद्धालुओं की मृत्यु की खबर बेहद दुखद है। इस दुर्घटना में अपने प्रियजनों को खोने वाले शोकाकुल परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। दुख की इस घड़ी में उनके साथ हूं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की आशा करता हूं। मध्य प्रदेश के पूर्व मंत्री और कांग्रेस नेता कमलनाथ ने लिखा, ग्वालियर में शीतला माता मंदिर में दर्शन के लिए सड़क किनारे लाइन में लगे लोगों के ट्रक से कुचलने की घटना में श्रद्धालुओं की मृत्यु और बड़ी संख्या में घायल होने की दुखद घटना से मन व्यथित है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान प्रदान करें। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना है।

मध्य प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने पोस्ट किया, ग्वालियर के शीतला माता मंदिर में सप्तमी की रात हुए दर्दनाक हादसे में लोगों की मृत्यु अत्यंत हृदयविदारक है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें और शोकाकुल परिवारों को इस असहनीय दुख को सहने की शक्ति दें। हादसे में घायल सभी लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। प्रशासन घायलों के समुचित उपचार और हादसे की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करे, ताकि भविष्य में ऐसी त्रासदी की पुनरावृत्ति न हो।

कांग्रेस का ही एक गुट है सीजेपी, देशद्रोहियों को कर रही फंडिंग : भाजपा

नई दिल्ली (एजेंसी)

कर्नाटक के हुबली से भाजपा विधायक महेश तेंगिनाकाई ने कांग्रेस और कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी का एक इतिहास रहा है लेकिन आज उसकी स्थिति बदल चुकी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अब ऐसे लोगों के साथ हाथ मिलाने की कोशिश कर रही है जो देशविरोधी गतिविधियों में शामिल हैं। उन्होंने कहा, 'कांग्रस के प्रदेश अध्यक्ष बीके हरिप्रसाद ने हुबली में जो बयान दिया है, वह बहुत गलत है। उन्होंने खुलेआम कह दिया है कि जो भी पीएम मोदी के खिलाफ हड़ताल करेगा या आवाज उठाएगा, हम उसे फंडिंग करेंगे और उसके साथ खड़े होंगे। यह कांग्रेस पार्टी का रवैया बन गया है।' भाजपा विधायक ने कहा कि कांग्रेस

का केंद्रीय और राज्य नेतृत्व पूरी तरह से फेल हो चुका है। पार्टी अपने नेतृत्व को फिर से खड़ा नहीं कर पा रही है, इसलिए वह ऐसे लोगों का सहारा ले रही है जो दहशत फैलाने और देशविरोधी काम करने में लगे हैं।

उन्होंने कहा कि ऐसे तत्वों के साथ हाथ मिलाना और उन्हें फंडिंग करने की बात करना पूरी तरह से गलत है। तेंगिनाकाई ने कहा कि आने वाले दिनों में देश के 140 करोड़ लोग कांग्रेस को इसका करारा जवाब देंगे और उसे सबक सिखाएंगे। वहीं, कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने सीजेपी का समर्थन किया है। उन्होंने सीजेपी की तिरंगा यात्रा पर दर्ज हुई एफआईआर को लेकर सरकार पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने कहा, यह बिल्कुल स्पष्ट है कि तिरंगा यात्रा निकालना देशभक्ति का काम है, देशद्रोह का नहीं। अगर देशभक्ति के ऐसे कार्यों पर एफआईआर दर्ज की जाती है और लोगों को गिरफ्तार किया जाता है, तो यही माना जाएगा कि यह सरकार भारत के लोगों की नहीं, बल्कि अंग्रेजों की मानसिकता वाली सरकार है। उन्होंने कहा कि केवल अंग्रेजों का शासन ही तिरंगा यात्रा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर सकता था। देश की जनता अपने हाथ में तिरंगा लेकर निकल रही है, यह गर्व की बात है और इस पर कार्रवाई करना लोकतंत्र और देशभक्ति दोनों का अपमान है।

अमित शाह 20 अक्टूबर को करेंगे पंजाब का दौरा, बिट्टू बोले- 'राज्य को नशा-मुक्त बनाने के लिए साथ दे जनता'

चंडीगढ़ (एजेंसी)

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 20 अक्टूबर को पंजाब का दौरा करेंगे। पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री और भाजपा नेता रवनीत सिंह बिट्टू ने यह जानकारी दी। रवनीत सिंह बिट्टू ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 20 अक्टूबर को पंजाब का दौरा करेंगे। 'एक्स' पर एक पोस्ट में बिट्टू ने 20 अक्टूबर को पंजाब के दौरे पर आ रहे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का पंजाब स्वागत करता है।

बिट्टू ने कहा कि ऐसे समय में जब पंजाब नशीले पदार्थों की गंभीर समस्या से जूझ रहा है, हमें अपने युवाओं और अपने भविष्य को सुरक्षित करने के लिए निर्णायक कदम, मजबूत नेतृत्व और दृढ़ संकल्प की

जरूरत है। पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार पर निशाना साधते हुए बिट्टू ने कहा, 'पंजाब में 'आप' सरकार ने अपना कार्यकाल पूरा होने से बहुत पहले ही अपना जनादेश खो दिया है। साथ ही, उन्होंने पंजाब के लोगों से भी अमित शाह का समर्थन करने की अपील की। बिट्टू ने लिखा, मैं हर पंजाबी से अपील करता हूं कि वे अमित शाह का समर्थन करें और पंजाब को हमेशा के लिए नशा-मुक्त बनाने के हमारे साझा मिशन पर भरोसा रखें। आइए, पंजाब के युवाओं को बचाने और पंजाब के भविष्य को

बिट्टू ने कहा कि ऐसे समय में जब पंजाब नशीले पदार्थों की गंभीर समस्या से जूझ रहा है, हमें अपने युवाओं और अपने भविष्य को सुरक्षित करने के लिए निर्णायक कदम, मजबूत नेतृत्व और दृढ़ संकल्प की जरूरत है

वापस पाने के लिए एकजुट हों। अमित शाह ऐसे समय में पंजाब जा रहे हैं, जब भारतीय निर्वाचन आयोग की टीम जल्द आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर राज्य का दौरा कर सकती है।

संभावनाएं हैं कि अपने पंजाब दौरे पर अमित शाह भाजपा को मजबूत करने और विधानसभा चुनावों के मद्देनजर तैयारियों पर चर्चा कर सकते हैं। संभावनाएं यह भी हैं कि गृह मंत्री अमित शाह पंजाब के मानसा का दौरा कर सकते हैं, जहां पिछले दिनों एंटी-ड्रग एक्टिविस्ट परविंदर सिंह झोटा की हत्या कर दी गई थी। वे पीड़ित परिवार के सदस्यों से भी मुलाकात कर सकते हैं।

दो दिन पहले शाह ने पंजाब में नशे, गैंगस्टरवाद व संगठित अपराध के बढ़ते खतरे को लेकर राज्य सरकार पर सवाल उठाए थे। उन्होंने दिरबा और मानसा की घटनाओं का जिक्र किया था। 'एक्स' पोस्ट में शाह ने कहा, दिरबा में एक पिता का दबाव में जहर खा लेना और मानसा में नशे के खिलाफ आवाज उठाने वाले परविंदर सिंह झोटा की दिनदहाड़े हत्या ने पंजाब की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सम्पादकीय

उत्सव की खुशियों पर हादसे का ग्रहण

पश्चिम बंगाल के कोलकाता स्थित चोरबागान में हुआ हादसा अत्यंत दुखद और चिंताजनक है। इस घटना ने एक बार फिर सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन तथा प्रशासनिक तैयारियों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। किसी भी लोकतांत्रिक और सभ्य समाज में नागरिकों के जीवन की रक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। जब किसी सार्वजनिक आयोजन में बड़ी संख्या में लोग एकत्रित होते हैं, तब आयोजकों और प्रशासन की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है।

भारत में त्योहारों और धार्मिक आयोजनों का विशेष महत्व है। दुर्गा पूजा जैसे उत्सवों में लोग बड़ी श्रद्धा और उत्साह के साथ भाग लेते हैं। ऐसे आयोजनों में भारी भीड़ का जुटना स्वाभाविक है, लेकिन भीड़ को नियंत्रित करना और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना प्रशासन का अनिवार्य दायित्व है। यदि पर्याप्त प्रवेश और निकास द्वार, आपातकालीन रास्ते, प्रशिक्षित सुरक्षाकर्मी तथा चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध न हों, तो छोटी-सी अव्यवस्था भी गंभीर दुर्घटना का रूप ले सकती है।

चोरबागान हादसा इस बात की आवश्यकता रेखांकित करता है कि सार्वजनिक आयोजनों के लिए सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन किया जाए। केवल कागजों पर योजनाएँ बनाना पर्याप्त नहीं है; उनका प्रभावी क्रियान्वयन भी आवश्यक है। भीड़ की संभावित संख्या का आकलन, प्रवेश और निकास के लिए अलग-अलग रास्ते, सीसीटीवी निगरानी, अग्निशमन दल की उपलब्धता और एम्बुलेंस की त्वरित व्यवस्था जैसे उपाय अनिवार्य होने चाहिए। इसके अतिरिक्त, मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों को ध्यान में रखकर भी वैकल्पिक योजनाएँ तैयार की जानी चाहिए।

इस घटना के बाद प्रशासन को निष्पक्ष और पारदर्शी जाँच करानी चाहिए, ताकि दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके। यदि जाँच में किसी प्रकार की लापरवाही या सुरक्षा नियमों के उल्लंघन की पुष्टि होती है, तो जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। साथ ही, पीड़ित परिवारों को उचित सहायता और घायलों को बेहतर चिकित्सा उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

मीडिया और नागरिक समाज की भूमिका भी इस संदर्भ में महत्वपूर्ण है। मीडिया को तथ्यों के आधार पर रिपोर्टिंग करनी चाहिए, जबकि नागरिकों को प्रशासन के सुरक्षा निर्देशों का पालन करना चाहिए। हालांकि, सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी आम जनता पर नहीं डाली जा सकती; इसके लिए सक्षम व्यवस्था और जवाबदेह प्रशासन आवश्यक हैं।

आदिवासी 'जेन जी' की नाराजगी को अनदेखा न करें

लेखा रत्तनानी

बिरसा मुंडा का 'उलगुलान' महज़ नारा नहीं था बल्कि एक राजनीतिक आंदोलन था- 'अबूआ राज सेतेर जाना, महारानी राज टुंडू जाना'- यानी महारानी का शासन खत्म हो और हमारा अपना शासन स्थापित हो। इसने ज़मींदारी व्यवस्था, 'दिकुओं' (बाहरी लोग, साहूकार और ज़मींदार),'बेठ-बेगारी' (ज़बरदस्ती काम कराने की प्रथा) और उन औपनिवेशिक वन कानूनों को चुनौती दी जिन्होंने आदिवासियों को उनके जल, जंगल और जमीन से अलग कर दिया था।

जुलाई से देश में दो बड़े विरोध-प्रदर्शन हुए हैं। पहला, 'जेन जी' के नेतृत्व में छात्रों का आंदोलन था जो जंतर-मंतर पर केंद्रित था। इसके दबाव में जुलाई में ही धर्मेन्द्र प्रधान को केंद्रीय शिक्षा मंत्री के पद से इस्तीफा देना पड़ा था। दूसरा आंदोलन मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की मांग को लेकर जारी है। इन दो राष्ट्रीय घटनाओं के बीच, महाराष्ट्र में आदिवासी 'जेन जी' का भी एक आंदोलन हुआ जिस पर बहुत कम लोगों का ध्यान गया। जहां देशव्यापी विरोध-प्रदर्शनों का निशाना लोकतांत्रिक संस्थाओं पर सरकार के कब्ज़ा का करने की कोशिशों का विरोध था, वहीं आदिवासी छात्रों के नेतृत्व वाले इन विरोध-प्रदर्शनों ने यह उजागर किया कि लोकतंत्र कई स्तरों पर किस तरह विफल हो रहा है।

चाहे वे मुद्दे दिखाई देने वाले हों, छिपे हुए या स्थानीय हों अथवा राष्ट्रीय। लोकतंत्र की यह विफलता बड़े समूहों से लेकर छोटे समुदायों तक, सभी पर असर डाल रही है। इसकी शुरुआत अगस्त में पुणे के पास एक छोटे स्तर पर हुई जो बाद में 17 दिनों की भूख हड़ताल में बदल गई और अंततः पूरे राज्य में फैल गई। इसका समापन 6 अक्टूबर को हुआ जब आदिवासी छात्रों ने नासिक से मुंबई तक लगभग 190 किलोमीटर की पैदल यात्रा की। इससे पहले कि वे राजभवन में राज्यपाल से मिल पाते और अपनी शिकायतों का ज्ञापन सौंपते, पुलिस ने उन्हें जबर्दस्ती निजी बसों में बिठाकर शहर से बाहर भेज दिया। महाराष्ट्र के आदिवासी 'जेन जी' ने अपनी इस नाराजगी को 'उलगुलान' (यानी 'बड़ी हलचल' या 'विद्रोह') नाम दिया है। यह शब्द मुंडा जनजाति की भाषा मुंडारी से आया है।

1899-1900 में बिरसा मुंडा ने यह आंदोलन किया था। 9 जून 1900 को केवल 25 वर्ष की उम्र में उन्होंने रांची जेल में अंतिम सांस ली थी। ब्रिटिश उपनिवेशवादियों और

सत्ता के स्थानीय दलालों द्वारा होते शोषण के खिलाफ़ उनके संघर्ष ने इस शब्द को ऐतिहासिक महत्व दिया। बिरसा मुंडा का 'उलगुलान' महज़ नारा नहीं था बल्कि एक राजनीतिक आंदोलन था- 'अबूआ राज सेतेर जाना, महारानी राज टुंडू जाना'- यानी महारानी का शासन खत्म हो और हमारा अपना शासन स्थापित हो। इसने ज़मींदारी व्यवस्था, 'दिकुओं' (बाहरी लोग, साहूकार और ज़मींदार),'बेठ-बेगारी' (ज़बरदस्ती काम कराने की प्रथा) और उन औपनिवेशिक वन कानूनों को चुनौती दी जिन्होंने आदिवासियों को उनके जल, जंगल और जमीन से अलग कर दिया था। अंग्रेजों ने डोम्बारी पहाड़ी पर बिरसा के 'उलगुलान' (विद्रोह) को कुचल तो दिया लेकिन उन्हें झुकना पड़ा। बिरसा की मृत्यु के आठ साल बाद उन्होंने 'छोटा नागपुर काश्तकारी अधिनियम, 1908' लागू किया। इस कानून के तहत आदिवासियों की जमीन को गैर-आदिवासियों को हस्तांतरित करने पर रोक लगा दी गई और 'मुंडारी खुंटकट्टीदार' अधिकारों को मान्यता दी गई- अर्थात मूल बसने वालों का ज़मीन पर सामूहिक स्वामित्व।

2026 का 'महाराष्ट्र उलगुलान' (आंदोलन) बिरसा मुंडा की लड़ाई के सामने बहुत छोटा लगता है। इसमें किसी राज्य की मांग नहीं हो रही, बस जीवित रहने का एक मौका मांगा जा रहा है। 9 अगस्त की रात, गढ़चिरौली के धनोरा तालुका के जसलाई गांव में एक छात्रावास के फर्श पर सो रही छह लड़कियों को भारत के चार सबसे जहरीले सांपों में से एक समझे जाने वाले 'कॉमन क्रैत' ने काट लिया।

उस रात क्रैत दंश का शिकार बनी छह लड़कियों में से तीन की मौत हो गई। वे ऐसे कमरे में थीं जहां 79 लड़कियां रहती हैं। यह हॉस्टल पिछले 25 सालों से इसी तरह चल रहा है। इन मौतों ने यह उजागर कर दिया कि आदिवासी बच्चों को एक बेहतर भविष्य देने के लिए बनाए गए इन आवासीय स्कूलों (आश्रम शालाओं) में न तो सांप-बिच्छुओं से बचने के लिए खाट हैं, न ही कीड़े-मकोड़ों से बचाव के लिए मच्छरदानियां। आपात स्थिति में बच्चों को नज़दीकी अस्पताल तक ले जाने के लिए कोई परिवहन सुविधा भी नहीं है। गढ़चिरौली कोई अपवाद नहीं है। पिछले दो वर्षों में महाराष्ट्र के 1,013 आश्रम स्कूलों में 584 छात्रों की मौत हो चुकी है। इनमें से 384 मौतें सरकारी स्कूलों में और 200 सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में हुई। राज्य के आदिवासी विकास विभाग के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इन मौतों के कारणों में सांप का काटना, सिकल-सेल व अन्य बीमारियां, दुर्घटनाएं और आत्महत्याएं शामिल हैं। यानी, औसतन हर दिन एक छात्र की मौत हो रही है। डिंडोरी लोकसभा क्षेत्र के सांसद भास्कर भगारे ने इन 584 आदिवासी छात्रों की मौत की केंद्रीय जांच की मांग की है। भारत में मध्य प्रदेश के बाद आदिवासियों की सबसे अधिक आबादी महाराष्ट्र में है। राज्य की कुल जनसंख्या में 1 करोड़ से अधिक (नौ प्रतिशत से ज्यादा) आदिवासी होने के बावजूद वास्तव में उनकी आवाज को कोई सुनता नहीं है।

पिछले बारह वर्षों से हमारे पास जनजातीय स्थितियों पर एक डायग्नोस्टिक रिपोर्ट मौजूद है। 2013 में प्रधानमंत्री कार्यालय ने जाने-माने समाजशास्त्री और जनजातीय अध्ययन के विद्वान प्रो. वर्जिनियस ख़ाखा की अध्यक्षता में एक समिति गठित की जिसका काम अनुसूचित जनजातियों की सामाजिक-आर्थिक, स्वास्थ्य और शैक्षिक स्थिति की जांच करना था। इस समिति ने मई 2014 में अपनी रिपोर्ट सौंपते हुए वे ही बातें लिखीं जिन्हें हर जनजातीय छात्र जानता है- ऐसे स्कूल जहां पानी, बिजली, शौचालय और चारदीवारी जैसी सुविधाएं नहीं हैं; बाहर से आए ऐसे शिक्षक हैं जो बच्चों की भाषा नहीं समझते; एक ऐसा पाठ्यक्रम है जो जनजातीय इतिहास, कला, संगीत और नृत्य को मिटा देता है,जहां न तो स्वास्थ्य ऑडिट होता है और न ही सुरक्षा का कोई प्रोटोकॉल। समिति ने उन कदमों की सिफारिश की जिन्हें तुरंत उठाया जाना चाहिए था- शुरुआती वर्षों में बहुभाषी शिक्षा, स्थानीय शिक्षकों और स्वास्थ्य कर्मियों की भर्ती, कक्षा की पढ़ाई को जनजातीय संस्कृति, लोककथाओं, इतिहास और ज्ञान प्रणालियों के साथ जोड़ना, 'जनजातीय स्वास्थ्य सभाओं' का गठन और हर आवासीय स्कूल के लिए सुरक्षा तथा बुनियादी ढांचे का एक ऐसा ऑडिट जिसे कानूनी रूप से लागू किया जा सके।

स्टारलिंक की दस्तक और भारत की रणनीतिक चिंताएँ

डॉ. प्रियंका सौरभ

एलन मस्क द्वारा भारत में स्टारलिंक की शुरुआत में हो रही देरी पर आलोचना ने उपग्रह-आधारित इंटरनेट सेवाओं के नियमन को एक बार फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया है। यह बहस केवल किसी निजी कंपनी को भारतीय बाजार में प्रवेश देने तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे राष्ट्रीय सुरक्षा, डेटा संप्रभुता, सीमावर्ती क्षेत्रों की निगरानी और संचार व्यवस्था पर सरकार के नियंत्रण जैसे गंभीर प्रश्न जुड़े हैं। भारत जैसे विशाल और भौगोलिक विविधता वाले देश में उपग्रह इंटरनेट डिजिटल विभाजन को कम करने का प्रभावी माध्यम बन सकता है, लेकिन इसके साथ जुड़े सुरक्षा जोखिमों की अनदेखी नहीं की जा सकती।

स्टारलिंक जैसी सेवाएँ पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थित उपग्रहों के माध्यम से इंटरनेट उपलब्ध कराती हैं। इनकी सहायता से दूरस्थ गाँवों, पहाड़ी क्षेत्रों, द्वीपों और सीमावर्ती इलाकों तक कनेक्टिविटी पहुँचाई जा सकती है, जहाँ पारंपरिक दूरसंचार अवसंरचना स्थापित करना कठिन और महँगा होता है। हालाँकि, इन सेवाओं की वैश्विक प्रकृति, पोर्टेबल टर्मिनलों और विदेशी कंपनियों पर निर्भरता के कारण नियामक संस्थाओं के सामने नई चुनौतियाँ भी उत्पन्न होती हैं। सबसे प्रमुख चुनौती आतंकवादी गतिविधियों में संभावित दुरुपयोग की है। दूरदराज के क्षेत्रों में सक्रिय आतंकवादी संगठन या अन्य गैर-राज्यीय तत्व उपग्रह संचार प्रणालियों का उपयोग अपनी गतिविधियों के समन्वय के लिए कर सकते हैं। मणिपुर में वर्ष 2024 के दौरान स्टारलिंक-ब्रांडेड उपकरण मिलने की खबरों ने इस आशंका को चर्चा में ला दिया था। हालाँकि, किसी उपकरण की बरामदगी अपने आप में उसके वास्तविक उपयोग या किसी संगठन से उसके संबंध का निर्णायक प्रमाण नहीं है। इसलिए सुरक्षा आकलन विश्वसनीय खुफिया सूचनाओं और तकनीकी जाँच पर आधारित होना चाहिए।

दूसरी चुनौती सीमा पार अपराध और तस्करी से संबंधित है। भारत की लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमाएँ, विस्तृत समुद्री क्षेत्र और दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियाँ सुरक्षा एजेंसियों के लिए पहले से ही चुनौतीपूर्ण हैं। यदि उपग्रह इंटरनेट टर्मिनलों का उपयोग अवैध गतिविधियों के समन्वय में किया जाता है, तो अपराधियों की पहचान और उनके संचार की जाँच कठिन हो सकती है। अंडमान क्षेत्र में वर्ष 2024 में मादक पदार्थों की बरामदगी के संदर्भ में स्टारलिंक उपकरणों की चर्चा भी हुई थी। ऐसे मामलों में उपकरणों की वास्तविक भूमिका की पुष्टि आवश्यक है, क्योंकि केवल उनकी मौजूदगी से तस्करी और उपग्रह नेटवर्क के बीच प्रत्यक्ष संबंध सिद्ध नहीं होता। तीसरी चुनौती डेटा संप्रभुता और विदेशी नियंत्रण की है। उपग्रह नेटवर्क का संचालन, तकनीकी प्रबंधन और डेटा-संबंधी कुछ प्रक्रियाएँ भारत से बाहर नियंत्रित हो सकती हैं। इससे यह प्रश्न उठता है कि भारतीय उपयोगकर्ताओं के संचार संबंधी आँकड़ों पर किसका नियंत्रण होगा, उनका प्रसंस्करण कहाँ किया जाएगा और भारतीय कानूनों के अंतर्गत आवश्यक सूचनाओं तक पहुँच कैसे सुनिश्चित होगी। यदि इन विषयों पर स्पष्ट नियम नहीं होंगे, तो जाँच एजेंसियों और नियामकों के लिए अपने कानूनी अधिकारों का प्रभावी प्रयोग कठिन हो सकता है।

चौथी चुनौती वैध निगरानी और कानून प्रवर्तन की है। पारंपरिक दूरसंचार नेटवर्क में सेवा प्रदाताओं, लाइसेंसिंग शर्तों और घरेलू नेटवर्क अवसंरचना के माध्यम से कानूनी निगरानी की व्यवस्था लागू की जा सकती है। उपग्रह इंटरनेट में विदेशी नेटवर्क संचालन और सीमा-पार डेटा प्रवाह के कारण इन व्यवस्थाओं को लागू करने के लिए अतिरिक्त तकनीकी क्षमता तथा अंतरराष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता हो सकती है।

यदि सेवा प्रदाता भारतीय कानूनों के अनुरूप वैध आदेशों का पालन करने में सक्षम नहीं हैं, तो आतंकवाद, संगठित अपराध और साइबर अपराध की जाँच प्रभावित हो सकती है। दूसरी ओर, निगरानी की शक्तियों का प्रयोग स्पष्ट कानून, आवश्यकतानुपात और जवाबदेही के अधीन होना चाहिए, ताकि नागरिकों की निजता और मौलिक अधिकार सुरक्षित रहें। पाँचवीं चुनौती रणनीतिक निर्भरता की है। यूक्रेन युद्ध के दौरान स्टारलिंक की भूमिका ने प्रदर्शित किया कि निजी उपग्रह संचार प्रणालियाँ संकट और युद्ध के समय अत्यंत महत्त्वपूर्ण हो सकती हैं। ऐसी प्रणालियाँ संचार व्यवस्था को बनाए रखने में सहायता करती हैं, लेकिन किसी विदेशी कंपनी के व्यावसायिक निर्णय, सेवा की शर्तों में बदलाव या तकनीकी व्यवधान पर अत्यधिक निर्भरता राष्ट्रीय हितों के लिए जोखिम बन सकती है। भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि आपातकालीन परिस्थितियों में उसकी महत्त्वपूर्ण संचार सेवाएँ किसी एक विदेशी प्रदाता पर निर्भर न रहें।

इन चुनौतियों से निपटने के लिए सबसे पहले स्पष्ट और प्रभावी लाइसेंसिंग व्यवस्था आवश्यक है। उपग्रह इंटरनेट सेवा प्रदाताओं को दूरसंचार विभाग, भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र तथा संबंधित सुरक्षा एजेंसियों की लागू आवश्यकताओं का पालन करना चाहिए। लाइसेंस, स्पेक्ट्रम आवंटन और सुरक्षा मंजूरी की प्रक्रियाएँ पारदर्शी, समयबद्ध तथा समान मानकों पर आधारित हों। राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर अनिश्चितकालीन देरी से बचते हुए संवेदनशील मामलों की समुचित जाँच की जानी चाहिए। दूसरे, घरेलू नेटवर्क अवसंरचना और डेटा प्रबंधन के लिए स्पष्ट नियम बनाए जाने चाहिए। जहाँ तकनीकी रूप से आवश्यक और व्यवहार्य हो, वहाँ घरेलू गेटवे तथा भारतीय कानूनों के अंतर्गत वैध निगरानी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। सभी सेवाओं पर एक जैसा तकनीकी मॉडल थोपने के बजाय जोखिम-आधारित नियमन अपनाना अधिक व्यावहारिक होगा।

तीसरे, उपयोगकर्ता सत्यापन और टर्मिनल पंजीकरण की प्रभावी व्यवस्था होनी चाहिए। अधिकृत उपकरणों के स्वामित्व, पंजीकरण और उपयोग की शर्तों का रिकॉर्ड रखा जाए। चोरी हुए उपकरणों, अनधिकृत टर्मिनलों और संदिग्ध गतिविधियों की पहचान के लिए सेवा प्रदाताओं तथा सुरक्षा एजेंसियों के बीच समन्वय स्थापित किया जाना चाहिए। संवेदनशील सीमावर्ती क्षेत्रों में आवश्यकतानुसार भौगोलिक प्रतिबंध लागू किए जा सकते हैं, लेकिन उनका आधार स्पष्ट सुरक्षा आकलन होना चाहिए।

चौथे, नियमित साइबर सुरक्षा परीक्षण, स्वतंत्र सुरक्षा लेखा-परीक्षण और आपातकालीन प्रतिक्रिया योजनाएँ अनिवार्य की जानी चाहिए। सेवा प्रदाताओं को साइबर हमलों, डेटा उल्लंघनों और नेटवर्क व्यवधानों की समय पर सूचना देने तथा सुरक्षा एजेंसियों के साथ सहयोग करने के लिए बाध्य किया जाना चाहिए। साथ ही, भारत को स्वदेशी उपग्रह संचार क्षमताओं, अनुसंधान और तकनीकी नवाचार में निवेश बढ़ाना चाहिए, ताकि रणनीतिक निर्भरता कम हो सके।

देसी सब्जियों का जवाब नहीं

बाबा मायाराम

सब्जी बाड़ी की सोच ग्रामीण परिवारों के लिए भी प्रासंगिक है, यह उनकी आजीविका का अच्छा स्रोत है। वास्तव में, यह सोच शहरी परिवारों के लिए भी बहुत उपयोगी है, जो छोटे किचिन गार्डन से भी अपनी पौष्टिक और ताज़ी जैविक सब्जियों की जरूरत को कुछ हद तक पूरा कर सकते हैं। ग्रामीण बस्तियों की तुलना में शहरी बस्तियों में स्थान की कमी एक बड़ी बाधा है, लेकिन जैसा कि कहा जाता है, जहां चाह होती है, वहां राह होती है। कभी-कभी ज़मीन के छोटे-छोटे टुकड़ों या छतों का भी बहुत ही उत्पादक और रचनात्मक उपयोग किया जा सकता है।

छत्तीसगढ़ की एक पहचान की यहां की विविधता भी है। यहां न केवल कई धान की प्रजातियां हैं, बल्कि कई प्रकार की हरी पत्तेदार सब्जियां भी हैं। यहां के लोगों को सब्जी बाजारों में इन ताज़ी सब्जियों को खरीदते देखा जा सकता है। छोटे गांवों, कस्बों से लेकर शहरों के यह सब्जी बाजार दैनंदिन दिनचर्या का हिस्सा हैं। आज इस कॉलम में इस पर ही बात करना चाहूंगा, जिससे इस रचनात्मक काम की ओर ध्यान दिया जा सके।

छत्तीसगढ़ राज्य सांस्कृतिक रूप से काफी समृद्ध है। यहां की पारंपरिक खान-पान की संस्कृति भी अनूठी है। इन दिनों सब्जी बाजार में खट्टा भाजी (अमाड़ी भाजी), बांस करिल, करमत्ता भाजी और कई तरह के मशरूम बाजारों में आ रहे हैं। इसके अलावा, ऐसी भी कई हरी पत्तीदार भाजियां हैं, जो कुदरती तौर पर होती हैं, जैसे चुनचुनिया भाजी। यह सभी स्वाद में बेजोड़ हैं, और इनकी सब्जियां बनाने का तरीका भी अलग-अलग होता है।

हाल ही हमने बांस की करिल की सब्जी खाई। यह बांस की कोंपल की भाजी होती है, जिसे बांस से काट कर, धोकर और छोटे छोटे टुकड़े कर पकाया जाता है। इसकी कड़वाहट दूर करने के लिए उबाल लिया जाता है और लहसुन-प्याज और मसालों के साथ सब्जी बनाई जाती है। इसी प्रकार, यहां की खट्टा भाजी को भी काफी पसंद किया जाता है। इसकी सब्जी तो बनती ही है, गर्मी के दिनों में इसके फूल सुखाकर शरबत भी बनता है। जिसें मैंने महाराष्ट्र के वर्धा में एक बीज प्रदर्शनी के दौरान चखा था।

इन हरी पत्तीदार भाजियों व सब्जियों को धूप में सुखाकर भी रखते हैं, इसे सुखड़ी कहते हैं। यानी जब हरी पत्तीदार भाजियों का मौसम नहीं होता है, तब इसे पकाकर खाते हैं। सुखड़ी में चरौंटा, चेंच भाजी, तिवड़ा, (लाखड़ी) आदि की सुखड़ी होती हैं। इसी प्रकार, यहां रखिया (भुरा कुम्हड़ा) की बड़ी और बिजौरी भी बनाई जाती है। यह बहुत ही स्वादिष्ट होती है।

यहां कई किस्म के फुटू (जंगली मशरूम) हैं। बहुत ही स्वादिष्ट और पौष्टिक होते हैं। यह भी इन दिनों बाज़ार में आ रहे हैं। हाल ही हमने फुटू की सब्जी खाई। एक बार मुझे ग्रामीणों ने बताया था कि बोड़ा या फुटू (मशरूम) की सब्जी भी जंगल से मिलती है। दो प्रकार का होता है, जात बोड़ा (मशरूम) पहली बारिश में निकलता है, जबकि लाकड़ी बोड़ा ज्यादा बारिश होने पर निकलता है।

इसी प्रकार, यहां के कई पारंपरिक व्यंजन हैं। बिलासपुर जिले में कार्यरत जन स्वास्थ्य सहयोग संस्था जेवनार मेला आयोजित करती है। जिसमें गांवों से अलग-अलग तरह की भोजन सामग्री लाती हैं, और पारंपरिक व्यंजन बनाती हैं। मेले में आए लोगों को इसका स्वाद चखने को मिलता है। इससे देसी पारंपरिक व्यंजनों को बढ़ावा मिलता है। साथ देसी अनाजों व सब्जियों को उगाने को प्रोत्साहन मिलता है। खाद्य विविधता, खाद्य सुरक्षा और स्वास्थ्य जागरूकता भी होती है। जन स्वास्थ्य सहयोग ने देसी अनाजों को बढ़ावा देने के लिए भी कृषि कार्यक्रम चलाया है। जिसमें वे पौष्टिक अनाज और देसी धान को उगाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

यहां धान के साथ पौष्टिक अनाज भी उगाए जाते हैं। जैसे यहां मडिया की खेती भी होती है। इसे रागी, नाचनी और मड़ुआ नाम से भी जाना जाता है। इसे हाथ की चक्की में दर कर खिचड़ी या भात बनाया जा सकता है। इसके आटे की रोटी भी बनाई जा सकती हैं। खुरमी या लड्डू भी बना सकते हैं। इसमें चूना (कैल्शियम) भरपूर मात्रा में होता है और कुछ मात्रा में लौह तत्व भी पाए जाते हैं। यहां इसके बिस्कुट भी बनाए जा रहे हैं।

इसके अलावा, छत्तीसगढ़ में कई स्वयं सहायता समूह, सरकार व संस्थाएं सब्जी बाड़ी (किचिन गार्डन) को बढ़ावा देती है। जिसमें लौकी, कुम्हड़ा, मखना (कद्दू), बरबटी, सेमी, भिंडी, ग्वारफली, करेला, टमाटर, डोड़का (चिकनी तोरई), खट्टा भाजी, चेंच भाजी, झुरगा आदि लगाते हैं।

थोक महँगाई की मार और अर्थव्यवस्था की चुनौती

डॉ. सत्यवान सौरभ

महँगाई केवल बाजार में वस्तुओं की कीमतें बढ़ने का नाम नहीं है, बल्कि यह पूरी अर्थव्यवस्था की उत्पादन क्षमता, आम आदमी की क्रय शक्ति और सरकार की आर्थिक नीतियों की परीक्षा भी है। जब वस्तुओं के उत्पादन और थोक कारोबार के स्तर पर कीमतें तेजी से बढ़ती हैं, तो उसका प्रभाव धीरे-धीरे खुदरा बाजार, घरेलू बजट और औद्योगिक गतिविधियों तक पहुँचता है। भारत में थोक महँगाई का बढ़ना इसी व्यापक आर्थिक चुनौती की ओर संकेत करता है। सितंबर 2026 में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित महँगाई दर 11.39 प्रतिशत तक पहुँचने का आँकड़ा, यदि आधिकारिक रूप से पुष्ट है, तो यह उत्पादन लागत और आपूर्ति व्यवस्था पर बढ़ते दबाव की गंभीर तस्वीर प्रस्तुत करता है। ईंधन, खाद्य पदार्थों और विनिर्मित वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि इस दबाव को और व्यापक बनाती है।

थोक मूल्य सूचकांक उन वस्तुओं की कीमतों में होने वाले बदलाव को मापता है, जिनका कारोबार थोक स्तर पर होता है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के विपरीत, यह मुख्यतः उत्पादकों और व्यापारियों के स्तर पर कीमतों की स्थिति को दर्शाता है। थोक महँगाई में तेजी आने का अर्थ यह नहीं कि खुदरा महँगाई भी उसी अनुपात में बढ़ेगी, लेकिन यदि उत्पादन लागत लंबे समय तक ऊँची बनी रहती है, तो उसका बोझ अंततः उपभोक्ताओं तक पहुँच सकता है। थोक महँगाई के प्रमुख कारणों में ऊर्जा की कीमतों में वृद्धि सबसे महत्त्वपूर्ण है। पेट्रोलियम पदार्थों का उपयोग केवल वाहनों में ही नहीं, बल्कि कृषि, उद्योग, बिजली उत्पादन और माल ढुलाई में भी होता है। डीजल महँगा होने से खेतों की जुताई, सिंचाई और कृषि उपज को मंडियों तक पहुँचाने का खर्च बढ़ता है। इसी प्रकार, औद्योगिक इकाइयों के लिए बिजली और ईंधन की बढ़ती लागत उत्पादन को महँगा बना देती है। जब ऊर्जा की कीमतों में लगातार वृद्धि होती है, तो उसका प्रभाव वस्तुओं के उत्पादन से लेकर उनके अंतिम उपभोक्ता तक पहुँचने की पूरी प्रक्रिया पर पड़ता है।

पश्चिम एशिया में तनाव, अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार में अनिश्चितता और आपूर्ति मार्गों में व्यवधान भारत जैसे आयात-निर्भर देश के लिए विशेष चुनौती पैदा करते हैं। भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा कच्चे तेल के आयात से पूरा करता है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय कीमतों में उछाल का असर घरेलू उत्पादन लागत, व्यापार संतुलन और महँगाई पर पड़ सकता है। यदि ईंधन एवं बिजली की महँगाई में वास्तव में 25.85 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है, तो यह औद्योगिक और परिवहन लागत पर गंभीर दबाव का संकेत होगा। हालाँकि, इस विशिष्ट आँकड़े की आधिकारिक पुष्टि आवश्यक है। भारत में खाद्य महँगाई का संबंध केवल मांग से नहीं, बल्कि कृषि उत्पादन, मौसम, भंडारण और वितरण व्यवस्था से भी है। अनियमित मानसून, कहीं अत्यधिक वर्षा तो कहीं सूखे जैसी स्थिति, फसलों की पैदावार को प्रभावित करती है। इसके अतिरिक्त, कीटों का प्रकोप, सिंचाई की कमी और फसल कटाई के बाद होने वाला नुकसान भी बाजार में आपूर्ति घटा सकते हैं। जब सब्जियों, अनाज, दालों और खाद्य तेलों की उपलब्धता मांग की तुलना में कम होती है, तो उनकी कीमतें बढ़ने लगती हैं। इसका प्रभाव खाद्य प्रसंस्करण उद्योग, होटल व्यवसाय और अन्य उपभोक्ता वस्तुओं के उत्पादन पर भी पड़ता है।

खाद्य पदार्थों की महँगाई गरीब तथा मध्यमवर्गीय परिवारों को विशेष रूप से प्रभावित करती है, क्योंकि उनकी आय का बड़ा हिस्सा भोजन पर खर्च होता है। भारत की अर्थव्यवस्था वैश्विक बाजार से गहराई से जुड़ी हुई है। कच्चा तेल, औद्योगिक रसायन, कुछ उर्वरक, इलेक्ट्रॉनिक घटक और अनेक अन्य कच्चे माल अंतरराष्ट्रीय बाजार से खरीदे जाते हैं। जब इन वस्तुओं की वैश्विक कीमतें बढ़ती हैं, तो घरेलू उद्योगों की लागत भी बढ़ती है। इसे आयातित महँगाई कहा जाता है। इसके साथ रुपये का कमजोर होना समस्या को और बढ़ा सकता है। यदि डॉलर की तुलना में रुपये का मूल्य गिरता है, तो समान मात्रा में आयात करने के लिए अधिक रुपये खर्च करने पड़ते हैं। धातुओं, प्लास्टिक, रसायनों और अन्य औद्योगिक सामग्रियों की बढ़ती कीमतें विनिर्माण क्षेत्र के लिए चुनौती बन जाती हैं। आपूर्ति शृंखला में व्यवधान, माल ढुलाई की लागत और कच्चे माल की समय पर उपलब्धता में कमी भी इस दबाव को बढ़ाती है। थोक महँगाई का पहला प्रभाव उद्योगों की उत्पादन लागत पर पड़ता है। बड़ी कंपनियाँ कुछ समय तक लागत का दबाव स्वयं सह सकती हैं, लेकिन छोटे और मध्यम उद्यमों के पास ऐसा करने की क्षमता सीमित होती है। महँगे कच्चे माल और ऊर्जा के कारण उनकी लाभप्रदता घटती है। यदि वे कीमतें बढ़ाते हैं, तो मांग कमजोर हो सकती है; और यदि कीमतें नहीं बढ़ाते, तो कारोबार की आर्थिक स्थिति बिगड़ सकती है। इसका असर उत्पादन, रोजगार और औद्योगिक विकास पर भी पड़ सकता है।

दूसरा प्रभाव आम उपभोक्ता पर पड़ता है। उत्पादकों द्वारा बढ़ी हुई लागत का कुछ हिस्सा ग्राहकों पर डालने से रोजमर्रा की वस्तुएँ महँगी हो सकती हैं। इससे परिवारों की वास्तविक क्रय शक्ति घटती है और वे गैर-जरूरी खर्चों में कटौती करने लगते हैं। परिणामस्वरूप बाजार में मांग कमजोर पड़ सकती है, जिसका असर उत्पादन, रोजगार और आर्थिक विकास पर पड़ता है। महँगाई का यह दुष्चक्र लंबे समय तक जारी रहे, तो अर्थव्यवस्था की विकास गति प्रभावित हो सकती है। कृषि क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं रहता। डीजल, उर्वरक, कीटनाशक और कृषि उपकरण महँगे होने से खेती की लागत बढ़ती है। यदि किसानों को अपनी उपज का उचित मूल्य नहीं मिलता, तो उनकी आय पर दोहरा दबाव पड़ता है। दूसरी ओर, औद्योगिक निवेश भी प्रभावित हो सकता है, क्योंकि लगातार बढ़ती लागत और अनिश्चित मांग के बीच कारोबारी नई परियोजनाओं को टाल सकते हैं।

महँगाई मौद्रिक नीति के सामने भी कठिन परिस्थिति पैदा करती है। भारतीय रिजर्व बैंक को कीमतों पर नियंत्रण और आर्थिक विकास के बीच संतुलन बनाना पड़ता है। ब्याज दरों में वृद्धि से मांग और उधारी पर दबाव पड़ सकता है, लेकिन यदि महँगाई का मुख्य कारण खाद्य पदार्थों की कमी या वैश्विक ऊर्जा कीमतें हों, तो केवल ब्याज दर बढ़ाने से आपूर्ति संबंधी समस्याएँ दूर नहीं होतीं। इसलिए महँगाई की प्रकृति को समझकर ही नीतिगत कदम उठाना आवश्यक है। थोक महँगाई पर नियंत्रण के लिए सबसे पहले आपूर्ति व्यवस्था मजबूत करनी होगी। कृषि उपज के भंडारण, शीतगृहों, ग्रामीण सड़कों, रेल माल ढुलाई और आधुनिक मंडियों में निवेश बढ़ाना आवश्यक है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक विजय कुमार द्वारा आदित्य ग्राफिक्स, प्रताप भवन 5, बहादुर शाह जफर मार्ग, आई.टी.ओ. नई दिल्ली-110002 से मुद्रित कराकर 1536/108 गणेशपुरा रोड, त्रीनगर दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : विजय कुमार RNI No. : DELHIN/2015/66886
अखबार में प्रकाशित तथ्यों एवं लेखों से सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं, किसी भी कानूनी वाद विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय के अधीन होगा। मोबाइल : 9210092542 फोन :- 011-46696546 E-mail : opensearchdelhi@gmail.com

पीएम मोदी के मार्गदर्शन में सरकार ने नारीशक्ति को बनाया यूपी की प्रगति का सक्रिय भागीदार : सीएम योगी

ओपन सर्च. संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में डबल इंजन सरकार ने नारीशक्ति को प्रदेश की प्रगति का सक्रिय भागीदार बनाते हुए सुरक्षा, सम्मान, पोषण, शिक्षा और आर्थिक स्वावलंबन के अवसरों का विस्तार किया है। शारदीय नवरात्रि की महाअष्टमी के पावन पर्व पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मां महागौरी का स्मरण किया।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'शांति, पवित्रता और करुणा की प्रतीक मां महागौरी की आराधना हमें स्मरण कराती है कि समाज की वास्तविक उन्नति तभी संभव है, जब हर मां स्वस्थ और सुरक्षित हो, हर बेटी को पोषण व बेहतर भविष्य मिले और प्रत्येक नारी सम्मान के साथ आत्मनिर्भर होकर जीवन यापन कर सके।' सीएम योगी ने लिखा, प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में प्रदेश की डबल इंजन सरकार ने नारीशक्ति को प्रदेश की प्रगति का सक्रिय भागीदार बनाते हुए सुरक्षा, सम्मान, पोषण, शिक्षा और आर्थिक स्वावलंबन के अवसरों का विस्तार किया है। वर्ष 2017 से पहले जहां प्रदेश में बच्चों के पोषण से जुड़ी व्यवस्था माफिया के शिकंजे में दम तोड़ रही थी, वहीं प्रदेश में डबल इंजन सरकार बनने के बाद हमने टेक होम राशन के उत्पादन और वितरण की जिम्मेदारी स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को सौंपकर व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित करते हुए नारीशक्ति के आर्थिक स्वावलंबन का मार्ग प्रशस्त किया। इस पहल ने प्रदेश में पोषण सेवाओं को सुदृढ़ करने के साथ ही कुपोषण के विरुद्ध लड़ाई को अधिक प्रभावी बनाया।

इसी के साथ उन्होंने कहा कि हमने बच्चों के पोषण और प्रारंभिक शिक्षा की आधारशिला रखने वाली आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के मानदेय में वृद्धि कर इसे 3,000 रुपए से बढ़ाकर 12,000 रुपए प्रतिमाह किया है। साथ ही, स्वास्थ्य बीमा का लाभ देकर उनके स्वास्थ्य, सुरक्षा और सामाजिक कल्याण को भी संबल प्रदान किया जा रहा है।

सीएम योगी ने कहा कि आज प्रदेश में बलिनी, सामर्थ्य, काशी, बाबा गोरखनाथ और सृजनी जैसी दुग्ध उत्पादक कंपनियों से जुड़कर 31 जनपदों की 4 लाख से अधिक महिलाएं दुग्ध उत्पादन को आय, उद्यमिता और आत्मनिर्भरता का सशक्त माध्यम बनाते हुए ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान कर रही हैं। मुख्यमंत्री योगी ने यह भी कहा कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में बीसी सखी पहल ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय समावेशन को विस्तार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज प्रदेश में 1 करोड़ 20 लाख से अधिक महिलाएं स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर आत्मनिर्भरता की नई गाथा लिख रही हैं।

लखपति दीदी पहल के माध्यम से महिलाएं अपनी मेहनत और हुनर को नियमित आय एवं आर्थिक समृद्धि में बदलकर अपने परिवार की खुशहाली सुनिश्चित कर रही हैं। उन्होंने 'एक्स' पोस्ट में कहा, 'मां महागौरी की कृपा से प्रदेश में आज नारीशक्ति का जीवन सुरक्षा, सम्मान, सामर्थ्य और समृद्धि से आलोकित हो रहा है। सशक्त नारी, समृद्ध उत्तर प्रदेश।

दुर्गा पंडालों की सुरक्षा को लेकर सीएम योगी सख्त, डीएम और कप्तानों को फील्ड में रहने के दिए निर्देश

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में दुर्गा पूजा पंडालों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सभी पुलिस कमिश्नर, जिलाधिकारियों और पुलिस कप्तानों को आवश्यक निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों को पंडालों में सुरक्षा इंतजामों की जांच करने और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित कराने को कहा है। निर्देशों के तहत सभी अधिकारी दुर्गा पंडालों में अग्नि सुरक्षा के इंतजामों की जांच करेंगे।

जिलाधिकारी और पुलिस कप्तान प्रवेश व निकास द्वारों का निरीक्षण करेंगे। साथ ही, आपात स्थिति में लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए पर्याप्त इमरजेंसी एग्जिट की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने पंडालों में विद्युत व्यवस्था की भी जांच कराने के निर्देश दिए हैं, ताकि शॉर्ट सर्किट या अन्य बिजली संबंधी घटनाओं के खतरे को कम किया जा सके। अधिकारियों को फील्ड में रहकर सुरक्षा व्यवस्थाओं की निगरानी करने को कहा गया है।

उत्तर प्रदेश : चुनाव आयोग ने दो आवेदन देने पर 4 वोटर आईडी मिलने के दावे को किया खारिज

लखनऊ (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय ने दो आवेदन देने पर 4 वोटर आईडी मिलने के दावों का खंडन किया है। कार्यालय ने स्पष्ट किया है कि वास्तव में उस व्यक्ति ने चार आवेदन जमा किए थे और परिणामस्वरूप उसे चार मतदाता फोटो पहचान पत्र प्राप्त हुए थे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय ने सोशल मीडिया पर वोटर आईडी के संबंध में पोस्ट करने वाले एक यूजर को अपने तथ्यों की जांच करने की सलाह दी।

कार्यालय ने 'एक्स' पर अपने जवाब में लिखा, 'मिस्टर फैक्ट-चेकर, कृपया अपने खुद के तथ्यों की ही जांच कर लें। चुनाव आयोग की ऐसी कोई स्कीम नहीं है, जिसमें 'एक खरीदें, एक मुफ्त पाएं' जैसा कुछ हो।' 'फॉर्म 6' दो बार जमा करने पर चार मतदाता पहचान पत्र प्राप्त करने के संबंध में किए गए दावों पर कार्यालय ने कहा, 'यह दावा बिल्कुल गलत है।' सीईओ ने बताया कि मतदाता ने 4 आवेदन जमा किए थे। सोशल मीडिया यूजर से सीईओ कार्यालय ने कहा, 'यदि आप हमारे तथ्यों को चुनौती देना चाहते हैं, तो आप उन दो आवेदनों के रेफरेंस नंबर दें, जिनके बारे में आपका दावा है कि उसने उन्हें जमा किया था। बाकी दो आवेदनों के रेफरेंस नंबर हम दे देंगे। सीईओ कार्यालय ने यह भी स्पष्ट किया कि किसी व्यक्ति की ओर से कई फॉर्म जमा करने पर एक से अधिक मतदाता पहचान पत्र बन जाने की समस्या काफी पुरानी है। चुनान आयोग समय-समय पर ईसीआईनेट के जरिए 'डी-डुप्लीकेशन' करता है। आयोग एक ऐसी व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है, जिससे किसी व्यक्ति की ओर से जमा किए गए एक से अधिक फॉर्म को, उनके जमा होने के समय ही पकड़ा जा सके।

बिहार : युवक की हत्या के बाद बवाल, गुस्साई भीड़ ने आधा दर्जन घरों में लगाई आग

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)

बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के करजा थाना क्षेत्र में मेला घूमने गए एक युवक की पीट-पीटकर हत्या के बाद रविवार सुबह माहौल तनावपूर्ण हो गया। देर रात पोस्टमार्टम के बाद मृतक का शव गांव पहुंचते ही आक्रोशित लोगों ने जमकर उपद्रव किया और आरोपियों के घरों में आग लगा दी। घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव का माहौल बना हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस-प्रशासन में हड़कंप मच गया। कई थानों की पुलिस के साथ अतिरिक्त बल को मौके पर तैनात किया गया है। सूचना मिलने पर सिटी एसपी मोहिबुल्लाह अंसारी, एसडीपीओ सरैया अभिजित कौर सहित आधा दर्जन थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है और पुलिस घटनास्थल पर कैंप कर रही है। घटना को लेकर बताया जा रहा है कि करजा थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर खाजे गांव निवासी

नवनीत कुमार देर रात अपने आधा दर्जन दोस्तों के साथ मेला घूमने निकला था। इसी दौरान किसी बात को लेकर नवनीत और उसके दोस्तों के बीच विवाद हो गया, जो बाद में हिंसक झड़प में बदल गया। आरोप है कि विवाद के बाद दोस्तों ने नवनीत कुमार की जमकर पिटाई की और उसे चाकू मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया।

इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। रविवार सुबह जैसे ही नवनीत का शव गांव पहुंचा, उसे देखकर स्थानीय लोग उग्र हो गए। मृतक और आरोपी अलग-अलग जातियों से ताल्लुक रखते हैं। इस वजह से तनाव और बढ़ गया। आक्रोशित भीड़ ने आरोपियों के घरों को निशाना बनाया और करीब आधा दर्जन घरों में आग लगा दी। आगजनी के कारण इलाके में अफरा-तफरी मच गई। तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए मौके पर पुलिस बल और दमकल की गाड़ियां तैनात की गई। जिले से अतिरिक्त पुलिस बल भी बुलाया गया। अग्निशमन कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है। इस घटना को लेकर मुजफ्फरपुर के एसएसपी कांतेस कुमार मिश्र ने कहा कि हत्या के मामले में पुलिस त्वरित और अग्रेतर कार्रवाई कर रही है। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि कानून को अपने हाथ में लेने वाले किसी भी उपद्रवी को बख्शा नहीं जाएगा। फिलहाल, गांव में तनाव को देखते हुए पुलिस कैंप कर रही है और स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है। मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

बीपीएससी टीआरई : 'फॉर्म भरने में अभ्यर्थियों को हो रही परेशानी', ऐसा कहते हुए दिलीप कुमार ने क्या मांग कर दी?

पटना (एजेंसी)

बिहार में बीपीएससी शिक्षक भर्ती परीक्षा (टीआरई-4) के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को फॉर्म भरने में हो रही परेशानियों को लेकर छात्र नेता दिलीप कुमार ने आयोग और सरकार से हस्तक्षेप करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि आवेदन प्रक्रिया के दौरान ओटीआर (वन टाइम रजिस्ट्रेशन) में सुधार का विकल्प नहीं मिल रहा है। इसके अलावा दस्तावेज अपलोड करने और सर्वर की समस्या के कारण भी अभ्यर्थियों को परेशानी हो रही है।

उन्होंने आयोग से इन समस्याओं को दूर करने और अभ्यर्थियों को कम से कम दो दिनों तक फॉर्म में सुधार का अवसर देने की मांग की है। दिलीप कुमार ने कहा कि टीआरई-4 के आवेदन के दौरान कई अभ्यर्थियों को ओटीआर में जानकारी एडिट करने में परेशानी हो रही है। कई बार दस्तावेज अपलोड नहीं हो रहे हैं और सर्वर धीमा होने या काम नहीं करने से आवेदन प्रक्रिया बाधित हो रही है। ऐसे में अभ्यर्थियों को अपनी गलतियां सुधारने का पर्याप्त अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने बीपीएससी से मांग की कि ओटीआर में एडिट का विकल्प उपलब्ध कराया जाए।

साथ ही, फॉर्म भरने के दौरान होने वाली तकनीकी समस्याओं को जल्द दूर किया जाए। आवेदन प्रक्रिया में कम से कम दो दिनों का एडिट विंडो दिया जाए, ताकि अभ्यर्थी अपनी गलतियों को सुधार सकें और किसी तकनीकी परेशानी के कारण भर्ती प्रक्रिया से बाहर न हों। छात्र नेता ने कहा कि अभ्यर्थियों को ईडब्ल्यूएस और एनसीएल प्रमाणपत्र बनवाने में भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कई जगहों पर प्रमाणपत्र नहीं बन पाने के कारण अभ्यर्थियों के सामने आवेदन से जुड़ी समस्याएं खड़ी हो रही हैं।

दो साल की मासूम के साथ नाना ने किया दुष्कर्म, आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

दरभंगा (एजेंसी)

बिहार के दरभंगा जिले के केवटी थाना क्षेत्र में रिश्तों को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। यहां एक व्यक्ति पर अपनी दो साल की नतनी के साथ दुष्कर्म करने का आरोप लगा है। बच्ची को गंभीर हालत में इलाज के लिए दरभंगा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार चल रहा है। मामला सामने आने के बाद केवटी थाना पुलिस ने आरोपी विष्णु देव सदाय को गिरफ्तार कर लिया है। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है। वहीं, फॉरेंसिक साइंस लैब की टीम घटनास्थल से साक्ष्य जुटा रही है। सदर डीएसपी-2 शुभेन्द्र कुमार सुमन ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि आरोपी को त्वरित कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया की जा रही है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी विष्णु देव सदाय

केवटी थाना क्षेत्र के धोबीगामा गांव का निवासी है। बताया जाता है कि वह शनिवार शाम अपने ससुराल आया था। वहां उसने अपने साले की दो साल की बेटी को मेला घुमाने की बात कही और उसे अपने साथ ले गया।

आरोप है कि वह बच्ची को गांव से करीब तीन से चार किलोमीटर दूर एक आम के बगीचे में ले गया, जहां उसके साथ दुष्कर्म किया। परिवार के लोगों के अनुसार, काफी देर रात तक जब आरोपी बच्ची को लेकर वापस नहीं लौटा, तो परिजनों ने दोनों की तलाश शुरू कर दी। कुछ समय बाद जब आरोपी बच्ची को लेकर लौटा, तो उसके शरीर से काफी खून निकल रहा था। बच्ची की हालत बिगड़ती देख परिजन उसे तत्काल मोहम्मदपुर बाजार स्थित एक निजी क्लिनिक ले गए। वहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए डीएमसीएच में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार जारी है। घटना की सूचना मिलने के बाद केवटी थानाध्यक्ष राहुल कुमार मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने आरोपी विष्णु देव सदाय को गिरफ्तार कर लिया। सदर डीएसपी-2 शुभेन्द्र कुमार सुमन के अनुसार, आरोपी से पूछताछ की जा रही है। घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने के लिए स्नस्रु की टीम को भी भेजा गया है।

लखनऊ में डेंगू के 500 से ज्यादा मरीज, जोन 8 में सबसे अधिक मामले, शनिवार को मिले 17 नए संक्रमित

लखनऊ (एजेंसी)

शहर में डेंगू के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। विकसित कॉलोनियों से लेकर जलभराव वाले इलाकों तक में मच्छरों के पनपने का खतरा बढ़ गया है। जनवरी से अब तक शहर में 500 से अधिक मरीज मिल चुके हैं। नगर निगम के जोन आठ में सबसे ज्यादा 108 मरीज मिले हैं, जबकि जोन चार में 87 और जोन तीन में 60 मामले सामने आए हैं।

जोन आठ के शारदानगर, राजा बिजली पासी, खरिका, विद्यावती और श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी वार्ड में डेंगू के सबसे ज्यादा मामले मिले हैं। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, यहां अब तक 108 मरीजों की पुष्टि हुई है। जोन चार के चिनहट द्वितीय, शहीद भगत सिंह प्रथम, गोमतीनगर, खरगापुर-सरसवां और इस्माइलगंज में 87 मरीज मिले हैं। वहीं, जोन तीन के अलीगंज, केशवनगर, त्रिवेणीनगर, खदरा और फैजुल्लागंज में अब तक 60 मामले सामने आए हैं। फैजुल्लागंज में बाढ़ के बाद पानी घटने से कई जगह नमी और जलभराव की स्थिति मच्छरों के प्रजनन के लिए अनुकूल हो सकती है। ऐसे में आने वाले दिनों में लार्वा बढ़ने पर मरीजों की संख्या बढ़ने की आशंका है। स्वास्थ्य विभाग की टीमें एंटी लार्वा का छिड़काव कर रही हैं और लोगों को साफ-सफाई के प्रति जागरूक किया जा रहा है। जोन छह में ठाकुरगंज, चौक, बालागंज, हुसैनाबाद, मल्लाहीटोला, आलमनगर और सआदतगंज समेत इलाकों में 59 मरीज मिले हैं। जोन सात के इंदिरानगर, विकासनगर, खुर्रमनगर, मल्हौर, भरवारा, कमता और पॉलीटेक्निक के आसपास 56 मामले सामने आए हैं। जोन एक में 28 और जोन दो में 30 मरीज मिले हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, मानसून के बाद जलभराव और कूलर, गमलों और टायरों में जमा पानी में मच्छरों के लार्वा पनपने से डेंगू का प्रकोप बढ़ा है।

यूपी के पांच जिलों में जनसभाएं करेंगे आकाश आनंद, 26 नवंबर को पंजाब में भी कार्यक्रम

लखनऊ (एजेंसी)

बहुजन समाज पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद उत्तर प्रदेश में आगामी 28 अक्टूबर से जनसभाओं के जरिए पार्टी के कार्यक्रमों को आगे बढ़ाएंगे। वह नवंबर के अंत तक प्रदेश के पांच जिलों में जनसभाओं को संबोधित करेंगे। इसके अलावा संविधान दिवस के अवसर पर 26 नवंबर को पंजाब में आयोजित विचार संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे जबकि छह दिसंबर को बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर उत्तराखंड के हरिद्वार में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करेंगे।

बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने रविवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर आकाश आनंद के आगामी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए कहा कि वह पार्टी और मूवमेंट के कार्यों को परिवार तथा रिश्ते-नातों

छह दिसंबर को बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर उत्तराखंड के हरिद्वार में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करेंगे

से ऊपर प्राथमिकता देते हुए अपनी जिम्मेदारी निभाने में जुट गए हैं। उन्होंने कहा कि बहुजन समाज के लोगों को आकाश आनंद से काफी अपेक्षाएं हैं। आकाश आनंद की पहली जनसभा 28 अक्टूबर को बुलंदशहर में होगी। इसके बाद दो नवंबर को सहारनपुर, 20 नवंबर को अयोध्या, 22 नवंबर को आगरा और 29 नवंबर को कानपुर नगर में बसपा की ओर से आयोजित जनसभाओं को संबोधित करेंगे। उन्होंने बताया कि 26 नवंबर को संविधान दिवस के अवसर पर पंजाब में बसपा की ओर से आयोजित विचार संगोष्ठी समारोह में आकाश आनंद मुख्य अतिथि के रूप में अपने विचार रखेंगे। इसके बाद छह दिसंबर को उत्तराखंड के हरिद्वार जिले में बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर आयोजित विचार संगोष्ठी समारोह और जनसभा को संबोधित करेंगे।

मायावती ने आकाश आनंद की सक्रियता का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले दिनों पार्टी में जो अप्रिय घटनाक्रम हुए, उनके लिए आकाश आनंद से अधिक उनके रिश्तेदार अशोक सिद्धार्थ जिम्मेदार थे। इसी कारण अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से बाहर करने के साथ राजनीति से संन्यास लेने की सलाह दी गई थी। बसपा प्रमुख ने पार्टी कार्यकर्ताओं से आकाश आनंद के कार्यक्रमों को सफल बनाने की अपील करते हुए कहा कि स्वार्थी तत्व तरह-तरह के हथकंडे अपनाकर लोगों को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं।

उन्होंने पार्टी के सभी लोगों से सतर्क रहने और आकाश आनंद को सौंपे गए कार्यक्रमों को पूरे तन, मन और धन से सफल बनाने को कहा। मायावती ने अशोक सिद्धार्थ की पार्टी में वापसी की अटकलों को भी खारिज किया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अशोक सिद्धार्थ को किसी भी स्थिति में और किसी भी कीमत पर दोबारा पार्टी में शामिल नहीं किया जाएगा। इसके साथ ही मायावती ने बताया कि आनंद कुमार के छोटे बेटे ईशान आनंद, जो लंदन से वकालत की पढ़ाई पूरी कर चुके हैं, उनके दिशा-निर्देशन में बसपा के दिल्ली स्थित केंद्रीय कार्यालय में सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में सहयोग करेंगे।

सहारनपुर में थार डिवाइडर से टकराई, 3 युवकों की मौके पर मौत, 2 की हालत गंभीर

सहारनपुर (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में तेज रफ्तार थार हादसे का शिकार हो गई। नागल थाना क्षेत्र के बेलड़ा गोल चक्कर के पास रविवार की सुबह नियंत्रण खोने के बाद थार डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि थार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में कार सवार साहिल, राहुल और सक्षम की मौके पर ही मौत हो गई जबकि सचिन वर्मा और हेमंत वर्मा गंभीर रूप से घायल हो गए। पांचों युवक आगरा से मसूरी घूमने के लिए निकले थे।

हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू कराया। घायलों को कार से निकालकर उपचार के लिए सहारनपुर जिला अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया। नागल थाना प्रभारी भी जिला अस्पताल पहुंचे और घायलों के स्वास्थ्य की जानकारी ली। जानकारी के मुताबिक, आगरा के रहने वाले पांचों युवक मसूरी घूमने के लिए शनिवार शाम करीब साढ़े आठ से नौ बजे के बीच घर से थार में निकले थे। कार हेमंत चला रहा था। रास्ते में नागल थाना क्षेत्र के बेलड़ा गोल चक्कर के पास उनकी कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। अचानक किस वजह से कार अनियंत्रित हुई और डिवाइडर से टकराई, इसकी जानकारी नहीं है। घायल सचिन के मुताबिक, जब उसकी आंख खुली तो खुद को सड़क पर पड़ा पाया। इसके बाद उन्हें पता चला कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है और उनके साथियों में से कुछ की मौत हो गई है। डिवाइडर से टकराने के बाद थार को काफी नुकसान पहुंचा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल सचिन वर्मा और हेमंत वर्मा को अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की। दोनों का सहारनपुर जिला अस्पताल में उपचार जारी है। सहारनपुर के एसबीडी जिला अस्पताल में इमरजेंसी मेडिकल ऑफिसर डॉ. शिवम गुप्ता ने बताया, 'रविवार सुबह 4 बजे अस्पताल में पांच लोगों को लाया गया, जिनमें से तीन की मौत हो चुकी थी।

बिहार : मैथिली ठाकुर का कार्यक्रम कराने के नाम पर 2.40 लाख की ठगी

बेगूसराय (एजेंसी)

मशहूर लोक गायिका मैथिली ठाकुर का कार्यक्रम कराने के नाम पर 2.40 लाख रुपये की कथित ठगी के मामले में नावकोठी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। करीब दो वर्षों से फरार चल रहे नामजद आरोपित संतोष कुमार को पुलिस ने मधेपुरा जिले के बिहारीगंज में आयोजित देवी जागरण कार्यक्रम से गिरफ्तार किया है। इस गिरफ्तारी के बाद कथित ठगी से जुड़े दूसरे मामलों को लेकर भी पुलिस की जांच तेज हो गई है। पुलिस के अनुसार, पूछताछ के दौरान जमीन दिलाने के नाम पर लाखों रुपये के कथित लेन-देन से जुड़े आरोपों की जानकारी भी सामने आई है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान पोखरिया वार्ड संख्या-35 निवासी स्वर्गीय राम बालक पोद्दार के पुत्र संतोष कुमार के रूप में हुई है।

नावकोठी थानाध्यक्ष मो. फिरदौस ने गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि आरोपित से पूछताछ की जा रही है और अन्य आरोपों से जुड़े तथ्यों का पता लगाया जा रहा है।

मामले की शुरुआत पहसारा निवासी विभाकर कुमार सिंह की शिकायत से हुई थी। पुलिस के मुताबिक, उन्होंने 10 अगस्त 2024 को नावकोठी थाने में कांड संख्या 182/24 दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि संतोष कुमार ने बसेरा मंच के माध्यम से पहसारा में 25 अगस्त को मैथिली ठाकुर का कार्यक्रम आयोजित कराने का भरोसा दिया था। कार्यक्रम के आयोजन के लिए विभाकर कुमार सिंह से दो लाख 40 हजार रुपये अग्रिम राशि के रूप में लिए गए। लेकिन बाद में अचानक कार्यक्रम नहीं होने की सूचना दे दी गई। इसके बाद जब शिकायतकर्ता ने अपनी रकम वापस मांगी तो कथित तौर पर उन्हें टालमटोल का सामना करना पड़ा। आरोप है कि लगातार दबाव बनाने पर संतोष कुमार ने 30 हजार रुपये लौटा दिए, लेकिन शेष दो लाख 10 हजार रुपये वापस नहीं किए। काफी इंतजार और प्रयास के बाद भी रकम नहीं मिलने पर पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद से पुलिस नामजद आरोपित की तलाश कर रही थी। इस मामले में गिरफ्तारी के बाद पुलिस के सामने कथित आर्थिक धोखाधड़ी से जुड़े अन्य आरोप भी आए हैं।

बिहार : नवरात्र में आधी रात तक गूंज रहे मां अंबिका के जयकारे, मन्नत पूरी होने पर भक्त करा रहे विशेष श्रृंगार

छपरा (एजेंसी)

भोर के चार बजते ही मां की आरती, घंटियों की गूंज, धूप-दीप की सुगंध और मां के जयकारों से गूंजता परिसर, शारदीय नवरात्र में आमी स्थित सिद्धपीठ मां अंबिका भवानी का दरबार पूरी तरह भक्तिमय हो उठा है। आस्था का आलम यह है कि सुबह की पहली आरती से लेकर देर रात मां के विशेष श्रृंगार और आरती तक श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता है।

कोई परिवार की सुख-समृद्धि की कामना लेकर पहुंच रहा है, तो कोई मन्नत पूरी होने पर मां के चरणों में कृतज्ञता अर्पित कर रहा है। स्थानीय श्रद्धालुओं से लेकर दूर-दराज के क्षेत्रों से आने वाले भक्तों तक, हर कोई मां के दर्शन और देवी पाठ में लीन नजर

आ रहा है। नवरात्र के अवसर पर मां के दरबार में उमड़ रही भीड़ और गूंजते जयकारे क्षेत्र की गहरी धार्मिक आस्था का जीवंत प्रमाण बन गए हैं। मां अंबिका भवानी के दरबार में देर रात होने वाला विशेष श्रृंगार और आरती भी श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। मां के श्रृंगार के दर्शन के लिए रात में भी भक्त मंदिर परिसर में मौजूद रहते हैं। फूलों, आभूषणों और आकर्षक अंगवस्त्रों से सुसज्जित मां के स्वरूप के दर्शन कर श्रद्धालु स्वयं को धन्य मानते हैं। आरती के दौरान भक्तों के सामूहिक जयकारों से मंदिर

नवरात्र के अवसर पर मां के दरबार में उमड़ रही भीड़ और गूंजते जयकारे क्षेत्र की गहरी धार्मिक आस्था का जीवंत प्रमाण बन गए हैं। मां अंबिका भवानी के दरबार में देर रात होने वाला विशेष श्रृंगार और आरती भी श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है

परिसर गूंज उठता है। नवरात्र में सुबह से रात तक चलने वाली पूजा-अर्चना मंदिर की धार्मिक परंपरा और श्रद्धालुओं की अटूट आस्था को प्रदर्शित करती है। आमी मंदिर के पुजारी राजेश उर्फ विट्ठल तिवारी ने बताया कि मां अंबिका भवानी के प्रति श्रद्धालुओं की गहरी आस्था है। भक्त अपनी मनोकामना पूरी होने पर मां के दरबार में पहुंचकर विशेष पूजा-अर्चना कराते हैं। कई श्रद्धालु खुशबूदार फूलों, आभूषणों और अंगवस्त्रों से मां का विशेष श्रृंगार कराते हैं। यह मां के प्रति कृतज्ञता और श्रद्धा प्रकट करने का एक माध्यम है। नवरात्र के अवसर पर ऐसे भक्तों की मौजूदगी मंदिर में विशेष धार्मिक माहौल बनाती है।

उन्होंने बताया कि नवरात्र के दौरान मां के दर्शन और पूजा के लिए आने वाले श्रद्धालुओं में काफी उत्साह रहता है। भक्त अपनी श्रद्धा के अनुसार पूजा-पाठ करते हैं और मां से अपने परिवार के मंगल की कामना करते हैं। मंदिर परिसर में सुबह से लेकर देर शाम तक श्रद्धालुओं का आना-जाना लगा रहता है, जबकि विशेष आरती और श्रृंगार के समय भी भक्तों की उपस्थिति बनी रहती है।

रूसी तेल पर छूट को लेकर रुबियो बोले-भारत अहम साझेदार, निर्भरता तुरंत खत्म करना आसान नहीं

वाशिंगटन (एजेंसी)

अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस फैसले का बचाव किया है, जिसमें रूस से जुड़े प्रतिबंधों के मामले में 60 दिन की छूट दी गई है। उन्होंने कहा कि भारत अमेरिका का एक महत्वपूर्ण साझेदार है और वह अब भी अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए काफी हद तक रूसी तेल पर निर्भर है। ऐसे में एक साथ टैरिफ और प्रतिबंध लागू करने से वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ सकता है। शनिवार को पत्रकारों से बात करते हुए रुबियो ने कहा कि अमेरिका को इन कदमों के व्यापक आर्थिक प्रभाव का आकलन करने के लिए समय चाहिए।

खासकर तब, जब मध्य पूर्व और यूक्रेन में चल रहे संघर्ष पहले से ही वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को प्रभावित कर रहे हैं। रुबियो की यह टिप्पणी रिपब्लिकन सीनेटर टेड क्रूज की आलोचना के जवाब में आई। क्रूज ने 60 दिन की इस छूट को गलती बताते हुए कहा था कि इससे रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को फायदा मिलेगा। रुबियो ने कहा, 'मुद्दा सिर्फ रूस पर प्रतिबंधों का नहीं है। इसमें भारत समेत कई देशों पर लगने वाले टैरिफ भी शामिल हैं।' उनके मुताबिक, राष्ट्रपति ट्रंप इस 60 दिन की अवधि का इस्तेमाल यह समझने के लिए करना चाहते हैं कि अगर प्रतिबंध और टैरिफ दोनों एक साथ लागू किए जाएं तो उसके क्या नतीजे हो सकते हैं। रुबियो ने माना कि भारत ने अपने ऊर्जा स्रोतों में विविधता लाने की कोशिश की है लेकिन रूस से ऊर्जा आयात को तुरंत बंद करना आसान नहीं है।

उन्होंने कहा, भारत जैसे देशों ने स्वेच्छा से अपने ऊर्जा स्रोतों में बदलाव किया है लेकिन फिर भी वे रूस से काफी मात्रा में ऊर्जा खरीद रहे हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि एक दिन में पूरी व्यवस्था बदलना संभव नहीं होता। साथ ही, भारत अमेरिका का एक अहम मित्र और साझेदार भी है। रुबियो ने कहा कि अमेरिकी प्रशासन अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार को प्रभावित करने वाली कई घटनाओं पर नजर रख रहा है। इनमें ईरान से जुड़ा संघर्ष, होर्मुज स्ट्रेट के आसपास की स्थिति, सऊदी अरब पर हूती हमले और रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान ऊर्जा ढांचे को हुआ नुकसान शामिल हैं। उनका कहना है कि इन सभी घटनाओं से वैश्विक ऊर्जा कीमतों पर दबाव बढ़ा है और प्रतिबंधों को लागू करने का फैसला और अधिक जटिल हो गया है। रुबियो ने कहा कि 60 दिन की छूट इसलिए दी गई है, ताकि सरकार इस कानून के संभावित प्रभावों का ठीक से अध्ययन कर सके। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति को यह समझने के लिए समय चाहिए कि इन परिस्थितियों में सही संतुलन क्या होगा और कौन-सा रास्ता सबसे बेहतर रहेगा।

रुबियो ने कहा कि अमेरिका को इन कदमों के व्यापक आर्थिक प्रभाव का आकलन करने के लिए समय चाहिए। खासकर तब, जब मध्य पूर्व और यूक्रेन में चल रहे संघर्ष पहले से ही वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को प्रभावित कर रहे हैं। रुबियो की यह टिप्पणी रिपब्लिकन सीनेटर टेड क्रूज की आलोचना के जवाब में आई। क्रूज ने 60 दिन की इस छूट को गलती बताते हुए कहा था कि इससे रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को फायदा मिलेगा

जब उनसे पूछा गया कि क्या यह छूट और रूसी डीजल से जुड़ी दूसरी व्यवस्था पुतिन को राहत देने जैसी है, तो उन्होंने इस बात से इनकार किया। रुबियो ने कहा, वह डीजल किसी न किसी तरीके से अंतरराष्ट्रीय बाजार में बिकना ही था। उन्होंने बताया कि पहले भी अमेरिका ने 60 दिन की छूट दी थी, जब होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते तेल परिवहन में दिक्कतें आ रही थीं। दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में चल रहे संघर्ष अब एक-दूसरे को प्रभावित करने लगे हैं और उनका असर सिर्फ युद्ध वाले देशों तक सीमित नहीं है।

उन्होंने कहा कि दुनिया भर के ये संघर्ष अब एक-दूसरे से टकरा रहे हैं। इनका असर सिर्फ तेल और डीजल की कीमतों पर ही नहीं, बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। उन्होंने माना कि अमेरिका में भी लोग बढ़ी हुई ऊर्जा कीमतों का असर झेल रहे हैं, लेकिन कुछ अन्य देशों की स्थिति इससे भी ज्यादा कठिन है। रुबियो के ताजा बयान यह दिखाते हैं कि अमेरिका के सामने एक चुनौती यह है कि वह एक तरफ रूस पर दबाव बनाए रखना चाहता है, वहीं दूसरी तरफ भारत जैसे बड़े ऊर्जा आयातक देशों के साथ अपने आर्थिक संबंधों को भी संभालकर रखना चाहता है।

ईरान पर सैन्य कार्रवाई का ट्रंप ने किया बचाव, कहा-परमाणु हथियारों का खतरा गंभीर था, इसलिए किया हस्तक्षेप

वाशिंगटन (एजेंसी)

नॉर्दर्न केंटकी यूनिवर्सिटी के 'ट्रूइस्ट एरिना' में आयोजित एक रिपब्लिकन चुनावी रैली में ट्रंप ने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के अपने फैसले का बचाव किया। ट्रंप ने अपने दूसरे राष्ट्रपति कार्यकाल की सबसे बड़ी राष्ट्रीय सुरक्षा उपलब्धियों का बखान करते हुए कहा कि अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के जरिए ईरान की परमाणु हथियार बनाने की क्षमता पूरी तरह नष्ट कर दी गई है और तेहरान को दोबारा यह क्षमता विकसित नहीं करने दी जाएगी।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि परमाणु हथियारों से लैस ईरान का खतरा इतना गंभीर था कि अमेरिका के लिए हस्तक्षेप करना जरूरी हो गया था। ट्रंप ने समर्थकों से कहा, ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं हो सकते। ऐसा नहीं हो सकता, क्योंकि अगर उनके पास होगा तो वे उसका इस्तेमाल करेंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि अमेरिका ने ईरान के परमाणु ढांचे को सफलतापूर्वक निशाना बनाया है और यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं कि यह कार्यक्रम फिर से शुरू न हो सके। उन्होंने कहा, हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि यह दोबारा वापस न आए। ट्रंप ने बताया कि सैन्य अभियान के दौरान उन्होंने अपने वरिष्ठ अधिकारियों को इसी दिशा में काम करने के निर्देश दिए थे। ट्रंप ने इस कार्रवाई को अपने उस बड़े दावे से भी जोड़ा, जिसमें वे कहते रहे हैं कि उनके नेतृत्व में अमेरिका की सैन्य ताकत फिर से मजबूत हुई है और देश अब अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के खतरों का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि यह फैसला ऐसे समय में लिया गया, जब अमेरिकी अर्थव्यवस्था और शेयर बाजार अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे।

कनाडा के वेनराइट सैन्य अड्डे में लगी भीषण आग में कई की मौत, पीएम कार्नी ने जताया दुख

ओटावा (एजेंसी)

पश्चिमी कनाडा के अल्बर्टा प्रांत में स्थित एक सैन्य अड्डे पर शनिवार शाम भीषण आग लगने से कई जानें चली गईं और कई अन्य घायल हो गए। यह हादसा 'कैनेडियन फोर्सेज बेस वेनराइट' में हुई। यह सैन्य अड्डा वेनराइट शहर के पास स्थित है। रक्षा मंत्री डेविड मैकगिन्टी ने मौतों और घायलों की पुष्टि की। घटना की जानकारी के बाद प्रधानमंत्री मार्क कार्नी दुख व्यक्त किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट में लिखा, 'अल्बर्टा के सीएफबी वेनराइट में एक गंभीर घटना हुई, जिसके कारण बड़े पैमाने पर आग लग गई। इस घटना से प्रभावित हुए महिलाओं और पुरुषों के साथ हमारी संवेदनाएं हैं। हम अल्बर्टा सरकार और स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर लगातार काम कर रहे हैं। प्रीमियर स्मिथ और मैं संपर्क में हैं और हमारे संबंधित मंत्री तथा अधिकारी भी आपस में लगातार बातचीत कर रहे हैं।' शिन्हुआ समाचार एजेंसी ने स्थानीय मीडिया के हवाले से बताया कि शनिवार शाम पश्चिमी कनाडा के अल्बर्टा प्रांत में स्थित एक सैन्य अड्डे पर भीषण आग लग गई। तेज हवाओं के कारण यह आग तेजी से फैली।

यह घटना 'कैनेडियन फोर्सेज बेस वेनराइट' में हुई, जो प्रांत की राजधानी एडमोंटन से लगभग 200 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में स्थित है। समाचार एजेंसी 'यूएनबी' की रिपोर्ट के मुताबिक, रक्षा मंत्री डेविड मैकगिन्टी ने मौतों और घायलों की पुष्टि की। प्रीमियर स्मिथ ने घटना को गंभीर और दुखद बताया। उन्होंने कहा कि इस घटना से कई सैन्यकर्मी प्रभावित हुए हैं और आपातकालीन सेवाओं में लगे कर्मचारियों तथा बचाव दलों का धन्यवाद भी किया। हालांकि, फिलहाल न तो प्रधानमंत्री कार्नी और न ही प्रीमियर स्मिथ ने आग लगने की वजह या मृतकों और घायलों की सटीक संख्या के बारे में कोई जानकारी दी है। न्यूज एजेंसी यूएनबी के अनुसार, विपक्षी कंजर्वेटिव पार्टी के नेता पियरे पोइलिवरे ने भी दुख जताया। उन्होंने बताया कि उन्होंने कार्नी और मैकगिन्टी से बात की है। पोइलिवरे ने लोगों से प्रभावित परिवारों के लिए प्रार्थना करने, अधिकारियों के निर्देशों का पालन करने और आपातकालीन वाहनों के लिए सड़कों को खाली रखने की अपील की।

अधिकारों से समझौता नहीं, आपसी सम्मान और भरोसेमंद गारंटी के साथ बातचीत के लिए तैयार है ईरान : अराघची

तेहरान (एजेंसी)

इराक की राजधानी बगदाद पहुंचे ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने कहा है कि उनका देश दबाव में आकर अपनी संप्रभुता से समझौता नहीं करेगा। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि ईरान 'आपसी सम्मान और भरोसेमंद गारंटी' के आधार पर बातचीत के लिए तैयार है।

ईरान के विदेश मंत्रालय के बयान के मुताबिक, अराघची शनिवार को ऑर्गेनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन (ओआईसी) के विदेश मंत्रियों की 52वीं बैठक में शामिल होने के लिए इराक की राजधानी बगदाद पहुंचे हैं। उन्होंने कहा, ईरान किसी भी तरह की जबरदस्ती, धमकी या डराने-धमकाने की राजनीति को स्वीकार नहीं करता। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, अराघची ने होर्मुज स्ट्रेट में सुरक्षित और निर्बाध समुद्री आवाजाही के प्रति ईरान की प्रतिबद्धता दोहराई।

उन्होंने कहा कि 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल की ओर से ईरान पर हमले किए जाने से पहले यह जलमार्ग खुला हुआ था। उन्होंने बताया कि ईरान ने कतर के जरिए अमेरिका को एक 'ठोस' सात दिन की योजना भेजी है। इस योजना के तहत अगर जरूरी शर्तें पूरी होती हैं, तो होर्मुज स्ट्रेट को सात दिनों के भीतर फिर से खोला जा सकता है। उन्होंने कहा, अब फैसला अमेरिका के हाथ में है। अराघची ने कहा कि ईरान अपने लोगों, अपनी संप्रभुता और वैध हितों की रक्षा हर संभव तरीके से करता रहेगा। उन्होंने कहा कि ईरान ने अपने पड़ोसी देशों पर कभी हमला नहीं किया है और केवल उन देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों और केंद्रों को निशाना बनाया है। उन्होंने यह भी कहा कि क्षेत्र के हर देश की जमीन, हवाई क्षेत्र और बुनियादी ढांचे का इस्तेमाल केवल क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए होना चाहिए, न कि किसी पड़ोसी देश पर हमला करने के मंच के रूप में। अराघची ने कहा, कोई भी देश दूसरे देशों की सुरक्षा की कीमत पर अपनी स्थायी सुरक्षा नहीं बना सकता। हमारा मानना है कि हमारे क्षेत्र की समस्याओं का समाधान क्षेत्र के देश खुद मिलकर करें। ऐसा होने से बाहरी शक्तियों को युद्ध का बहाना नहीं मिलेगा।

ईरान के विदेश मंत्रालय के बयान के मुताबिक, अराघची शनिवार को ऑर्गेनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन (ओआईसी) के विदेश मंत्रियों की 52वीं बैठक में शामिल होने के लिए इराक की राजधानी बगदाद पहुंचे हैं

28 फरवरी को इजरायल और अमेरिका ने तेहरान और ईरान के अन्य शहरों पर संयुक्त हमले किए थे। इसके जवाब में ईरान ने इजरायल और क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी ठिकानों पर मिसाइलों और ड्रोन की कई लहरों में हमले किए और होर्मुज स्ट्रेट पर अपनी पकड़ कड़ी कर दी। 8 अप्रैल को दोनों पक्षों के बीच युद्धविराम हो गया था।

मदन राठौड़ के कथित पाकिस्तान प्रेम के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन, घंटाघर चौराहे पर फूंका पुतला

टोंक (एजेंसी)

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के पाकिस्तान को लेकर दिए गए कथित बयान के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी टोंक की ओर से शनिवार को घंटाघर चौराहे पर विरोध प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने मदन राठौड़ का पुतला दहन कर भाजपा के खिलाफ नारेबाजी की और उनके बयान पर कड़ी नाराजगी जताई।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने कहा कि पाकिस्तान की ओर से आतंकवाद और भारतीय सुरक्षा बलों पर हमलों का इतिहास रहा है। ऐसे में पाकिस्तान को लेकर दिए गए किसी भी बयान में देश की सुरक्षा, वीर जवानों के बलिदान और देशवासियों की भावनाओं का ध्यान रखा जाना चाहिए। प्रदर्शन का नेतृत्व करते हुए निवर्तमान जिला कांग्रेस अध्यक्ष हरिप्रसाद बैरवा ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के कथित बयान की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि पाकिस्तान ऐसा देश है, जहां से आतंकवाद को बढ़ावा देने और भारत के खिलाफ आतंकी गतिविधियों को लेकर लगातार गंभीर चिंताएं सामने आती रही हैं। पाकिस्तान की ओर से भारतीय नागरिकों और जवानों को निशाना बनाए जाने की घटनाओं के बीच इस तरह की टिप्पणी उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि देश की रक्षा करते हुए प्राण न्योछावर करने वाले वीर जवानों का सम्मान और राष्ट्रीय सुरक्षा सर्वोपरि होनी चाहिए। बैरवा ने आरोप लगाया कि भाजपा नेताओं के बयान और राजनीतिक रवैये को लेकर कई सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने कहा कि देश की जनता अपने जवानों के बलिदान और राष्ट्रीय हितों के प्रति संवेदनशील है। राजनीतिक दलों के नेताओं को सार्वजनिक मंचों से बयान देते समय राष्ट्रीय भावनाओं और देशहित का ध्यान रखना चाहिए।

उज्जैन : भांग से श्रृंगार, चांदी का मुकुट और मुंड माला... भस्म आरती में बाबा महाकाल ने दिए दिव्य दर्शन

उज्जैन (एजेंसी)

विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में रविवार सुबह भस्म आरती के दौरान बाबा महाकाल का मनमोहक श्रृंगार किया गया। अश्विन शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि पर सुबह चार बजे मंदिर के पट खुलते ही वैदिक मंत्रोच्चार और पूजन के साथ बाबा महाकाल का पंचामृत अभिषेक किया गया। इसके बाद भगवान को भांग से सजाया गया, चंद्रमा लगाया गया और चांदी का मुकुट व मुंड माला धारण कराई गई।

भस्म अर्पित किए जाने के बाद बाबा महाकाल के दिव्य स्वरूप के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। मंदिर परिसर जय श्री महाकाल के उद्घोष से गूंज उठा। भक्तों ने बाबा के दर्शन कर सुख-समृद्धि और कल्याण की कामना की। श्री महाकालेश्वर मंदिर के पुजारी पंडित महेश शर्मा ने बताया कि अश्विन शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि पर रविवार को बाबा महाकाल का विशेष श्रृंगार किया गया। भस्म आरती के लिए सुबह चार बजे मंदिर के पट खोले गए। इसके बाद पंडे-पुजारियों ने गर्भगृह में स्थापित सभी देवी-देवताओं की प्रतिमाओं का पूजन किया और भगवान महाकाल का जलाभिषेक किया। इसके बाद दूध, दही, घी, शक्कर और फलों के रस से तैयार पंचामृत से बाबा महाकाल का अभिषेक किया गया। पूजन के अगले चरण में प्रथम घंटाल बजाकर भगवान को हरि ओम का जल अर्पित किया गया। कपूर आरती के बाद बाबा महाकाल को चांदी का मुकुट और मुंड माला धारण कराई गई। रविवार को बाबा महाकाल के श्रृंगार की विशेष बात उनका भांग से किया गया श्रृंगार रहा। भगवान के मस्तक पर चंद्रमा भी लगाया गया। चांदी के मुकुट और मुंड माला से सुसज्जित बाबा महाकाल का दिव्य स्वरूप भक्तों के आकर्षण का केंद्र रहा। भस्म आरती के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे और भगवान के दर्शन किए।

भक्त बाबा महाकाल की भक्ति में लीन नजर आए। दर्शन के दौरान मंदिर परिसर जय श्री महाकाल के उद्घोष से गूंजता रहा। मान्यता है कि भस्म अर्पित किए जाने के बाद भगवान महाकाल निराकार से साकार स्वरूप में दर्शन देते हैं। इसी धार्मिक मान्यता के चलते भस्म आरती को महाकाल मंदिर की प्रमुख आरतियों में विशेष स्थान प्राप्त है। श्री महाकालेश्वर मंदिर में आरतियों का संशोधित समय अश्विन मास की पूर्णिमा यानी शरद पूर्णिमा तक प्रभावी रहेगा। मंदिर में आरती के समय इस प्रकार हैं: भस्म आरती सुबह 4:00 बजे से 6:00 बजे तक, दध्योदक आरती सुबह 7:00 बजे से 7:45 बजे तक और भोग आरती सुबह 10:00 बजे से 10:45 बजे तक होती है।

राजस्थान में भयंकर सूखे और अकाल के हालात, भजन लाल सरकार को जमीनी हकीकत पता ही नहीं : अशोक गहलोत

जयपुर (एजेंसी)

राजस्थान में गहराते सूखे और अकाल के संकट को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश की मौजूदा भजनलाल सरकार पर तीखा प्रहार किया है। रविवार को जैसलमेर दौरे पर रवाना होने से पहले जयपुर स्थित अपने निवास पर मीडिया से मुखातिब होते हुए गहलोत ने आरोप लगाया कि प्रदेश में इस बार अकाल और सूखे की स्थिति गंभीर बन चुकी है, लेकिन सरकार को धरातल पर गांवों में बने इस भयावह संकट का अहसास तक नहीं है।

उन्होंने चेताया कि यदि मुख्यमंत्री स्तर पर तत्काल सख्त मॉनिटरिंग और ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले दिनों में समूचे प्रदेश को भीषण मानवीय और आर्थिक त्रासदी से जूझना पड़ेगा। पूर्व मुख्यमंत्री ने अन्य राज्यों की कार्यप्रणाली का उदाहरण देते हुए कहा कि सूखे और प्राकृतिक आपदाओं के दौरान भाजपा शासित अन्य राज्यों तक में मुख्यमंत्रियों ने ग्राउंड जीरो पर दौरे शुरू कर दिए हैं और राज्य स्तर पर निरंतर निगरानी की जा रही है। इसके विपरीत, राजस्थान देश का एकमात्र ऐसा राज्य नजर आ रहा है जहां सरकार स्थिति की गंभीरता से पूरी तरह अनजान बनी हुई है। गहलोत ने कहा कि हाल ही में उन्होंने बीकानेर का दौरा किया था, जहां हालात बेहद गंभीर हैं। इसके अलावा जैसलमेर, बाड़मेर और जोधपुर जैसे सीमावर्ती व पश्चिमी जिलों में सूखे का प्रकोप चरम पर पहुंच चुका है। गहलोत ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था और पशुधन पर मंडरा रहे खतरे को रेखांकित करते हुए कहा कि चारे और पानी के अभाव में पशुधन दम तोड़ने लगा है। जैसलमेर में स्थानीय स्तर पर हुई बातचीत का हवाला देते हुए उन्होंने दावा किया कि चारे-पानी की किल्लत से हजारों गायें काल का ग्रास बन चुकी हैं।

गरबा महोत्सव हमारी आस्था, सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक एकता का सुंदर संगम : सीएम

ओपन सर्च. संवाददाता

रायपुर। नवरात्रि का पावन पर्व शक्ति की आराधना के साथ नारी शक्ति के सम्मान, सामाजिक एकता और हमारी गौरवशाली सांस्कृतिक परंपराओं का प्रतीक है। भारतीय संस्कृति में नारी को शक्ति का स्वरूप माना गया है। हमारी सरकार इसी भावना के अनुरूप माताओं-बहनों के सम्मान, सुरक्षा, स्वावलंबन और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। महिलाओं की प्रगति केवल एक परिवार की नहीं, बल्कि पूरे समाज और प्रदेश की प्रगति का आधार है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर में आयोजित विभिन्न गरबा एवं नवरात्रि महोत्सवों में शामिल होकर प्रदेशवासियों को नवरात्रि की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय कालीबाड़ी स्थित मां काली मंदिर पहुंचे और माता के दर्शन-पूजन कर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इसके साथ ही वे मंडी परिसर में कच्छ कड़वा पाटीदार समाज द्वारा आयोजित पाटीदार नवरात्रि महोत्सव, भानपुरी में कच्छ कड़वा पाटीदार समाज के गरबा समारोह, गोवर्धन नगर में कच्छ गुर्जर क्षत्रिय समाज द्वारा आयोजित नवरात्रि महोत्सव तथा अमलीडीह क्षेत्र में आयोजित ढोलिडा रास गरबा-2026 सहित विभिन्न आयोजनों में सम्मिलित हुए।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि नवरात्रि के अवसर पर पूरे देश और प्रदेश में भक्ति, श्रद्धा और उल्लास का अद्भुत वातावरण निर्मित होता है। नौ दिनों तक शक्ति स्वरूपा मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों की आराधना हमें जीवन में साहस, संयम, सकारात्मकता और सदाचार के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। यह पर्व हमारी सांस्कृतिक चेतना को सुदृढ़ करने के साथ समाज में प्रेम, सद्भाव और समरसता की भावना को भी मजबूत करता है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि गरबा केवल नृत्य का आयोजन नहीं, बल्कि मां दुर्गा के प्रति हमारी श्रद्धा और भक्ति की सुंदर अभिव्यक्ति है। गुजरात से प्रारंभ हुई गरबा की समृद्ध परंपरा आज पूरे देश में उत्साह और उमंग के साथ मनाई जाती है। यह भारत की सांस्कृतिक विविधता में एकता का सुंदर उदाहरण है। उन्होंने कहा कि हमारे पर्व और त्योहार समाज को जोड़ने का कार्य करते हैं। अलग-अलग समाज और समुदाय जब एक साथ उत्सव मनाते हैं, तो आपसी प्रेम, सद्भाव और भाईचारे की भावना और मजबूत होती है। यही हमारी भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता है। छत्तीसगढ़ में भी सभी समाजों ने अपनी परंपराओं और संस्कृति को सहेजते हुए प्रदेश के सामाजिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

चिकित्सा सेवाओं की मजबूती के लिए प्रदेश में नर्सिंग शिक्षा के विस्तार पर खास फोकस

ओपन सर्च/ओ पी उनियाल

देहरादून। उत्तराखण्ड में नर्सिंग शिक्षा की मजबूती और युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में धामी सरकार लगातार प्रयास कर रही है। इसी क्रम में जुलाई 2021 से प्रदेश में तीन राजकीय नर्सिंग कॉलेजों की स्थापना हो चुकी है, जिससे प्रदेश को नर्सिंग पाठ्यक्रमों में 321 अतिरिक्त सीटें मिली है।

इसी के साथ राजकीय नर्सिंग कॉलेजों के विभिन्न पाठ्यक्रमों में सीटों की संख्या बढ़कर 879 हो चुकी हैं, इसके अलावा प्रदेश के निजी नर्सिंग संस्थानों में सीटों की संख्या 10,616 तक पहुंच चुकी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का कहना है कि राज्य सरकार का उद्देश्य उत्तराखण्ड के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है। नर्सिंग शिक्षा का विस्तार, राजकीय संस्थानों में शैक्षिक सुविधाओं को मजबूत करना और युवाओं को देश-विदेश में रोजगार के अवसरों से जोड़ना इसी दिशा में किए जा रहे प्रयासों का हिस्सा है। सरकार का प्रयास है कि प्रदेश के युवा अपनी प्रतिभा और कौशल के बल पर आगे बढ़ें और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में चिकित्सा सेवाओं की मजबूती के लिए प्रदेश में नर्सिंग शिक्षा के विस्तार पर खास फोकस किया गया है। जुलाई 2021 के बाद स्थापित तीन राजकीय नर्सिंग संस्थानों में बीएससी नर्सिंग की 151, एमएससी नर्सिंग की 120, एनपीसीसी की 20 और एनपीएम की 30 सीटें यानी कुल 321 सीटें बढ़ चुकी हैं। यहां एएनएम, जीएनएम, बीएससी नर्सिंग, पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग, एमएससी नर्सिंग, एनपीसीसी और एनपीएम सहित विभिन्न पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

मुंबई के वडाला में तीन लोगों ने की तीन राउंड फायरिंग, तीनों आरोपी हिरासत में

मुंबई (एजेंसी)

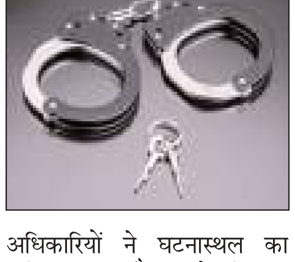

मुंबई के वडाला पश्चिम इलाके में दिनदहाड़े फायरिंग की घटना से हड़कंप मच गया। एआईएसएचई कॉलेज के पास, चार रास्ता स्थित आरए किदवई रोड पर ओला कार से आए तीन लोगों ने सड़क पर जा रहे एक युवक पर तीन राउंड फायरिंग की। मिली जानकारी के अनुसार, तीनों आरोपी ओला कार से घटनास्थल पर पहुंचे थे। इसके बाद उन्होंने सड़क पर जा रहे एक युवक पर तीन राउंड गोलियां चलाई। अचानक हुई फायरिंग से आसपास मौजूद लोग घबरा गए। अपनी जान बचाने के लिए युवक इधर-उधर भागने लगा। गनीमत रही कि इस घटना में युवक को कोई चोट नहीं आई और वह बाल-बाल बच गया। घटना की सूचना मिलते ही माटुंगा पुलिस, क्राइम ब्रांच यूनिट-4 और पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) जोन-4 अनुराग जैन मौके पर पहुंचे। पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि फायरिंग किस वजह से की गई और आरोपियों का पीड़ित युवक से क्या संबंध था। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, घटना के समय ओला कार का चालक भी मौके पर मौजूद था।

हालांकि, चालक ने घटना की जानकारी होने से इनकार किया। पुलिस चालक से भी पूछताछ कर रही है, ताकि घटना से जुड़े सभी तथ्यों का पता लगाया जा सके। जांच एजेंसियां यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही हैं कि वारदात में इस्तेमाल किए गए हथियार कहां से आए और आरोपियों ने युवक पर गोलीबारी क्यों की। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस मामले में मुख्य आरोपी समेत तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। पुलिस घटना के पीछे की वजह, आरोपियों की भूमिका और वारदात से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच कर रही है। अचानक हुई फायरिंग पर युवक ने मौके से भागकर अपनी जान बचा ली और उसे एक भी गोली नहीं लगी। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। राहत की बात यह रही कि युवक इस हमले में सुरक्षित बच गया और किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। फिलहाल, पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है। जांच पूरी होने के बाद ही फायरिंग के पीछे की असली वजह और घटना से जुड़े अन्य तथ्यों का खुलासा हो सकेगा।

नमन धीर की बल्लेबाजी के कायल हुए चेतेश्वर पुजारा

नई दिल्ली (एजेंसी)

भारत के पूर्व बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ बेंगलुरु में खेले गए बारिश से प्रभावित पांचवें टी20 मुकाबले में नमन धीर की तूफानी नाबाद पारी (सिर्फ 6 गेंदों पर 24 रन) की तारीफ की है। उन्होंने बताया कि दबाव वाले हालात में इस तरह का असरदार प्रदर्शन करने के लिए कितनी तैयारी की जरूरत होती है।

उन्होंने टीम मैनेजमेंट से यह भी कहा कि आने वाले वर्षों के लिए स्पिन विकल्पों की पहचान की जाए और उन्हें लगातार समर्थन दिया जाए। उन्होंने वरुण चक्रवर्ती के साथ-साथ कुलदीप यादव और रवि बिश्नोई का भी जिक्र किया, जिन पर विचार किया जा सकता है। मैच के अंत में धीर की आक्रामक बल्लेबाजी ने दिखाया कि क्रीज पर बहुत कम समय होने के बावजूद वह कैसे तुरंत बड़ा प्रभाव डाल सकते हैं।

बारिश के कारण सीमित किए गए इस मैच में मुंबई इंडियंस के इस बल्लेबाज की 6 गेंदों की पारी ने एक ऐसे फिनिशर की अहमियत को दिखाया, जो आते ही बाउंड्री के पार शॉट मारने की क्षमता रखता है। पुजारा का मानना ??है कि नमन धीर ने जिस आसानी से बाउंड्री लगाई, उसे यह नहीं समझना चाहिए कि इसके पीछे कोई मेहनत नहीं थी। पुजारा ने 'जियोस्टार' पर कहा, वह जिस आसानी से बल्लेबाजी कर रहे थे, वह काबिले तारीफ है। उन्होंने सिर्फ 6 गेंदों का सामना किया, जिसमें से केवल 2 गेंदों पर सिंगल लिए। बाकी सभी गेंदों पर उन्होंने चौके और छक्के जड़े। 9 ओवर के इस मैच में उन्होंने 400 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की। क्रीज पर आते ही हर गेंद पर चौका या छक्का मारने के लिए बहुत ज्यादा तैयारी की जरूरत होती है। उन्होंने आगे कहा, 'जब आप उन्हें बल्लेबाजी करते हुए देखते हैं, तो आपको लग सकता है कि 'अरे, वह तो बल्लेबाजी को बहुत आसान बना रहे हैं,' लेकिन असल में यह इतना आसान नहीं है। जब आप उस स्थिति में बल्लेबाजी कर रहे होते हैं, तो आपके पास सोचने के लिए बिल्कुल भी समय नहीं होता। सिर्फ पांच या छह गेंदों का सामना करके 24 रन तक पहुंच जाना, मेरे हिसाब से यह शानदार है।

बल्लेबाजी की बात करने के अलावा, पुजारा ने भारतीय क्रिकेट की एक बड़ी चुनौती पर भी अपनी राय दी। उन्होंने कहा कि बदलती जरूरतों के बीच अच्छे स्पिन गेंदबाजों का एक मजबूत और स्थायी समूह बनाए रखना आसान नहीं है। उनके मुताबिक, छोटे मैदान और ज्यादा रन बनने वाले टी20 फॉर्मेट में गेंदबाजों पर काफी दबाव रहता है। ऐसे माहौल में अगर किसी गेंदबाज का एक स्पेल खराब हो जाए, तो उसका आत्मविश्वास भी जल्दी प्रभावित हो सकता है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने कहा, आपको खिलाड़ियों की पहचान करनी होगी और उनका समर्थन जारी रखना होगा। अगर बाउंड्री छोटी है, तो हो सकता है कि कुलदीप हर मैच न खेलें।

इसी कारण खिलाड़ियों को यह स्पष्टता देना जरूरी है कि वह भारतीय टीम का हिस्सा बने रहेंगे। हो सकता है कि वे नियमित रूप से प्लेइंग इलेवन का हिस्सा न हों, लेकिन वे बड़े सेटअप का हिस्सा जरूर हैं। स्पिनरों को यह संदेश देना बहुत जरूरी है, क्योंकि छोटे फॉर्मेट में उनका आत्मविश्वास बहुत जल्दी डगमगा सकता है।

उन्होंने आगे कहा, अगर आप अपने चार ओवर के स्पेल में 40 से 50 रन लुटा देते हैं, तो आपका आत्मविश्वास कम होने लगता है; अतीत में कुलदीप के साथ ऐसा हो चुका है। इसी वजह से वरुण के बाद अपने स्पिनरों की पहचान करना जरूरी है—चाहे वह कुलदीप हों या रवि बिश्नोई। बिश्नोई अभी अच्छी गेंदबाजी नहीं कर रहे हैं, इसलिए हमें किसी और विकल्प पर भी विचार करना पड़ सकता है। यह तय करना जरूरी है कि आप अगले कुछ वर्षों में टीम में किसे देखना चाहते हैं, और उन्हें पर्याप्त मौके देने की कोशिश करनी चाहिए।

हार्दिक पंड्या की जगह कोई नहीं ले सकता, नमन वेस्टइंडीज सीरीज की खोज रहे : सुनील गावस्कर

गावस्कर ने कहा, 'वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज भारत के लिए अपनी बेंच स्ट्रेंथ को टेस्ट करने का मौका था। मयंक यादव और प्रिंस यादव ने अच्छी गेंदबाजी की। नमन धीर इस दौरे की खोज बनकर उभरे। सीरीज में उनकी ऑफ स्पिन गेंदबाजी और आखिरी मैच में उनकी बल्लेबाजी प्रभावी रही

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि टीम इंडिया कभी-कभी हार्दिक पांड्या का विकल्प ढूंढने की कोशिश में थोड़ा बहक जाती है। गावस्कर ने भारतीय टीम को चार फुलटाइम गेंदबाजों और दो ऑलराउंडरों के साथ खेलने की सलाह दी। वेस्टइंडीज के साथ टी20 सीरीज की समाप्ति के बाद जियोस्टार पर गावस्कर ने कहा, 'हमें गेंदबाजी देखने को नहीं मिली। यह देखना दिलचस्प होता कि भारत ने इस नौ ओवर के मैच में कैसी गेंदबाजी करता। सीरीज से यह सीख मिली है कि उनकी गेंदबाजी में, उन्हें कम से कम चार नियमित गेंदबाज के साथ खेलना होगा। पांचवां और छठा गेंदबाज ऐसा खिलाड़ी हो सकता है, जो बल्लेबाजी भी कर सके। नमन धीर और अक्षर पटेल जैसा खिलाड़ी, जो बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों कर सकता है।' उन्होंने कहा, हम कभी-कभी हार्दिक पांड्या का रिप्लेसमेंट ढूंढने की कोशिश में थोड़ा बहक जाते हैं। हार्दिक पांड्या की जगह कोई नहीं ले सकता। अगर आपको उनके जैसा कोई नहीं मिलता है, तो किसी ऐसे को चुनें जो थोड़ा अलग काम कर सके। नमन धीर, वही काम कर रहे हैं। वह अपने ओवर अच्छे से फेंक रहे हैं, और देखिए उन्होंने इस आखिरी टी20 में कैसे बल्लेबाजी की। भारत को यही करने की जरूरत है। गावस्कर ने कहा, 'वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज भारत के लिए अपनी बेंच स्ट्रेंथ को टेस्ट करने का मौका था। मयंक यादव और प्रिंस यादव ने अच्छी गेंदबाजी की। नमन धीर इस दौरे की खोज बनकर उभरे। सीरीज में उनकी ऑफ स्पिन गेंदबाजी और आखिरी मैच में उनकी बल्लेबाजी प्रभावी रही। भारत और वेस्टइंडीज के बीच पांचवां टी20 शनिवार को बेंगलुरु में होना था। बारिश की वजह से मैच पहले 9-9 ओवर का निर्धारित किया गया था। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7.4 ओवर में 5 विकेट पर 118 रन बनाए थे। उस समय नमन 6 गेंदों पर 3 छक्कों और 1 चौके की मदद से 24 रन बनाकर खेल रहे थे। इसी समय फिर से बारिश आ गई। इसके बाद मैच रद्द करना पड़ा। सीरीज 2-2 से बराबर रही।

न्यूजीलैंड वनडे सीरीज के लिए यशस्वी को नजरअंदाज करने से नाखुश अश्विन

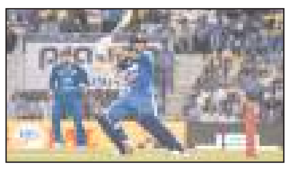

नई दिल्ली (एजेंसी)

न्यूजीलैंड दौरे के लिए शुक्रवार को भारत की वनडे और टेस्ट टीम का ऐलान किया गया। हालांकि, यशस्वी जायसवाल को एकदिवसीय टीम में शामिल नहीं किया गया है। सिलेक्टर्स का यह फैसला भारत के पूर्व क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन को रास नहीं आया है। अश्विन ने न्यूजीलैंड दौरे के लिए चुनी गई वनडे टीम में यशस्वी को शामिल न करने पर नाराजगी जाहिर की है। अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए अश्विन ने कहा, अगर शुभमन गिल आखिरी दो वनडे नहीं खेलते हैं, तो उनकी जगह पर निश्चित रूप से यशस्वी जायसवाल को मौका मिलना चाहिए। यह काफी दुर्भाग्यपूर्ण है क्योंकि इससे उनका आत्मविश्वास डगमगा सकता है, खासकर तब जब वह इतने अच्छे रन बना रहे थे।' पूर्व गेंदबाज ने आगे कहा, 'मैं शुभमन गिल की स्थिति समझ सकता हूं, क्योंकि वह लगातार यात्रा कर रहे हैं। मैं केएल राहुल की स्थिति भी समझ सकता हूं। हालांकि, यशस्वी जायसवाल को तो बिल्कुल भी खेलने का समय नहीं मिला है, है ना? मैं सिर्फ जायसवाल को मौके देने के नजरिए से यह बात नहीं कह रहा हूं।

उनका आत्मविश्वास पूरी तरह से खत्म हो रहा है। मुझे नहीं पता, लेकिन अगर आप उनकी बल्लेबाजी को देखें, तो वह उस तरह से बल्लेबाजी नहीं कर रहे हैं जैसे वह दो या तीन साल पहले किया करते थे। अश्विन ने कहा कि अगर यशस्वी के आत्मविश्वास खत्म होता है, तो यह टीम मैनेजमेंट की जिम्मेदारी है कि उन्हें मौका दें। पूर्व स्पिनर ने कहा, वह रन मशीन थे। अगर उनका आत्मविश्वास डगमगा रहा है, तो टीम मैनेजमेंट और सिलेक्टर्स का यह काम है कि उन्हें जहां भी संभव हो, मौका दें।

रणजी ट्रॉफी : छत्तीसगढ़ के खिलाफ पहली पारी में खामोश रहा गिल का बल्ला, 1 रन बनाकर हुए आउट

न्यू चंडीगढ़ (एजेंसी)

भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल की रणजी ट्रॉफी में बहुप्रतीक्षित वापसी निराशाजनक रही। रविवार को यहां नए पीसीए स्टेडियम में छत्तीसगढ़ के खिलाफ पंजाब के दूसरे दौर के एलीट ग्रुप बी मैच में बाएं हाथ के स्पिनर अजय मंडल ने उन्हें सिर्फ एक रन के स्कोर पर क्लीन बोल्ड किया। विहान मल्होत्रा के धर्मेंद्रसिंह जडेजा द्वारा एलबीडब्ल्यू आउट किए जाने के बाद चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए गिल केवल 5 गेंदों तक टिक सके।

27वें ओवर की तीसरी गेंद पर अजय मंडल ने उन्हें छकाया, गेंद सीधी रही और बल्ले और पैड के बीच से निकलकर सीधे मिडिल स्टंप पर जा लगी। 27 वर्षीय गिल ने असम के खिलाफ पंजाब का इस सीजन का पहला मैच नहीं खेला था, लेकिन न्यूजीलैंड दौरे से पहले लाल गेंद क्रिकेट की प्रैक्टिस के लिए वह छत्तीसगढ़ के खिलाफ मैच में खेलने उतरे। हालांकि, गिल टी20 टीम का हिस्सा नहीं हैं, लेकिन वह न्यूजीलैंड दौरे पर जाने वाली भारतीय टीम में शामिल हैं। इस दौरे में पांच टी20, 5 वनडे और 2 टेस्ट मैच खेले जाएंगे, जो वनडे वर्ल्ड कप 2027 की तैयारियों के लिहाज से बहुत अहम हैं। इसके साथ ही, भारत की कोशिश वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की रेस में अपनी उम्मीदें बनाए रखने की भी होगी। हालांकि, गिल केवल 3 वनडे मैच ही खेलेंगे और आखिरी 2 मैचों में नहीं खेलेंगे, ताकि वह क्राइस्टचर्च और वेलिंगटन में होने वाली टेस्ट सीरीज के लिए अच्छी तरह तैयारी कर सकें।

दूसरी ओर, अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी पालम के एयरफोर्स कॉम्प्लेक्स ग्राउंड में सर्विसेज के खिलाफ बंगाल के मौजूदा मैच में नहीं खेल रहे हैं। शमी ने शनिवार को बंगाल की टीम के साथ ट्रेनिंग की थी लेकिन उनके इस मैच से बाहर रहने को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। उनकी जगह उनके छोटे भाई मोहम्मद कैफ को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया है। शमी ने कल्याणी में दिल्ली के खिलाफ बंगाल के पहले मैच में शानदार शुरुआत की थी, जहां उन्होंने कुल 5 विकेट लिए थे।

बंगाल की टीम में तेज गेंदबाज आकाश दीप और मुकेश कुमार भी नहीं थे, जो रेड-बॉल सीरीज के लिए भारत 'ए' टीम का हिस्सा बनने न्यूजीलैंड गए हैं। शमी पिछले और मौजूदा घरेलू सीजन में बंगाल के लिए लगातार खेलते रहे हैं। वह ईस्ट जोन की उस टीम का भी हिस्सा थे जिसने दिलीप ट्रॉफी 2026-27 जीती थी। हालांकि, 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के बाद से वह भारत के लिए नहीं खेले हैं और न्यूजीलैंड के आगामी दौरे के लिए भी उन्हें एक बार फिर नजरअंदाज कर दिया गया है।

भारत बनाम वेस्टइंडीज : श्रेयस अय्यर को सीरीज बराबरी पर छूटने का मलाल, बताया- किस तरह अलग हो सकता था नतीजा

बंगलूरू (एजेंसी)

भारत और वेस्टइंडीज के बीच शनिवार को बंगलूरू के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में निर्णायक मैच बारिश के कारण धुल गया, जिसके साथ पांच मुकाबलों की टी20 सीरीज 2-2 से बराबरी पर खत्म हुई। भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर मानते हैं कि इस सीरीज का नतीजा कुछ और हो सकता था, अगर उनके गेंदबाजों ने दो मुकाबलों में बेहतर गेंदबाजी की होती।

बारिश के कारण एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में होने वाला पांचवां और आखिरी मैच रद्द करना पड़ा। नौ-नौ ओवरों के इस मुकाबले में भारत का स्कोर 7.4 ओवर में 118/5 था। अय्यर ने कहा, अगर हमने दूसरे और चौथे मैच में बेहतर गेंदबाजी की होती, तो नतीजा कुछ और हो सकता था। उन्हें (वेस्टइंडीज को) श्रेय देना चाहिए, उन्होंने अच्छी बल्लेबाजी की। पूरी सीरीज में होप ने जिस तरह से बल्लेबाजी की, वह शानदार थी। हार के बाद भी वापसी करने की उनकी क्षमता काबिले तारीफ है। हम जिस तरह से खेलते हैं, उसमें एक आक्रामक मानसिकता होती है। 15 वर्षीय सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को भारत की ओपनिंग स्लॉट पहले से भरे होने के कारण अपने मौके का इंतजार करना पड़ रहा है। इस पूरी सीरीज में वैभव को एक अदद मौका नहीं मिल सका। अय्यर ने कहा कि इस युवा खिलाड़ी को धैर्य रखने और अपनी प्रक्रिया पर टिके रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा, मैं उनसे बस यही कहता रहता हूं कि आपको मौका जरूर मिलेगा।

घरेलू मैदान पर भारत के लिए कठिन रही सीरीज, वेस्टइंडीज को खुद पर गर्व होना चाहिए : अभिषेक नायर

नई दिल्ली (एजेंसी)

भारत के पूर्व सहायक कोच अभिषेक नायर ने कहा कि टीम इंडिया और वेस्टइंडीज के बीच ट्रॉफी साझा करना एक कड़े मुकाबले वाली सीरीज का बिल्कुल सही अंत है। उन्होंने तर्क दिया कि अगर विजेता तय करने के लिए मैच को घटाकर 9 ओवर का कर दिया जाता, तो यह फैसला करने का एक अनुचित तरीका होता। शनिवार को बेंगलुरु में खेले गए सीरीज का आखिरी और निर्णायक मैच बारिश की भेंट चढ़ा।

मुकाबले में सिर्फ 7.4 ओवर का ही खेल हो सका। लगातार होती तेज बारिश के चलते आखिर में अंपायर्स को मैच को रद्द करने का फैसला लेना पड़ा। इसके साथ ही, दोनों टीमों के बीच 5 मैचों की टी20 सीरीज 2-2 की बराबरी पर खत्म हुई। नायर ने 'जियोस्टार' से कहा, जिस तरह से यह सीरीज आगे बढ़ी है, उसे देखते हुए मुझे लगता है कि 2-2 का नतीजा बिल्कुल सही है, क्योंकि दोनों टीमों ने बहुत अच्छा क्रिकेट खेला। ट्रॉफी किसके पास जाएगी अगर यह तय करने के लिए मैच को 9 ओवर का कर दिया जाता, तो यह इस सीरीज के लिए बहुत दुर्भाग्यपूर्ण होता। पांचवें टी20 मैच से पहले दोनों टीमों ने 2-2 जीत दर्ज की थीं, जिससे सीरीज ऐसे मोड़ पर आ गई थी जहां आखिरी मुकाबला ही यह तय करने वाला था कि ट्रॉफी किसके नाम होगी।

हालांकि, बेंगलुरु के मौसम ने दोनों टीमों को मैदान पर मुकाबला पूरा करने का मौका नहीं दिया। ऐसे में, नायर ने रद्द हुए फाइनल मैच के बजाय सीरीज के पिछले मैचों में किए गए प्रदर्शन पर बात की। उन्होंने आगे कहा, यह कहना सही होगा कि दोनों टीमों ने अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेला है। सीरीज का 2-2 से खत्म होना यह दिखाता है कि दोनों टीमों ने कितना अच्छा खेल दिखाया है और भारत के लिए अपने घरेलू मैदान पर यह कितनी कठिन सीरीज रही है। वेस्टइंडीज को खुद पर गर्व होना चाहिए, क्योंकि जब वे यहां आए थे, तो ऐसा लग रहा था कि भारत उन्हें आसानी से हरा देगा।

भले ही 7 ओवर के खेल में भारत को अपनी जीत की उम्मीद रही होगी, लेकिन मुझे लगता है कि एक अच्छी सीरीज का यह बिल्कुल सही अंत है। वेस्टइंडीज के सामने परिचित परिस्थितियों में एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी का सामना करने की चुनौती थी, लेकिन उन्होंने 2 मैच जीतकर यह सुनिश्चित किया कि सीरीज का फैसला आखिरी मैच तक हो सके।

संजू सैमसन कभी खराब फॉर्म में नहीं होते, बस एक अच्छी पारी की बात होती है : पुजारा

नई दिल्ली (एजेंसी)

भारत के पूर्व बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने टी20 इंटरनेशनल मैचों में संजू सैमसन के उतार-चढ़ाव वाले प्रदर्शन का बचाव किया है। उनका तर्क है कि इस फॉर्मेट में कभी-कभार फेल होना स्वाभाविक है और इसे लंबे समय तक खराब फॉर्म में रहने के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। भारत जल्द ही न्यूजीलैंड के दौरे पर जाने वाला है, जहां तीनों फॉर्मेट की सीरीज खेली जाएगी, जिसकी शुरुआत टी20 इंटरनेशनल मैचों से होगी।

न्यूजीलैंड की परिस्थितियों को देखते हुए पुजारा ने इस बात पर भी संदेह जताया है कि क्या संजू सैमसन और युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी दोनों को एक साथ प्लेइंग इलेवन में शामिल किया जा सकता है। भारत अपनी पिछली पांच मैचों की टी20 सीरीज वेस्टइंडीज के खिलाफ 2-2 से बराबर करने के बाद अब इस नए दौरे पर जा रहा है। संजू सैमसन की निरंतरता हमेशा चर्चा का विषय रही है, लेकिन पुजारा का मानना है कि इस विकेटकीपर-बल्लेबाज में बड़ी पारी खेलने की क्षमता है, इसलिए उनके फॉर्म पर सवाल उठाना जल्दबाजी होगी। पुजारा ने 'जियोस्टार' से कहा, वह कभी भी खराब फॉर्म में नहीं होते। संजू सैमसन टी20 फॉर्मेट में ऐसे खिलाड़ी हैं जिनका प्रदर्शन ऊपर-नीचे होता रहता है। हालांकि, यह हमेशा बस एक अच्छी पारी की बात होती है। जैसे ही वह एक अच्छी पारी खेलते हैं, वह वापस फॉर्म में आ जाते हैं। इसी कारण आप यह नहीं कह सकते कि यह खिलाड़ी फॉर्म में नहीं है। टी20 फॉर्मेट में फेल होना तो तय है। टी20 में कौन आउट नहीं होता? निरंतरता होनी चाहिए, लेकिन मुझे लगता है कि टी20 में टॉप ऑर्डर के लिए निरंतरता को जरूरत से ज्यादा अहमियत दी जाती है। हालांकि, पुजारा को लगता है कि न्यूजीलैंड में संजू सैमसन और वैभव सूर्यवंशी दोनों को एक साथ टीम में शामिल करना चयन के लिहाज से एक चुनौती हो सकती है। उन्होंने सुझाव दिया कि वहां की परिस्थितियों को देखते हुए भारत ऑलराउंडरों को प्राथमिकता दे सकता है, जिससे टॉप ऑर्डर में शामिल किए जाने वाले स्पेशलिस्ट बल्लेबाजों की संख्या सीमित हो सकती है।

उन्होंने कहा, न्यूजीलैंड में वैभव का हर मैच खेलना थोड़ा मुश्किल लगता है, क्योंकि वहां आपको ज्यादा ऑलराउंडर्स की जरूरत होती है - या तो स्पिन ऑलराउंडर या फिर सीमिंग ऑलराउंडर। इसी वजह से वहां आपको बहुत सारे बल्लेबाजों की आवश्यकता नहीं है, खासकर टॉप ऑर्डर में। ओपनिंग या तो संजू सैमसन कर सकते हैं या फिर वैभव।

भारतीय टीम के टॉप ऑर्डर में बढ़ी प्रतिस्पर्धा : नंबर-3 से नंबर-6 पर पहुंचे तिलक

बंगलूरू (एजेंसी)

भारतीय टीम के मध्यक्रम के बल्लेबाज तिलक वर्मा ने साफ कर दिया है कि टीम की जरूरत के मुताबिक वह किसी भी बल्लेबाजी क्रम में खेलने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि उनके लिए बल्लेबाजी का नंबर मायने नहीं रखता, बल्कि देश के लिए मैच खत्म करना सबसे ज्यादा अहम है।

तिलक ने माना कि नंबर-3 पर बल्लेबाजी करते हुए मैच फिनिश करना अपेक्षाकृत आसान होता है, लेकिन टीम संयोजन को देखते हुए वह नंबर-6 पर फिनिशर की भूमिका निभाने के लिए भी मानसिक रूप से तैयार हैं। भारत और वेस्टइंडीज के बीच टी20 सीरीज समाप्त होने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में तिलक वर्मा ने अपनी बल्लेबाजी की भूमिका और टीम की रणनीति पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि वह नंबर-3 और नंबर-5 जैसे अलग-अलग स्थानों पर बल्लेबाजी करने की तकनीक रखते हैं और जरूरत पड़ने पर खुद को जल्द ढाल सकते हैं।

नंबर-3 से नंबर-6 तक बल्लेबाजी करने को तैयार तिलक

– तिलक वर्मा ने कहा कि नंबर-3 से नंबर-6 तक अपनी भूमिका बदलना आसान नहीं होता, लेकिन वह टीम के लिए फिनिशर की जिम्मेदारी निभाना पसंद करते हैं। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि नंबर-3 पर बल्लेबाजी करते हुए पारी को संभालने और मैच को अंजाम तक पहुंचाने के लिए ज्यादा समय मिलता है, जबकि नंबर-6 पर परिस्थितियां अलग होती हैं।

– तिलक ने कहा, 'नंबर-3 से नंबर-6 तक अपनी भूमिका बदलना इतना आसान नहीं है। मुझे देश के लिए मैच खत्म करना पसंद है। मैं इस जिम्मेदारी को पसंद करता हूं। हां, नंबर-6 की तुलना में नंबर-3 पर बल्लेबाजी करते हुए मैच फिनिश करना आसान होता है, लेकिन शीर्ष क्रम में हमारा संयोजन अच्छा है और खिलाड़ी शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। मैं फिनिशर की भूमिका के लिए मानसिक रूप से तैयार हूं और इस नंबर पर खेलते हुए कुछ मैच भी जिता चुका हूं।'

– उन्होंने आगे कहा कि उनके पास मैदान के चारों ओर शॉट खेलने की क्षमता है और वह टीम की जरूरत के हिसाब से अपनी बल्लेबाजी में बदलाव कर सकते हैं। तिलक के मुताबिक, किसी दूसरे बल्लेबाजी क्रम में खुद को ढालने के लिए उन्हें सिर्फ एक दिन के अभ्यास की जरूरत है।

नमन धीर की गेंदबाजी को बताया बड़ी उपलब्धि

तिलक वर्मा ने सीरीज के दौरान भारतीय टीम की बल्लेबाजी पर संतोष जताया। उन्होंने कहा कि हर मैच में 200 से अधिक रन बनाना टीम के लिए सकारात्मक संकेत है। इसके साथ ही उन्होंने नमन धीर की गेंदबाजी की भी तारीफ की, जिन्होंने सीरीज में पांच विकेट हासिल किए।

पैरा एशियन गेम्स का उद्घाटन : भारतीय जर्सी में दिखी सिंधु घाटी सभ्यता की झलक

आइची नागोया (एजेंसी)

जापान के राजा नारुहितो ने रविवार को पांचवें पैरा एशियन गेम्स 2026 का आधिकारिक उद्घाटन किया। जापान के आइची-नागोया में आयोजित इस महाद्वीपीय खेल आयोजन के साथ ही पदकों के लिए मुकाबलों का औपचारिक आगाज हो गया। प्रतियोगिता 18 से 24 अक्तूबर तक चलेगी। इस बार एशिया के सभी 45 देश इसमें हिस्सा ले रहे हैं, जो पैरा एशियन गेम्स के इतिहास में पहली बार हो रहा है। उद्घाटन समारोह नागोया के पालोमा मिजुहो स्टेडियम में आयोजित किया गया। इस दौरान भारतीय दल ने भी शानदार अंदाज में प्रवेश किया। पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत और धाविका सिमरन शर्मा भारतीय दल के ध्वजवाहक बने और तिरंगा लेकर टीम इंडिया की अगुवाई की।

उद्घाटन समारोह में भारतीय खिलाड़ियों का प्रवेश खास आकर्षण रहा। पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया ने सोशल मीडिया पर भारतीय दल के मार्च का वीडियो साझा किया। कमेटी ने प्रमोद भगत और सिमरन शर्मा को ध्वजवाहक बनाए जाने को देश के लिए गर्व का क्षण बताया। प्रमोद भगत भारत के प्रमुख पैरा बैडमिंटन खिलाड़ियों में शामिल हैं, जबकि सिमरन शर्मा ने स्प्रिंट स्पर्धाओं में अपनी पहचान बनाई है। दोनों खिलाड़ियों ने भारतीय तिरंगे के साथ दल की अगुवाई करते हुए देश की खेल भावना और पदक जीतने के इरादे को प्रदर्शित किया। भारतीय दल के ध्वजवाहकों के नाम में उद्घाटन समारोह से पहले बदलाव किया गया। शुरुआत में प्रमोद भगत के साथ पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ी भाविना पटेल को यह जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

कभी लंदन में करती थीं कॉर्पोरेट नौकरी, फिर कॉमेडी को बनाया जुनून...दिलचस्प है जेमी लीवर का सफर

बॉलीवुड और स्टैंडअप कॉमेडी की दुनिया में कुछ कलाकार ऐसे हैं, जिन्हें देखकर चेहरे पर मुस्कान अपने आप आ जाती है। जेमी लीवर भी उन्हीं कलाकारों में से एक हैं। अपनी शानदार मिमिक्री, कॉमिक टाइमिंग और अलग अंदाज से उन्होंने मनोरंजन की दुनिया में अपनी खास पहचान बनाई है। हालांकि, जेमी के लिए यह सफर इतना आसान नहीं था। मशहूर कॉमेडियन जॉनी लीवर की बेटी होने के बावजूद उन्होंने अपनी पहचान सिर्फ पिता के नाम के सहारे नहीं बनाई, बल्कि अपने टैलेंट और मेहनत से दर्शकों के दिल में जगह बनाई। जेमी लीवर का जन्म 19 अक्टूबर 1987 को मुंबई में हुआ था। वह बचपन से ही ऐसे परिवार में पली-बढ़ीं, जहां मनोरंजन की दुनिया से उनका गहरा रिश्ता था। उनके पिता जॉनी लीवर अपने दौर के सबसे लोकप्रिय कॉमेडियन में शामिल थे। जेमी ने अपनी शुरुआती पढ़ाई मुंबई में की, लेकिन आगे की पढ़ाई के लिए उन्होंने लंदन का रुख किया। उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्टमिंस्टर से मार्केटिंग कम्युनिकेशन में मास्टर्स किया। पढ़ाई पूरी होने के बाद उन्होंने एक कॉर्पोरेट कंपनी में नौकरी की। लंदन की एक मार्केट रिसर्च फर्म में जेमी मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव के तौर पर काम करती थीं। यानी जिस जेमी को आज स्टेज पर मजेदार अंदाज में लोगों को हंसाते हुए देखा जाता है, वह कभी ऑफिस में एक्सेल, पावरपॉइंट और मार्केट रिपोर्ट्स के बीच अपना दिन बिताती थीं। कॉर्पोरेट की नौकरी के बावजूद उनके दिल में स्टेज परफॉर्मेंस का जुनून कहीं न कहीं जिंदा था। लंदन में रहते हुए जेमी ने कॉमेडी क्लब्स में ओपन माइक से अपनी शुरुआत की। छोटे-छोटे मंचों पर लोगों के सामने परफॉर्म करना उनके लिए एक नया अनुभव था। वहां दर्शकों की प्रतिक्रिया और मिली सराहना ने उन्हें एहसास कराया कि शायद उनका असली जुनून कॉमेडी ही है। इसके बाद जेमी ने तय किया कि अब वह अपने पैशन को ही अपना प्रोफेशन बनाएंगी। उन्होंने कॉर्पोरेट की नौकरी से अलग रास्ता चुना और भारत लौट आईं। मुंबई में उन्होंने स्टैंडअप कॉमेडी और मिमिक्री के जरिए अपने करियर की शुरुआत की। जेमी की सबसे बड़ी खासियत उनकी मिमिक्री है। **(एजेंसी)**

बॉलीवुड डेब्यू को लेकर नर्वस हैं ईशा मालवीय, बोलीं- 'आउटसाइडर को मौका मिलना मेरे लिए बड़ी बात'

छोटे पर्दे पर अपनी पहचान बनाने के बाद अब एक्ट्रेस ईशा मालवीय बड़े पर्दे पर अपनी नई पारी शुरू करने जा रही हैं। फिल्म 'तुम मेरे हो' से बॉलीवुड में डेब्यू करने को लेकर ईशा काफी एक्साइटेड हैं। हालांकि, पहली फिल्म को लेकर उनके मन में घबराहट भी है लेकिन वह इस मौके को लेकर ज्यादा खुश हैं। एक्ट्रेस का कहना है कि एक आउटसाइडर होने के बावजूद उन्हें बड़े पर्दे पर काम करने का मौका मिला है, जो उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा है। ईशा मालवीय ने अपने बॉलीवुड डेब्यू को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, 'पहली फिल्म होने की वजह से मैं नर्वस हूं और मुझे डर भी लग रहा है लेकिन मेरी खुशी नर्वस होने से कहीं ज्यादा है। एक आउटसाइडर के तौर पर बड़े पर्दे तक पहुंचना मेरे लिए बड़ी बात है। मैं इस मौके को लेकर काफी एक्साइटेड हूं और अपनी फिल्म को दर्शकों के सामने लाने का इंतजार कर रही हूं।' ईशा मालवीय ने कहा, 'मैं खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हूं। मुझे लगता है कि अब तक मैंने जो मेहनत की है, जिंदगी में जिन मुश्किलों का सामना किया है और मुझे यहां तक पहुंचाने के लिए मेरे माता-पिता ने जो परेशानियां झेली हैं, उन सबका नतीजा अब सामने

आ रहा है। मैं फिल्म 'तुम मेरे हो' से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हूं। इसके लिए मैं बहुत खुश हूं।' ईशा ने कहा, 'मेरे लिए अभी भी इस बात पर यकीन करना आसान नहीं है कि मैं सच में बॉलीवुड फिल्म का हिस्सा बन गई हूं। मुझे कई बार ऐसा लगता है, जैसे मैं कोई सपना देख रही हूं। हालांकि, जब मैं फिल्म से जुड़े लोगों को अपने साथ देखती हूं, तो मुझे इस बात का एहसास होता है कि मेरा सपना अब हकीकत बन रहा है। यह मेरे लिए अनुभव काफी खास है और मैं इस नए सफर को लेकर उत्साहित हूं।' अपनी फिल्म 'तुम मेरे हो' को लेकर ईशा ने कहा, मुझे उम्मीद है कि यह उन दर्शकों को पसंद आएगी, जो पर्दे पर एक सिंपल लव स्टोरी देखना चाहते हैं। हम दर्शक के तौर पर अक्सर शिकायत करते हैं कि अच्छी फिल्में नहीं आ रही हैं। फिल्मों में बहुत हिंसा और खून-खराबा है। रोमांस कहां है? एक सिंपल लव स्टोरी कहां है? इसलिए हम आपके लिए 'तुम मेरे हो' लेकर आए हैं। फिल्म 'तुम मेरे हो' में ईशा मालवीय के साथ एक्टर गुरमीत चौधरी भी नजर आएंगे। आशीष पांडा के डायरेक्शन में बनी यह म्यूजिकल फिल्म 23 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। **(एजेंसी)**

नेहा शर्मा : एआई से बनी तस्वीरों और वीडियो पर अभिनेत्री ने अपनाया सख्त रुख, कानूनी कार्रवाई की दी चेतावनी

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के गलत इस्तेमाल को लेकर दुनियाभर में चिंता लगातार बढ़ रही है। खासकर सेलिब्रिटीज इससे ज्यादा प्रभावित होते नजर आ रहे हैं। एआई की मदद से डीपफेक, एडिटेड वीडियो और किसी की पहचान का गलत इस्तेमाल करने के अभी तक कई मामले सामने आए हैं। ऐसे मामलों में कई एक्टर्स ने कानूनी कार्रवाई भी की है। अब इस लिस्ट में एक्ट्रेस नेहा शर्मा का नाम भी जुड़ गया है। उन्होंने अपने चेहरे और पहचान का इस्तेमाल करके एआई से वीडियो और तस्वीरें बनाने वालों को सख्त चेतावनी दी है।

नेहा शर्मा ने क्या किया पोस्ट?

शनिवार को नेहा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'मेरे चेहरे या पहचान का इस्तेमाल करके मेरी सहमति के बिना एआई से वीडियो या तस्वीरें बनाने वाले तुरंत ऐसा करना बंद करें। इसे लेकर आपको औपचारिक रूप से चेतावनी दी जा रही है।' उन्होंने आगे लिखा, 'मेरी पहचान का इस्तेमाल करके पहले से पोस्ट किए गए ऐसे सभी कंटेंट को तुरंत हटाएं। साथ ही आगे से मेरी पहचान का इस्तेमाल करके कोई भी एआई वीडियो या तस्वीर न बनाएं, न एडिट करें और न ही उन्हें शेयर करें। इस तरह मेरे चेहरे का इस्तेमाल करके मेरी गलत छवि पेश करना या मेरी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाना बिल्कुल भी स्वीकार नहीं है। मैं अपने चेहरे या पहचान के अनधिकृत इस्तेमाल की बिल्कुल भी सहमति नहीं देती हूं।'

कानूनी कार्रवाई की दी चेतावनी

नेहा ने कानूनी कार्रवाई की चेतावनी देते हुए आगे लिखा, 'इसे औपचारिक चेतावनी समझें। ऐसे कंटेंट को बनाने, पोस्ट करने या शेयर करने वाले हर व्यक्ति के खिलाफ मैं कानूनी कार्रवाई करूंगी। किसी को यह नहीं सोचना चाहिए कि फर्जी अकाउंट के पीछे छिपकर या एआई का इस्तेमाल करके वह कानूनी जवाबदेही से बच सकता है। इसे अभी हटाएं। आपको चेतावनी दी जा चुकी है।'

अदालत का रुख कर चुके हैं ये सेलिब्रिटीज

नेहा शर्मा उन कई भारतीय सेलिब्रिटीज में शामिल हैं, जिन्होंने डीपफेक के मुद्दे पर अपनी बात रखी है। हाल के समय में कई एक्टर्स ने अपनी पहचान, तस्वीरों और पर्सनैलिटी राइट्स को एआई के गलत इस्तेमाल से बचाने के लिए अदालत का रुख किया है। अक्षय कुमार, वरुण धवन, अनिल कपूर, शिल्पा शेट्टी, प्रीति जिंटा, कार्तिक आर्यन, मृणाल ठाकुर, सुनील शेट्टी और कई अन्य सितारे अपनी तस्वीरों और आवाज के बिना अनुमति इस्तेमाल किए जाने के खिलाफ अदालत पहुंचे हैं। एआई के जरिए पहचान के गलत इस्तेमाल के बढ़ते मामलों के बीच यह मुद्दा लगातार गंभीर होता जा रहा है। **(एजेंसी)**

प्रियंका : एनुअल एकेडमी म्यूजियम गाला पहुंचीं अभिनेत्री, रेड कार्पेट पर कोचर गाउन से जीता फैंस का दिल

प्रियंका चोपड़ा अपनी अपकमिंग फिल्म 'वाराणसी' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच उन्होंने थोड़ा वक्त निकाल कर 'एनुअल एकेडमी म्यूजियम गाला' में अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है। रेड कार्पेट पर उन्होंने एक बेहतरीन कॉउचर गाउन पहना था, जिसमें उनका अंदाज बेहद ग्लैमरस और आकर्षक लग रहा था। जहां इस शाम कई बड़े सितारे शानदार परिधानों में नजर आए, वहीं प्रियंका का लुक सबसे अलग था। अभिनेत्री ने शैंपेन-गोल्ड रंग का साटन गाउन पहना था, जिसमें एक खास ऑफ-शोल्डर नेकलाइन थी। यह उनके कॉलरबोन को बहुत खूबसूरती से उभार रही थी। गाउन का मुलायम कपड़ा उनके शरीर पर बहुत ही नजाकत से लिपटा हुआ था। यह उनके फिगर को एक बेहतरीन आकार दे रहा था। गाउन नीचे की तरफ फर्श तक लंबा था और पीछे की ओर एक हल्की 'ट्रेल' भी थी। नेकलाइन पर लगे नाजुक सुनहरे काम और चेन जैसी डिटेलिंग ने गाउन की चमक को और निखार दिया। प्रियंका ने अपने लुक को पूरा करने के लिए गले से सटा हुआ एक चमकदार डायमंड नेकलेस पहना, जो इस सुनहरे रंग के साथ बहुत जंच रहा था। इसके साथ उन्होंने एक शानदार घड़ी और कुछ साधारण अंगूठियां पहनी थीं, ताकि पूरा ध्यान उनके गाउन के अनोखे डिजाइन पर ही रहे। मेकअप और स्टाइल की बात करें तो, प्रियंका ने एक ग्लैमरस और सधा हुआ लुक चुना। उनकी आंखों को हल्का और सुंदर रूप दिया गया था, होंठों पर न्यूड शेड की लिपस्टिक थी और उनका चेहरा एकदम दमक रहा था। **(एजेंसी)**

कच्चे माल की महंगाई से जूझ रही हैं एफएमसीजी कंपनियां, दूसरी छमाही में मार्जिन पर दबाव के आसार

नई दिल्ली (एजेंसी)

रोजमर्रा की जरूरत का उपभोक्ता सामान (एफएमसीजी) बनाने वाली कंपनियों को चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में मार्जिन पर लगातार दबाव का सामना करना पड़ सकता है। कच्चे माल की बढ़ती लागत कंपनियों के मुनाफे को कम कर रही है, जिससे कंपनियां त्योहारी सत्र के बाद कीमतों में बढ़ोतरी और उपभोक्ता मांग पर पड़ने वाले प्रतिकूल असर के बीच संतुलन साधने की कोशिश कर रही हैं। सितंबर तिमाही में कच्चे माल की लागत का दबाव और गहरा गया, जिसने इससे पिछली तिमाही में दिखी नरमी के रुख को पलट दिया।

त्योहारी सत्र के दौरान उपभोक्ता मांग को बनाए रखने के लिए कंपनियों द्वारा इस बढ़ी हुई लागत का एक हिस्सा खुद वहन करने के साथ उनके मार्जिन पर असर पड़ा। ग्रांट थॉर्नटन भारत के भागीदार नवीन मलपानी ने कहा कि जिंसों में यह बढ़ोतरी असमान रही है। कच्चा तेल, पैकेजिंग सामग्री, पाम तेल और चीनी के चलते खासतौर से लागत का दबाव बना है।

उन्होंने कहा, ''रुपये के संदर्भ में, सितंबर में पाम तेल की कीमतें सालाना आधार पर लगभग 21 प्रतिशत अधिक रहीं। दूसरी ओर मासिक आधार पर आठ प्रतिशत की गिरावट के बावजूद चीनी की कीमतें सालाना आधार पर करीब 18 प्रतिशत ऊंची बनी रहीं।'' मलपानी ने कहा कि बढ़ती लागत की पूरी भरपाई कीमतों में बढ़ोतरी और परिचालन दक्षता के जरिये नहीं हो पाई है, जिससे परिचालन मार्जिन पर दबाव बढ़ गया है। पार्ले प्रोडक्ट्स के मुख्य विपणन अधिकारी (सीएमओ) मयंक शाह ने बताया कि बढ़ती महंगाई एफएमसीजी उद्योग के लिए एक बड़ा विषय है, जो 'निश्चित रूप से चिंताजनक' है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि कंपनियां तुरंत कीमतें बढ़ाने के बजाय कार्यकुशलता में सुधार और लागत में कटौती के जरिये बढ़ी हुई लागत की भरपाई कर मार्जिन के झटके को आंशिक रूप से खुद वहन करने की कोशिश कर रही हैं।

शाह ने कहा कि देश भर के शहरी और ग्रामीण इलाकों में मांग मजबूत बनी रही, क्योंकि कंपनियों ने लागत में हुई पूरी बढ़ोतरी का बोझ उपभोक्ताओं पर नहीं डाला। उन्होंने कहा, 'कीमतों में बढ़ोतरी पर अधिकांश फैसले त्योहारी सत्र के बाद ही लिए जाएंगे... ऐसे में, आपको दिसंबर के बाद से इस दिशा में कुछ कदम दिख सकते हैं।' उन्होंने कहा कि कंपनियां लागत प्रबंधन के लिए छूट और विज्ञापन खर्चों में कटौती पर भी विचार कर रही हैं।

फियो ने निर्यात इकाइयों में ही जांच प्रयोगशालाओं के लिए सरकार से मदद मांगी

नई दिल्ली (एजेंसी)

भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) ने रविवार को सरकार से निर्यातकों को नियामकीय मंजूरी के अधीन अपने कारखानों में ही उत्पादों की जांच के लिए प्रयोगशालाएं स्थापित करने में मदद देने का आग्रह किया। संगठन ने कहा कि इससे प्रमाणन की प्रक्रिया तेज होगी और निर्यात खेप समय पर भेजने में मदद मिलेगी।

फियो के अध्यक्ष एस. सी. रल्हन ने कहा कि मंजूर व्यवस्था के तहत निर्यातकों को अपने परिसर में उत्पादों की जांच की अनुमति देने से साझा जांच केंद्रों पर निर्भरता कम होगी और कंपनियां विदेशी बाजारों में खरीदारों को तय समयसीमा के भीतर आपूर्ति कर सकेंगी। उन्होंने कहा, 'भारत जिस संख्या में मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) को लागू कर रहा है, उसे देखते हुए यह हमारे लिए महत्वपूर्ण है।' उन्होंने कहा कि उत्पादों को साझा जांच केंद्रों में भेजने से अक्सर देरी होती है, खासकर तब जब किसी केंद्र को कई कंपनियों के उत्पादों की जांच करनी हो। रल्हन ने कहा, 'देरी से निर्यात खेप प्रभावित हो सकती है और कारोबारियों के लिए अंतरराष्ट्रीय खरीदारों द्वारा तय समयसीमा के भीतर आपूर्ति करना मुश्किल हो सकता है।'

उन्होंने कहा कि साझा केंद्रों के इस्तेमाल से उत्पादों के डिजाइन और विनिर्माण प्रक्रियाओं की गोपनीयता को लेकर भी चिंता हो सकती है, क्योंकि कंपनियां अपने संवेदनशील उत्पादों या तकनीकी जानकारी को बाहरी केंद्रों के सामने रखने से हिचक सकती हैं। उन्होंने कहा कि बाहरी केंद्रों पर जांच का शुल्क भी अधिक होता है, जिससे उत्पाद की प्रतिस्पर्धात्मकता प्रभावित होती है। रल्हन ने कहा, 'शुल्क सालाना 10-12 लाख रुपये तक होता है।'

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से नौ का बाजार पूंजीकरण 3.65 लाख करोड़ रुपये बढ़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से नौ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 3.65 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। इस दौरान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), भारती एयरटेल और इन्फोसिस सबसे अधिक लाभ में रहीं।

पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 2,256.94 अंक यानी 3.11 प्रतिशत चढ़ा, जबकि एनएसई निफ्टी 625.7 अंक यानी 2.77 प्रतिशत के लाभ में रहा। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), बजाज फाइनेंस, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और इन्फोसिस के बाजार पूंजीकरण में बढ़ोतरी हुई। वहीं, लार्सन एंड टुब्रो एकमात्र ऐसी कंपनी रही, जिसके बाजार मूल्यांकन में गिरावट दर्ज की गई। सप्ताह के दौरान टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 1,08,542.63 करोड़ रुपये बढ़कर 8,91,134.96 करोड़ रुपये हो गया। शीर्ष 10 कंपनियों में यह सबसे बड़ी बढ़त रही। भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 61,406.53 करोड़ रुपये बढ़कर 11,88,815.45 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इन्फोसिस की बाजार हैसियत 55,893.05 करोड़ रुपये बढ़कर 4,71,409.41 करोड़ रुपये हो गई, जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज के बाजार पूंजीकरण में 53,047.56 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई और यह 16,37,437.19 करोड़ रुपये रहा।

अदाणीकॉनेक्स के विशाखापत्तनम डेटा सेंटर में पानी की खपत कम करने का दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)

अदाणीकॉनेक्स की ओर से गूगल के साथ साझेदारी में विशाखापत्तनम में विकसित किए जा रहे प्रस्तावित डेटा सेंटर परिसरों में एयर-कूलिंग प्रणाली का इस्तेमाल किया जाएगा। इसका उद्देश्य पानी आधारित वाष्पीकरण शीतलन प्रणाली की जरूरत को खत्म करना और तीनों स्थलों पर ताजा पानी की कुल खपत को एक ओलंपिक आकार के स्विमिंग पूल में समाने वाले पानी से भी कम रखना है।

परियोजना से जुड़े सूत्रों ने यह जानकारी दी। मुदासरलोवा और तारलुवाड़ा में प्रस्तावित ये परिसर लगभग एक गीगावाट क्षमता वाली डेटा सेंटर परियोजना का हिस्सा हैं।

आंध्र प्रदेश का विशाखापत्तनम कृत्रिम मेधा (एआई) और डिजिटल बुनियादी ढांचे के प्रमुख केंद्र के रूप में उभरने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। परंपरागत डेटा सेंटर में इस्तेमाल होने वाली वाष्पीकरण आधारित शीतलन प्रणालियों और कूलिंग टावर के बजाय प्रस्तावित परिसरों में हवा आधारित शीतलन प्रौद्योगिकी अपनाई जाएगी। इससे ऐसी पारंपरिक प्रणालियों में इस्तेमाल होने वाले पानी की बड़ी मात्रा की जरूरत नहीं पड़ेगी।

सूत्रों के मुताबिक, तीनों स्थल पर सीमित मात्रा में आवश्यक ताजा पानी का करीब 80 प्रतिशत हिस्सा बागवानी, रसोई और कर्मचारियों की सुविधाओं के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। परिसर के भीतर पानी का शोधन कर उसका पुनः उपयोग भी किया जाएगा। परियोजना के तहत नगर निगम की जलापूर्ति व्यवस्था से पानी लेने के बजाय औद्योगिक जलापूर्ति के लिए अलग कनेक्शन उपलब्ध कराए जाएंगे।

इसका उद्देश्य घरेलू उपभोक्ताओं के लिए पेयजल आपूर्ति पर अतिरिक्त दबाव पड़ने से रोकना है। परिसरों में घरेलू अपशिष्ट जल के लिए शून्य-निर्वहन नीति अपनाई जाएगी। इसके तहत परिसर में स्थापित मलजल शोधन संयंत्र में अपशिष्ट जल का उपचार किया जाएगा और उसका इस्तेमाल बागवानी तथा शौचालयों में किया जाएगा। सूत्रों ने कहा कि उपचारित अपशिष्ट जल को मुदासरलोवा जलाशय में नहीं छोड़ा जाएगा। इन उपायों का उद्देश्य मुदासरलोवा जलाशय और उससे सटे कंबालकोंडा वन्यजीव अभयारण्य सहित स्थानीय जल संसाधनों पर परियोजना के प्रभाव को कम करना है। क्लाउड कंप्यूटिंग और कृत्रिम मेधा सेवाओं की बढ़ती मांग के बीच कंपनियां अपनी क्षमता का विस्तार कर रही हैं। इसके चलते विशाखापत्तनम में डेटा सेंटर और उनसे जुड़ी डिजिटल बुनियादी सुविधाओं में निवेश बढ़ रहा है। रिलायंस इंडस्ट्रीज भी भोगापुरम और पोलिपल्ली के पास डेटा सेंटर परिसर विकसित कर रही है।